आभ्यंतरिक खेल परिसर का लोकार्पण

परीक्षा पे चर्चा -2023

आईआईटी इंदौर और आरआरकेट के बीच समझौता ज्ञापन

छात्रावास में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण करते निदेशक

अंतराष्ट्रिय योग दिवस समारोह

तकनीकी प्रतियोगिता

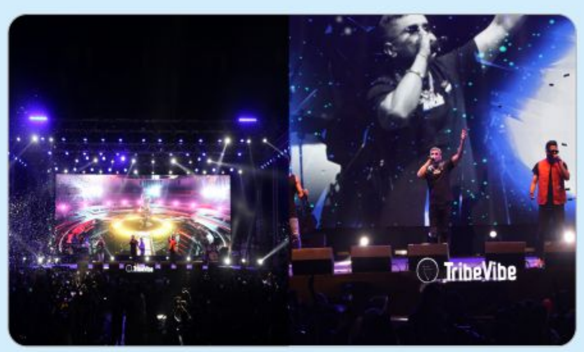

सांस्कृतिक उत्सव

स्वतंत्रता दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर

Indian Institute of Technology Indore

Khandwa Road, Simrol, Indore-453552, Madhya Pradesh, India

Website: www.iiti.ac.in

G20 भारत 2023 INDIA

वार्षिक प्रतिवेदन
2022-23

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर

Indian Institute of Technology Indore

G20 भारत 2023 INDIA

Welcome to IIT Indore

Date of Visit

Name: K SANJAY MURTHY

Address: SECRETARY HIGHER EDUCATION, GOI

E-mail ID

Mobile

Comments: It was with great satisfaction that one felt seeing the rise of the Institution in a short span of time. The foundation laid by all the faculty and administration would leave a sound base for the next phase of development of the Institution, for which I wish them the very best. The ideas showed today I am sure will play a significant role in realising this.

3/5/22

Date

Signature of Visitor

Thank you for your visit.
Your feedback, comments are valuable to us

Welcome to IIT Indore

Date of Visit: 03/05/2022

Name: Dharmendra Pradhan.

Address

E-mail ID

Mobile

Comments: I wish best future of this institution. This IIT should be a research centre for central India.

Date

Signature of Visitor

Thank you for your visit.

Welcome to IIT Indore

Date of Visit: 17.7.2023

Name: Prof. Dr. Volker Epping

Address: Leibniz University Hannover
Welfengarten 1, 30167 Hannover

E-mail ID: epping@jura.uni-hannover.de

Mobile: 0163 762 8248

Comments: It was a very impressing visit. I look forward to a growing fruitful cooperation. Thank you very much for your invitation and your great hospitality.

17.7.2023

Date

Signature of Visitor

Thank you for your visit.
Your feedback, comments are valuable to us

Welcome to IIT Indore

Date of Visit: 8/August/2022

Name: Dr VK SARASWAT

Address: Member NITI Aayog.

E-mail ID: VKSaraswat1949@gmail.com

Mobile: 9599622992

Comments: IIT (Indore) has come of age in the last five years. It was heartening to listen to the outstanding Research work being done at IIT. It has the right ecosystem to be the hub of MP in Electronics System Design and Manufacturing. We need to involve Industry in this mission.
I wish the faculty and students all the best in future endeavours.

Date

Signature of Visitor

Thank you for your visit.
Your feedback, comments are valuable to us

Welcome to IIT Indore

Date of Visit: 23/10/23

Name: Sanjay Dubey.

Address: P.S. Energy & Renewable Energy

E-mail ID: sanrachna@hotmail.com

Mobile: 8889150333.

Comments: Loved interacting with faculty & student. Excellent facilities for interaction and studies. Loved being here particularly because I was involved since the inception of the institute.

Date

Signature of Visitor

Thank you for your visit.
Your feedback, comments are valuable to us

Welcome to IIT Indore

Date of Visit

Name: JAIVEER SINGH BHADORIA

Address: E-1, DIG BUNGLOW CAMPUS, AB ROAD INDORE

E-mail ID: Jaiveersb49@gmail.com

Mobile: 94251-22318

Comments: It's an eye opening learning to visit IIT INDORE.
Thanks

4/11/22

Date

Signature of Visitor

4/11/22

Thank you for your visit.
Your feedback, comments are valuable to us

अनुक्रमणिका

1. परिचय 02
2. निदेशक संदेश 04
3. शासी मंडल, संस्थान के अधिकारीगण, आईआईटी इंदौर के सीनेट के सदस्यगण 07
4. शैक्षणिक कार्य 13
5. रैंकिंग 18
6. संकाय कार्य, प्रशासन, वित्त एवं लेखा तथा सामग्री प्रबंधन अनुभाग 19
7. अनुसंधान एवं विकास 37
8. अंतर्राष्ट्रीय संबंध 42
9. परिसर आधारभूत संरचना विकास 47
10. छात्र कार्य, प्लेसमेंट रिपोर्ट, छात्रावास एवं आहार सुविधाएँ, परामर्श प्रकोष्ठ 51
11. आउटरीच एवं सार्वजनिक व्याख्यान, एक भारत श्रेष्ठ भारत, आईआईटी इंदौर संबंधी मीडिया, संस्थान के कार्यक्रम और समारोह 66
12. संस्थान की सुविधाएँ 86
    - विद्यार्जन संसाधन केंद्र
    - स्वास्थ्य केंद्र
    - केंद्रीय कार्यशाला
13. विभाग की प्रोफ़ाइल 92
    - खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग (Astronomy, Astrophysics and Space Engineering)
    - जीवविज्ञान एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (Biosciences and Biomedical Engineering)
    - संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (Computer Science and Engineering)
    - विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग (Electrical Engineering)
    - यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग (Mechanical Engineering)
    - धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग (Metallurgical Engineering & Materials Science)
    - जानपद अभियांत्रिकी विभाग (Civil Engineering)
    - भौतिकी विभाग (Physics)
    - रसायन शास्त्र विभाग (Chemistry)
    - गणित विभाग (Mathematics)
    - मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल (Humanities & Social Sciences)
14. केंद्रों की प्रोफ़ाइल 117
    - उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (CEED)
    - परिष्कृत उपकरण केंद्र (SIC)
    - उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (CAE)
    - कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (CITC)
    - इलेक्ट्रॉनिक वाहन और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (CEVITS)
    - भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (CISKS)
    - अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (CFDST)
    - ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (CRDT)
    - आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (सेक्शन 8 कंपनी)
    - डीएसटी–सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च
    - जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र

परिचय

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में विश्व लीडर बनने के भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए और महत्वपूर्ण परिवर्तन की नई शुरुआत करने के लिए, भारत सरकार ने तकनीकी जनशक्ति की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन किया और आठ नए आईआईटी स्थापित करने का निर्णय लिया, जिसके परिणामस्वरूप अभूतपूर्व आर्थिक विकास हुआ। उनमें से छह ने शैक्षणिक वर्ष 2008–09 में काम करना शुरू कर दिया। इनकी स्थापना हैदराबाद, गांधीनगर, जोधपूर, रोपड़, पटना और भुवनेश्वर में की गई थी। वहीं, आईआईटी इंदौर और आईआईटी मंडी का संचालन जुलाई 2009 शुरू किया गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, जो कि मध्य प्रदेश में स्थित है, 2009 में भारत सरकार द्वारा स्थापित एक राष्ट्रीय महत्व वाला संस्थान है, जिसे आईआईटी इंदौर या आईआईटीआई के नाम से भी जाना जाता है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए आठ नए आईआईटी में से एक है। संस्थान ने आईआईटी बॉम्बे की देखरेख में देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में एक अस्थायी परिसर के साथ 2009–10 से संचालन शुरू किया। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने 17 फरवरी 2009 को शहर से लगभग 25 किमी दूर खंडवा रोड पर स्थित सिमरोल में लगभग 501.42 एकड़ (2.1 वर्ग किमी क्षेत्र) में फैले स्थायी परिसर की नींव रखी। इसके साथ, फरवरी 2016 से आईआईटी इंदौर ने अपने स्थायी परिसर से काम करना शुरू कर दिया।

संस्थान की आधारभूत संरचनाः कुल क्षेत्रफल 501 एकड़ है। कुल निर्मित क्षेत्रः 2,21,000 वर्ग मीटर, जिसमें 5 छात्रावास, शैक्षणिक पॉड (POD) भवन, विद्यार्जन संसाधन केंद्र, (केंद्रीय पुस्तकालय), प्रशासनिक भवन, सेमिनार हॉल और सभागार के साथ व्याख्यान कक्ष परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, केंद्रीय आहार सुविधा, 3 आवासीय इकाइयाँ, खेल परिसर (इनडोर), केंद्रीय विद्यालय भवन और संबद्ध सुविधाएँ शामिल हैं।

विभाग / वर्ग

- खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
- जीवविज्ञान एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युतीय अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
- जानपद अभियांत्रिकी
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान
- भौतिकी
- रसायन शास्त्र
- गणित

उपलब्ध पाठ्यक्रम

- बीटेक
- एमएससी, एमएससी + पीएचडी डुअल डिग्री
- एमएस (रिसर्च), एमएस (रिसर्च) + पीएचडी डुअल डिग्री
- डेटा विज्ञान एवं प्रबंधन में एमएस डिग्री (MS&DSM)
- बीटेक + एमटेक डुअल डिग्री
- एमटेक, एमटेक + पीएचडी डुअल डिग्री
- छात्र विनिमय कार्यक्रम (SEP)
- पीएचडी

कुलसचिव कार्यालय
वित्तीय वर्ष 2022–2023 के दौरान आयोजित प्राधिकारियों की बैठकें

शासी मंडल	:	पाँच बैठकें आयोजित हुईं
		29.04.2022, 11.08.2022, 14.12.2022, 23.01.2023 एवं 16.02.2023
वित्त समिति	:	पांच बैठकें आयोजित हुईं
		29.04.2022, 11.08.2022, 14.12.2022, 23.01.2023 एवं 16.02.2023
भवन एवं निर्माण समिति	:	तीन बैठकें आयोजित की गईं
		11.04.2022, 13.06.2022 एवं 31.10.2022
सीनेट	:	चार बैठकें आयोजित हुईं
		06.04.2022, 21.07.2022, 11.11.2022 एवं 20.03.2023

उद्देश्य

21वीं सदी के पीछे प्रेरक शक्ति, ज्ञान प्रधान समाजों का विकास है। इससे भारत में उच्च शिक्षा के नए संस्थानों की स्थापना हुई है। 2009 में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर उस पहल का एक ऐसा हिस्सा है जो भारत को वैश्विक ज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लीडर के रूप में देखता है। पुराने आईआईटी की परंपरा को जारी रखते हुए आईआईटी इंदौर का लक्ष्य अनुसंधान आधारित शिक्षा और नवाचार संचालित अनुसंधान तथा उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके भारत को उसके विकास पथ पर आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाना है। आईआईटी इंदौर का लक्ष्य मानवतावादी सरोकारों के साथ इस उद्देश्य को हासिल करना है।

दृष्टिकोण

शैक्षणिक

- विचारों की स्वतंत्रता तथा अनुसंधान एवं नवाचार विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के साथ एक शैक्षणिक वर्ग को विकसित करना और उसका बढ़ावा देना।
- अत्याधुनिक सुविधाओं पर व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ निरंतर अद्यतित ज्ञान का संतुलन प्रदान करना।
- डेटा विज्ञान, इलेक्ट्रिक वाहन, कुशल परिवहन प्रणाली, अंतरिक्ष अभियांत्रिकी, भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान आदि जैसे भविष्य के क्षेत्रों में नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करना।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या का चयन करके तथा शिक्षण एवं अनुसंधान में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्य को शामिल करके संस्थान के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देना।
- विभिन्न स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कार्यक्रमों में उद्योगों, रक्षा बलों तथा अभियांत्रिकी संस्थानों से उम्मीदवारों को बढ़ाना।
- शिक्षण, अनुसंधान तथा नवाचार के लिए उद्योगों से अनुबद्ध संकाय सदस्य की भागीदारी बढ़ाना।
- पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान, विकास तथा उद्यमिता में प्रतिष्ठित उद्योगों एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को शामिल करना।

अनुसंधान, विकास और उद्यमिता

- विज्ञान, अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- सतत विकास, जलवायु परिवर्तन और खाद्य एवं जल सुरक्षा जैसे कुछ चुने हुए क्षेत्रों पर बाधाकारी और सामाजिक रूप से प्रभाव डालने वाले अनुसंधान पर कार्य करना।
- नए उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों के लिए उद्योग उन्मुख अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- अभियांत्रिकी के साथ जीवन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान तथा कृषि विज्ञान के अभिसरण पर ध्यान देना।
- औद्योगिक अनुसंधान पार्क की स्थापना करके स्टार्ट अप और उद्यमिता के चलन को बढ़ावा देना, जो मध्य भारत का केंद्र बिंदु होगा।
- एग्रेसिव पेटेंटिंग और आईपीआर की सुरक्षा।

उद्देश्य

- सामाजिक अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण विकास के माध्यम से संस्थान की शैक्षणिक, तकनीकी और सामाजिक पहुँच को बढ़ाना।
- उद्योग, शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए विश्व स्तरीय अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं का विकास करना।
- कौशल विकास और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के प्रति अनुसंधान और नवाचार को बढ़ाना।
- अभियांत्रिकी एवं जैव चिकित्सा उपकरण, रक्षा, ई—वाहन, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों आदि में विश्वस्तरीय तकनीकी नवाचार के विकास में योगदान देना।

निदेशक संदेश

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आईआईटी इंदौर) ने जुलाई 2009 में अपनी स्थापना के बाद से अपने अनुसंधान, शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों का तेजी से विस्तार किया है। अब यह संस्थान देश के शीर्ष रैंकिंग संस्थानों में से एक है और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने सबसे मान्यता प्राप्त क्यूएस विश्व रैंकिंग में भी पहली बार स्थान प्राप्त किया है। इस संस्थान में 2400 से अधिक छात्र तथा विभिन्न विषयों एवं अनुसंधान विशेषज्ञता के 180 संकाय सदस्य हैं।

जानपद अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युतीय अभियांत्रिकी तथा धातुकर्म अभियांत्रिकी के विषयों में हमारे सुप्रसिद्ध बीटेक कार्यक्रमों के साथ अब हम अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, रसायन अभियांत्रिकी, गणित तथा कंप्यूटिंग एवं इंजीनियरिंग भौतिकी में 4 नए बीटेक कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। शैक्षणिक वर्ष 2023–24 से हम 9 विषयों में एमटेक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाने के अलावा 6 नई विशेषज्ञताओं में अपने एमटेक कार्यक्रमों का विस्तार भी कर रहे हैं। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इनमें से 2 नए एमटेक कार्यक्रम विशेष रूप से ऑटोमोबाइल उद्योग और रक्षा प्रौद्योगिकी के लिए बनाए गए हैं। इसके अलावा, उद्योग पेशेवरों के साथ हमारे स्नातक छात्रों के इंटरैक्शन को बेहतर बनाने के लिए हम क्रेडिट सिस्टम युक्त शैक्षणिक बैंक बना रहे हैं जो उद्योग कर्मियों के लिए बीटेक कार्यक्रमों में पंजीकरण करने के अवसर खोलेगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के उद्देश्यों के अनुसार, बीटेक कार्यक्रम योग्य और अनुभवी उद्योग पेशेवरों के लिए खुले होंगे और पाठ्यक्रम शुरू करने और कार्यक्रम पूरा करने की अवधि से अधिक समय मिलेगा। इन शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग तक पहुँचने के अलावा हमने छात्रों और मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज (एमपीजीईसी) के सरकारी शिक्षकों के लिए भी अवसर प्रदान किए हैं। एमपीजीईसी के दूसरे वर्ष के 50 मेधावी छात्रों को यह अवसर मिलेगा कि वे आईआईटी इंदौर परिसर में दो सप्ताह के इंटरैक्टिव कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसी तरह, एमपीजीईसी के अंतिम वर्ष के 50 मेधावी बीटेक/बीई छात्रों को 8वें सेमेस्टर के बीटेक प्रोजेक्ट और पाठ्यक्रम शुरू करने और एक सेमेस्टर के लिए आईआईटी इंदौर परिसर में रहने का मौका मिलेगा। आईआईटी इंदौर एमपीजीईसी के युवा संकाय सदस्यों के लिए कॉलेज शिक्षक श्रेणी के तहत पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा भी प्रदान करने जा रहा है। हम भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर के साथ डेटा विज्ञान और प्रबंधन में संयुक्त एमएस डिग्री भी प्रदान करते हैं, जो कि एक ऑनलाइन कार्यक्रम है और बहुत लोकप्रिय हो रहा है। हम प्रौद्योगिकी, विज्ञान और मानविकी और सामाजिक विज्ञान के 19 विषयों में पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं और वर्तमान में हमारे पास 580 से अधिक पीएचडी के शोध छात्र एवं छात्राएँ नामांकित हैं।

देश भर के, विशेषकर मध्य प्रदेश के, उद्योग, शिक्षकों और छात्रों के बीच शैक्षणिक इंटरैक्शन पर कार्य करने के अलावा, हम आकर्षक उपक्रमों के माध्यम से सभी छात्रों के सीखने के अनुभवों को भी बढ़ा रहे हैं। उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईईडी) की स्थापना बीटेक छात्रों के लिए उद्यमिता पाठ्यक्रम प्रदान करती है और हाल ही में, इसने छात्रों और शिक्षकों की अधिकतम संख्या में भागीदारी के साथ उद्यमिता कौशल पर प्रशिक्षण के लिए बूट कैंप और संकाय सदस्य विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उद्यमशीलता गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सेक्शन 8 कंपनी, एडवांस्ड सेंटर

फॉर एंटरप्रेन्योरशिप (एसीई) फाउंडेशन भी पंजीकृत है। हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों को अपने उत्कृष्ट शोध योजनाओं को व्यवहार्य उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, स्थानांतरीय अनुसंधान केंद्र (सीटीआर) की स्थापना की गई है। यह केंद्र कई उद्योगों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएँ चला रहा है। ये परियोजनाएँ पिछले साल संस्थान द्वारा आयोजित इंडस्ट्री एकेडेमिया कॉन्क्लेव के परिणामस्वरूप चलाईं गईं। अनुसंधान के माध्यम से शिक्षा और उद्योग को जोड़ने वाली सभी गतिविधियों को सलाहकार सहायता प्रदान करने के लिए संस्थान में औद्योगिक सलाहकार बोर्ड भी स्थापित किया गया है।

वर्ष 2009 में, संस्थान की स्थापना के बाद से ही अनुसंधान आईआईटी इंदौर की विशेषता रही है। समाज और उद्योग के लाभ के लिए मौलिक, प्रायोगिक एवं स्थानांतरीय अनुसंधान में तेजी लाने के लिए, संस्थान ने अपने छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए विभिन्न योजनाएँ शुरू की हैं। संभावित तकनीकी समाधान वाले बीटीपी परियोजनाओं को 5 लाख रुपये की फंडिंग मिल सकती है, पीएचडी छात्र दुनिया में कहीं भी अपने क्षेत्र की उन्नत प्रयोगशाला में 1–3 महीने की यात्रा के साथ 'एडवांस्ड लैब प्रोजेक्ट' योजना के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। युवा संकाय सदस्य 10 लाख रुपये के बीज अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं और इसके अलावा 'ड्रीम लैब सहयोग योजना' के तहत उत्कृष्ट संभावनाओं वाले अनुसंधान प्रस्तावों का समर्थन करने हेतु अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए 5 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि की मांग कर सकते हैं। हम पीएचडी शोध छात्रों के लिए उनकी पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने के बाद 15 पोस्टडॉक्टरल फैलोशिप की भी घोषणा कर रहे हैं जिनके डॉक्टरेट शोध को उत्पाद या पेटेंट में स्थानांतरित किया जा सकता है। अनुसंधान और शिक्षण में वरिष्ठ संकाय सदस्यों के अभिज्ञेय योगदान की सराहना करने के लिए, 11 संस्थान चेयर प्रोफेसर का पदभार दिया जाएगा। संस्थान को बीआईएस चेयर प्रोफेसरशिप भी प्राप्त हुई जो हमारे संकाय सदस्यों द्वारा किए जा रहे समर्पित अनुसंधान को दर्शाती है। पेटेंट सहित शिक्षण, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में उत्कृष्टता के बढ़ते स्तर, संकाय सदस्यों के बीच हमारी बढ़ती प्रतिस्पर्धा के माध्यम से स्पष्ट है और हर साल कई संस्थान पुरस्कारों के माध्यम से भी मान्यता प्राप्त है। संस्थान को दृष्टि साइबर फिजिकल सिस्टम परियोजना सहित उल्लेखनीय अनुसंधान परियोजनाओं की फंडिंग भी प्राप्त हुई, जहाँ साइबर फिजिकल सिस्टम के क्षेत्र में स्थानांतरण संबंधी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियाँ की जा रही हैं। परियोजना का कुल व्यय लगभग 100 करोड़ रुपये है जो भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित है। संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय से 9.68 करोड़ रुपये की कुल फंडिंग के साथ जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र (जेपीएन सेंटर) की स्थापना की। यह पर्यावरण और डिजिटल मानविकी के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियाँ चलाने वाला एक राष्ट्रीय केंद्र होगा। संस्थान के पास 22 करोड़ रुपये के कुल वित्त पोषण व्यय के साथ डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत समर्थित कई उत्कृष्टता केंद्र भी हैं।

आईआईटी इंदौर पर्यावरण के अनुकूल होने के अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, परिसर को वास्तव में स्मार्ट, स्वच्छ और हरित परिसर बनाने में भी आगे बढ़ रहा है। हमने परिसर में 6 प्राकृतिक जल निकायों का कायाकल्प किया जो भू–जल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। माननीय शिक्षा मंत्री के अनुदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हम ''अमृत सरोवर'' भी बना रहे हैं, जो कि एक मानव निर्मित विशाल जल निकाय होगा। इसके अतिरिक्त, मिट्टी और जल संरक्षण के लिए परिसर के प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्रों में 8 चेक डैम भी बनाए जा रहे हैं। वन बीट गार्ड कार्यालय और आवास के निर्माण और वन पौधों और पशु प्रजातियों के संरक्षण की योजनाओं के साथ वन क्षेत्र संरक्षण और विकास भी प्रगति पर है। हर मानसून में वृक्षारोपण अभियान आईआईटी इंदौर में एक संस्कृति बन रहा है, जिसमें परिसर में 9 किलोमीटर के ट्रेंच के किनारे 700 पीपल के पौधे, 1000 नीम के पौधे और अन्य फल, फूल और सड़क के पेड़ लगाने की लक्षित योजना है। प्राकृतिक जीवन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए, नए कार्यक्रम डिज़ाइन किए जा रहे हैं, नए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं तथा शिक्षण एवं विद्यार्जन के नए तरीके लाए जा रहे हैं।

अपनी शैक्षणिक महत्वाकांक्षाओं के साथ युवा छात्रों के लिए जीवन कभी–कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन आईआईटी इंदौर में, विभिन्न चरणों के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने के प्रयास लगातार किए जाते हैं। इस क्षेत्र में दो प्रमुख कार्यक्रमों में भावनात्मक और अकादमिक रूप से स्व–निर्मित संतुलित जीवन जीने के लिए ''लाइव'' शामिल है। दूसरी पहल ''द जेनेसिस'' है जो कि नए प्रवेशकों के लिए जानकारी को आत्मसात करने तथा उत्साहपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण जीवन के लिए खुद को ढालने के लिए दो सप्ताह की अवधि का एक प्रेरण कार्यक्रम है।

बेहद गर्व और खुशी के साथ, हम 15 जुलाई 2023 को संस्थान का एकादश दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहे हैं। हनोवर में लीबनिज यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष और टीयू9 यूनिवर्सिटीज एलायंस के उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. वोल्कर एपिंग मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएँगे। इस वर्ष, संस्थान हमारे सम्मानित अतिथि के रूप में इंफोसिस के पूर्व सीईओ और प्रबंध निदेशक श्री सेनापति ''क्रिस'' गोपालकृष्णन को आमंत्रित करके सम्मानित महसूस कर रहा है। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि इस वर्ष हमारे संस्थान से 554 छात्र डिग्री प्राप्त करने जा रहे हैं। सभी छात्रों ने अपनी शैक्षणिक, सह–पाठ्यचर्या और खेल गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है और साथ ही, प्रशंसा भी हासिल की है। शैक्षणिक प्रदर्शन में विशिष्टता को विभिन्न पदकों के पुरस्कार के माध्यम से मान्यता दी जाती है। गौरवान्वित पदक विजेताओं में राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, संस्थान रजत पदक, सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट पुरस्कार, मास्टर्स प्रोग्राम के सभी स्नातक छात्रों के बीच उच्चतम सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र के लिए बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल के प्राप्तकर्ता शामिल हैं; और डिग्रीधारक महिला उम्मीदवार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस के लिए वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। हम डिग्रीधारक बैच की भी सराहना करते हैं जिन्होंने परिसर में दो साल के कम प्रवास के दौरान सभी प्रयोगशाला कौशल प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से कड़ी मेहनत की है। मैं सभी स्नातक छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और उनके करियर और जीवन में सफलता की कामना करता हूँ।

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक, आईआईटी इंदौर

शासी मंडल, आईआईटी इंदौर

अध्यक्ष

प्रोफेसर दीपक बी. फाटक
आईआईटी इंदौर

सदस्य

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक,
आईआईटी इंदौर

श्री राकेश रंजन
अपर सचिव (टीई), भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री मनु श्रीवास्तव
मुख्य सचिव
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग,
मध्य प्रदेश सरकार

प्रोफेसर योगेश एम जोशी
रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर

प्रोफेसर धनंजय वी. भट्ट
प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
एस. वी. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इच्छानाथ, सूरत

श्री मनोज कोहली
कार्यकारी अध्यक्ष, एसबी एनर्जी (सॉफ्ट बैंक ग्रुप) नई दिल्ली

प्रोफेसर प्रीति ए. भोबे (सीनेट नामांकित)
भौतिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय (सीनेट नामांकित)
विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

श्री एस. पी. होता
कुलसचिव एवं शासी मंडल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

संस्थान के अधिकारीगण

निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
प्रोफेसर सुहास एस जोशी

अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
प्रोफेसर देवेन्द्र एल. देशमुख
(w.e.f. Jan 1, 2020)

अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
प्रोफेसर विपुल सिंह
(w.e.f June 2, 2023)

अधिष्ठाता, प्रशासन
प्रोफेसर प्रीति शर्मा
(w.e.f. Jan 1, 2020)

अधिष्ठाता, प्रशासन
प्रोफेसर संदीप चौधरी
(w.e.f February 23, 2023)

अधिष्ठाता, संकाय कार्य
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव

अधिष्ठाता, छात्र कार्य
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन

अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना विकास
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल

अधिष्ठाता, अनुसंधान
एवं विकास
प्रोफेसर आई.ए. पलानी

अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
एवं आउटरीच
प्रोफेसर अविनाश सोनवणे

अधिष्ठाता, पूर्व छात्र
और कॉर्पोरेट संबंध
प्रोफेसर आनंद पारे

कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर
श्री एस. पी. होता

सह अधिष्ठाता

शैक्षणिक (स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम)	:	डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरिमिल्लि
शैक्षणिक (आधारभूत संरचना)	:	डॉ. एंटनी विजेश
शैक्षणिक (स्नातक कार्यक्रम)	:	प्रोफेसर राम बिलास पचौरी
संकाय कार्य	:	प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर (नवंबर 2022 से)
अनुसंधान एवं विकास– I	:	प्रोफेसर अरुणा तिवारी
अनुसंधान एवं विकास– II	:	डॉ. बोधिसत्व मजूमदार
प्रशासन	:	डॉ. संतोष होस्मानी
आधारभूत संरचना विकास–I	:	डॉ. गुरु प्रकाश
छात्र कार्य	:	डॉ. संजीव सिंह
अंतर्राष्ट्रीय संबंध–I	:	प्रोफेसर रघुनाथ साहू
अंतर्राष्ट्रीय संबंध–II	:	प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

विभागाध्यक्ष

मानविकी और सामाजिक विज्ञान	:	प्रोफेसर निर्मला मेनन (3 जनवरी, 2020 से 31 मार्च, 2023 तक) प्रोफेसर रुचि शर्मा (1 अप्रैल, 2023 से अब तक)
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	:	डॉ. सोमनाथ डे
विद्युतीय अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर विपुल सिंह (9 अगस्त 2019 से 23 अगस्त 2022 तक) प्रोफेसर विवेक कान्हांगड (24 अगस्त, 2022 से अब तक)
यांत्रिक अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर संतोष कुमार साहु (11 फरवरी, 2020 से 31 मार्च, 2023 तक) प्रोफेसर शनमुगम दिनाकरण (1 अप्रैल, 2023 से अब तक)
रसायन शास्त्र	:	प्रोफेसर बिस्वरूप पाठक (8 जनवरी, 2020 से 31 मार्च, 2023 तक) प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी (1 अप्रैल, 2023 से अब तक)
गणित	:	डॉ. नीरज कुमार शुक्ला
भौतिकी	:	प्रोफेसर पंकज आर. सगदेव
खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर अभिरूप दत्ता
जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी	:	प्रोफेसर अमित कुमार
धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान	:	डॉ. विनोद कुमार (13 जनवरी, 2020 से 29 मार्च, 2023 तक), डॉ. अजय कुमार कुशवाहा (30 मार्च, 2023 से अब तक)
जानपद अभियांत्रिकी	:	डॉ. अभिषेक राजपूत

प्रभारी प्राध्यापक – केंद्र

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र	:	प्रोफेसर मुकेश कुमार
संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र	:	डॉ. नेमिनाथ हुब्बल्ली
अत्याधुनिक रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र	:	डॉ. इंद्रसेन सिंह
उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र	:	डॉ. स्वामीनाथन आर.
ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र	:	डॉ. देबायन सरकार
डीएसटी–फिस्ट गियर इंजीनियरिंग उत्कृष्टता केंद्र	:	प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन
परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी)	:	प्रोफेसर अपूर्व के. दास
भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र	:	प्रोफेसर जी. एस. मूर्ति
इलेक्ट्रिक वाहन और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र	:	प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर
परामर्श सेवाएँ	:	प्रोफेसर अरुणा तिवारी
प्रशिक्षण एवं नियोजन	:	डॉ. पवन कुमार कांकर
केंद्रीय कार्यशाला	:	डॉ. डैन सथियाराज

आईआईटी इंदौर के सीनेट के सदस्य

अध्यक्ष

प्रोफेसर सुहास एस जोशी
निदेशक, आईआईटी इंदौर

बाहरी विशेषज्ञ

प्रोफेसर हिमांशु राय	निदेशक, आईआईएम इंदौर
श्री शंकर वी. नाखे	निदेशक, आरआरसीएटी
श्री बी अनिल बालिगा	कार्यकारी उपाध्यक्ष, वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड
प्रोफेसर अभिराम जी. रानाडे	प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे
प्रोफेसर अजय कुमार जैन	प्रोफेसर, एमडीआई, गुड़गांव

अधिष्ठाता

प्रोफेसर विपुल सिंह	अधिष्ठाता, शैक्षणिक कार्य
प्रोफेसर संदीप चौधरी	अधिष्ठाता, प्रशासन
प्रोफेसर अविनाश सोनवणे	अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल	अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना विकास
प्रोफेसर आई.ए. पलानी	अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन	अधिष्ठाता, छात्र कार्य
प्रोफेसर आनंद पारे, अधिष्ठाता	पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव	अधिष्ठाता, संकाय कार्य
प्रोफेसर देवेन्द्र एल. देशमुख	अधिष्ठाता, एजुकेशनल आउटरीच

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिषेक राजपूत	विभागाध्यक्ष, जानपद अभियांत्रिकी
डॉ. सोमनाथ डे	विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विवेक कान्हांगड	विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर शनमुगम दिनाकरन	विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी
डॉ. अजय कुमार कुशवाहा	विभागाध्यक्ष, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर अमित कुमार	विभागाध्यक्ष, बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	विभागाध्यक्ष, खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग
प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी	विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र
डॉ. नीरज कुमार शुक्ला	विभागाध्यक्ष, गणित
प्रोफेसर पंकज आर. सगदेव	विभागाध्यक्ष, भौतिकी
प्रोफेसर रुचि शर्मा	विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्रोफेसर

प्रोफेसर नरेंद्र एस चौधरी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर आनंद पारे	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर राम बिलास पचौरी	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिनव क्रांति	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विमल भाटिया	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर रजनीश मिश्रा	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर सुभेंदु रक्षित	भौतिकी
प्रोफेसर कृष्णा आर. मवानी	भौतिकी
प्रोफेसर सारिका जालान	भौतिकी
प्रोफेसर संदीप चौधरी	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अविनाश सोनवणे	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर जी.एस. मूर्ति	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विपुल सिंह	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर प्रभात कुमार उपाध्याय	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर तृप्ति जैन	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर मुकेश कुमार	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर नीलिमा देवराकोंडा सत्यम	जानपद अभियांत्रिकी
प्रोफेसर आई. ए. पलानी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर भूपेश कुमार लाड	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर संतोष कुमार साहु	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर रितुनेश कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर दिनाकरन शनमुगम	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अरुणा तिवारी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर कपिल आहूजा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी
प्रोफेसर अमित कुमार	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर प्रशांत कोडगिरे	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी
प्रोफेसर एस.के. सफीक अहमद	गणित
प्रोफेसर अपूर्ब कुमार दास	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर संपक समन्ता	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर संजय कुमार सिंह	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर बिस्वरूप पाठक	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर निर्मला मेनन	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर प्रीति शर्मा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर रुचि शर्मा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
प्रोफेसर प्रीति आनंद भोबे	भौतिकी
प्रोफेसर राजेश कुमार	भौतिकी
प्रोफेसर सुदेशना चट्टोपाध्याय	भौतिकी
प्रोफेसर परशराम एम. शिरागे	धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान
प्रोफेसर स्वदेश के. साहु	गणित

प्रोफेसर रघुनाथ साहु	भौतिकी
प्रोफेसर आमोद सी. उमरीकर	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर विवेक कान्हांगड	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन	विद्युतीय अभियांत्रिकी
प्रोफेसर देवेन्द्र एल देशमुख	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रोफेसर पंकज रमेश सागदेव	भौतिकी
प्रोफेसर सोमादित्य सेन	भौतिकी
प्रोफेसर अंखी रॉय	भौतिकी
प्रोफेसर मोबिन शेख	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर अंजन चक्रवर्ती	रसायन शास्त्र
प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी	रसायन शास्त्र

अन्य अधिकारी

डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन	चीफ वार्डन
डॉ. शरद गुप्ता	संयोजक, स्वास्थ्य केंद्र सलाहकार समिति
डॉ. आनंद पिटारे	कार्यशाला अधीक्षक, केंद्रीय कार्यशाला

छात्र प्रतिनिधि (केवल गैर–मूल्यांकन मद के लिए)

महासचिव	छात्र जिमखाना (पदेन)
शैक्षणिक सचिव	छात्र जिमखाना (पदेन)

सचिव

श्री एस. पी. होता	कुलसचिव, आईआईटी इंदौर

शैक्षणिक कार्य

संस्थान का शैक्षणिक कार्य अनुभाग प्रत्येक शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत नामांकित छात्रों की सभी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए रणनीतिक योजनाओं की देखरेख करता है। यह अनुभाग संस्थान सीनेट द्वारा तैयार और अनुमोदित दिशानिर्देशों, नियमों और नीतियों के अनुसार डुअल डिग्री कार्यक्रमों सहित बीटेक, एमटेक, एमएससी, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को कवर करने के लिए प्रत्येक सेमेस्टर में तैयार किए गए एक नियोजित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार कार्य कर रहा है।

शैक्षणिक कार्य के मुख्य कार्यः

- सबसे अत्याधुनिक ऑडियो वीडियो सुविधाओं से सुसज्जित नवनिर्मित तक्षशिला व्याख्यान कक्ष परिसर, विक्रमशिला सेमिनार हॉल (4 सेमिनार हॉल से युक्त) और नालंदा सभागार।
- संस्थान में ऐसे 27 छात्र/छात्राएँ हैं जिन्हें 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- छात्राओं को उच्च अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, आईआईटी इंदौर ने वर्ष 2022 में सभी स्नातक छात्राओं के लिए नई छात्रवृत्ति शुरू की।
- छात्रों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण हेतु, नए शामिल हुए बी.टेक छात्रों के लिए 3 दिवसीय जीवन कौशल विकास कार्यशाला की शुरुआत की गई।
- बी.टेक प्रोग्राम से पहली बार किसी छात्र का चयन चार्पैक एक्सचेंज स्कॉलरशिप के तहत आईएमटी अटलांटिक में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए हुआ।
- शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, आईआईटी इंदौर ने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में भाग लेने के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया।
- संस्थान ने वर्ष 2022–23 में निम्नलिखित नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किएः
  एम.टेक. थर्मल एनर्जी सिस्टम (टीईएस)
- संस्थान सीनेट ने शैक्षणिक वर्ष 2023–24 से विभिन्न विभागों में निम्नलिखित 13 नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की पेशकश करने की स्वीकृति दीः
  बीटेक अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
  बीटेक रसायन अभियांत्रिकी
  बीटेक गणित एवं कंप्यूटिंग
  बीटेक अभियांत्रिकी भौतिकी
  एम.टेक. संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (सीएसई)
  एम.टेक. जल, जलवायु एवं स्थिरता (डब्ल्यूसीएस)
  एम.टेक. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी (बीएमई)
  एम.टेक. एप्लाइड ऑप्टिक्स एवं लेजर टेक्नोलॉजी (एओएलटी)
  एम.टेक. संरचनागत वास्तुविद्या (एसई)
  एम.टेक. रक्षा प्रौद्योगिकी (डीटी)
- ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) द्वारा प्रस्तावित पीएच.डी. कार्यक्रम
- इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) द्वारा प्रस्तावित पीएच.डी. कार्यक्रम
- अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएफडीएसटी) द्वारा प्रस्तावित पीएच.डी. कार्यक्रम
- ''ज्ञानम् सर्वजन हिताय'' के आदर्श वाक्य के साथ आईआईटी इंदौर ने छात्र विनिमय कार्यक्रमों, अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों और कार्यशालाओं को बढ़ावा देने के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- संस्थान ने आईआईटी इंदौर की सभी स्नातक छात्राओं में से सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध के लिए वर्ष 2022 से वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल शुरू किया।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने और शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए छात्रों को 1.20 लाख रुपये तक की वित्तीय

शैक्षणिक मामलों का कार्यालय

सहायता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश पेश किए गए।

- मार्च 2023 में, सीनेट ने 7वें और 8वें सेमेस्टर के दौरान मध्य प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के मेधावी छात्रों यूजी (बीई/बी.टेक.) के लिए इन–बाउंड प्रोग्राम को स्वीकृति दी। इस अवधि के दौरान प्रोजेक्ट और कोर्स वर्क में छात्रों को आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।
- सीनेट ने मार्च 2023 में मध्य प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के कॉलेज शिक्षकों के लिए अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम को स्वीकृति दी। वे आईआईटी इंदौर में कॉलेज शिक्षक श्रेणी में पीएचडी कार्यक्रम (अंशकालिक) के लिए प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ, वे अपने मूल संस्थानों में अपने शिक्षण कर्तव्यों को पूरा करते हुए आईआईटी इंदौर में अपनी पीएचडी करने में सक्षम होंगे।
- शैक्षणिक कार्य अनुभाग ने दीक्षांत समारोह 2022 से ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी डिग्री देना शुरू कर दिया है, जो डिग्रीधारक छात्रों का डिजिटल रूप से सुरक्षित और प्रमाणित शैक्षिक दस्तावेज़ रिकॉर्ड है।

Student Enrolment in last10 years

Academic Programs	Academic Year									
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
PhD (Including Dual Degree)	93	120	83	116	89	189	106	159	200	115
MTech	24	30	31	34	62	41	78	74	62	152
MSc	20	24	47	56	69	80	102	116	100	110
MS (Research)	-	-	-	-	7	21	24	32	28	25
BTech	117	111	258	249	265	283	351	355	358	470
Preparatory Course	-	-	-	-	-	4	-	10		
MS–Data Science Management (With IIM Indore)	-	-	-	-	-	-	-	39	51	81
TOTAL	**254**	**285**	**419**	**455**	**492**	**618**	**670**	**785**	**799**	**953**

Degree Awarded in last 10 years

Academic Programs	Awarding Year									
	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023
PhD (Including	-	6	23	24	38	67	83	58	109	61	82
MTech	-	-	5	22	25	26	29	57	41	65	62
MSc	-	-	14	20	22	41	55	58	83	88	101
MS(Research)	-	-	-	-	-	-	-	6	19	7	12
BTech	101	117	114	108	118	112	108	233	246	269	297
TOTAL	**101**	**123**	**156**	**174**	**203**	**246**	**275**	**412**	**498**	**490**	**554**

पदक विजेता और डिग्रीधारक छात्र

आईआईटी इंदौर

एकादश दीक्षांत समारोह 2023:
पदक एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ता

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक

सभी स्नातक डिग्रीधारक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए

श्री पूर्णदीप चक्रवर्ती
बीटेक (सीएसई)
रोल नंबर 190002048

संस्थान रजत पदक

विभागों के सभी स्नातक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए

श्री कृषाणु सैनी
बीटेक (सीएसई)
रोल नंबर 190001029

श्री सत्यम वत्स
बीटेक (सीई)
रोल नंबर 190004031

श्री आर्यन रस्तोगी
बीटेक (ईई)
रोल नंबर 190002007

सुश्री इशिका बुद्धिराजा
बीटेक (एमई)
रोल नंबर 190003030

सुश्री रमा संदीप एदलाबादकर
बीटेक (एमईएमएस)
रोल नंबर 190005033

संस्थान रजत पदक

सभी स्नातकों के बीच सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए
स्नातकोत्तर छात्र (एमटेक और एमएससी कार्यक्रम)

सुश्री समृद्धि सक्सैना
एम.टेक (एमईएमएस)
रोल नंबर 2102105005

श्री सईद काज़िम हुसैन नासिर
एमएससी (एएएसई)
रोल नंबर 2103121007

सर्वश्रेष्ठ बी.टेक. प्रोजेक्ट (बीटीपी) पुरस्कार

सभी स्नातक छात्रों के बीच

श्री प्रशील कुमार तिवारी
बीटेक (सीएसई)
रोल नंबर 190004025

सुश्री ज्योतिषना बैश्या
बीटेक (सीएसई)
रोल नंबर 190001021

प्रोजेक्ट शीर्षकः ''इंट्रा–सेंसर फिंगरप्रिंट प्रेजेंटेशन अटैक डिटेक्शन''

बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक

सभी डिग्रीधारक महिला स्नातकोत्तर छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए

सुश्री श्रीजिता पाल
एमएससी (रसायन विज्ञान)
रोल नंबर 2103131026

संस्थान रजत पदक

सभी स्नातक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए

सुश्री नियति तोतला

बीटेक (सीई)

रोल नंबर 190004023

वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक

एक महिला छात्र द्वारा सर्वोत्तम पीएचडी शोध प्रबंध कार्य के लिए

सुश्री जस्प्रीत कौर

पीएचडी (जीवविज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी)

रोल नंबर 1701171017

थीसिस शीर्षकः ''नैनो/हाइब्रिड कैरियरः चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए संश्लेषण और मूल्यांकन''

रैंकिंग

इंदौर के लिए एक और गर्व की बात यह है कि आईआईटी इंदौर को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में 454वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह संस्थान भारतीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 11वें स्थान पर है और दूसरी पीढ़ी के आईआईटी की तुलना में सर्वोच्च स्थान पर है। सबसे व्यापक और संतुलित उपलब्ध तुलना प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालयों को शिक्षाविदों, अनुसंधान, उद्धरण, अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण, स्थिरता और रोजगार परिणामों सहित 08 प्रमुख रैंकिंग संकेतकों के आधार पर आंका जाता है। इस वर्ष की क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न स्थानों के विश्वविद्यालयों सहित दुनिया भर के लगभग 1,500 संस्थान शामिल थे।

हाल ही में जारी एनआईआरएफ, शिक्षा मंत्रालय द्वारा भारत रैंकिंग 2023 में, आईआईटी इंदौर ने कई श्रेणियों में एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आईआईटी इंदौर देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में 14वें स्थान पर है। इस श्रेणी में, संस्थानों को 05 प्रमुख रैंकिंग मापदंडों के आधार पर आंका जाता है, जिसमें शैक्षणिक, अनुसंधान, डिग्रीधारकों के नियोजन एवं उच्च शिक्षा, आउटरीच एवं समावेशिता तथा धारणा शामिल हैं। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर समग्र रूप से 28वें और अनुसंधान श्रेणी में 21वें स्थान पर है।

Category	Ranking	
	NIRF-2022	NIRF-2023
Engineering	16	14
Overall	31	28
Research	26	21

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने आईआईटी इंदौर परिवार को बधाई दी और उनसे अपने अनुसंधान तथा शैक्षणिक गतिविधियों को परिश्रम के साथ आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जो अनिवार्य रूप से संस्थान के विकास में योगदान देगा तथा भविष्य में और अधिक वैश्विक मान्यता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संकाय कार्य

संकाय कार्य अनुभाग संकाय सदस्यों से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्यों की देख–रेख करता है। यह भर्ती से लेकर संकाय सदस्यों की सेवानिवृत्त तक का प्रशासनिक रिकॉर्ड रखता है। अनुभाग का नेतृत्व संकाय कार्य के अधिष्ठाता प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव करते हैं, जिनकी सहायता प्रोफेसर अमोद सी. उमरीकर सह अधिष्ठाता, कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त) – संयुक्त कुलसचिव, श्री सुनील सावले – कनिष्ठ अधीक्षक और श्री अमित कुमार मिश्रा – कनिष्ठ अधीक्षक (तकनीकी) करते हैं।

यह कार्यालय निम्नलिखित कार्यों को पूरा करता है:

क) भर्ती अभियान का संचालन और विभिन्न विभागों में स्थायी / संविदा / विजिटिंग / एमेरिटस संकाय सदस्यों की नियुक्ति।

ख) नए शामिल हुए संकाय सदस्यों की पदभार ग्रहण संबंधी औपचारिकताएँ।

ग) संकाय सदस्यों के सेवा रिकॉर्ड और व्यक्तिगत फ़ाइल का रखरखाव।

घ) वेतन, पदोन्नति, छुट्टी, एलटीसी, आश्रित सूची, प्रतिनियुक्ति, वार्षिक वेतन वृद्धि, संविदा नियुक्तियों के लिए कार्यकाल का विस्तार, पुष्टिकरण आदि सहित सभी सेवा कार्यों का प्रसंस्करण।

ड़) सेवा विवरण का नियमित अद्यतनीकरण।

च) शिक्षा मंत्रालय / आरटीआई प्रश्नों और लोकसभा / राज्यसभा प्रश्नावली के उत्तर प्रदान करना।

वर्ष 2022–23 के दौरान किए गए कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

क) आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए विशेष भर्ती अभियान का संचालन।

ख) नई भर्ती के लिए संकाय सदस्य आवेदन पोर्टल का विकास।

ग) नियमों और प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण।

घ) नए शामिल हुए सदस्य को कम से कम समय में आवास उपलब्ध कराने और नए वातावरण में तेजी से अनुकूलन सुनिश्चित करने के लिए पदभार ग्रहण की औपचारिकताओं को सुव्यवस्थित करना।

ड़) नए शामिल हुए संकाय सदस्यों को स्वागत किट का प्रावधान।

च) पेपरवर्क का कम से कम उपयोग करने के साथ ईमेल के माध्यम से अनुमोदन लेना।

छ) संकाय सदस्यों को एलटीसी का समय पर प्रावधान।

31 मार्च, 2023 तक संकाय सदस्य पद भरे गए

पदनाम	संख्या
प्रोफेसर	57
एसोसिएट प्रोफेसर	45
सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I	63
सहायक प्रोफेसर ग्रेड– II	15
कुल	**180**

The number of faculty members joined service at IIT Indore during the year 2022-23 is 12 and details are as follows:

पदनाम	संख्या
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	07
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	05
कुल	**12**

कुल 05 प्रोफेसर एवं 13 एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्ति की गई।

1. जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर गंती एस मूर्ति को 22 जुलाई, 2022 (पूर्वाह्न) से शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) प्रभाग में राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में दो वर्ष के पूर्णकालिक कार्यभार के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया है।
2. संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर नरेंद्र एस. चौधरी को 8 सितंबर, 2022 (अपराह्न) को प्रतिनियुक्ति पर असम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण करने के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया।

3. डॉ. प्रशांत गरेन, सहायक प्रोफेसर ग्रेड I, गणित विभाग, 24 फरवरी, 2023 (पूर्वाह्न) को भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान बरहामपुर में सहायक प्रोफेसर ग्रेड I के रूप में पदभार ग्रहण करने के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया।

4. डॉ. सैकत सरकार, सहायक प्रोफेसर ग्रेड I, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, 11 मई, 2023 (पूर्वाह्न) को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में सहायक प्रोफेसर ग्रेड I के रूप में पदभार ग्रहण करने के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया।

मान्यता एवं पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी विकास पुरस्कार 2023

प्रौद्योगिकी और आविष्कारकों का विवरण इस प्रकार है:

प्रौद्योगिकी विवरण	अन्वेषकों
रक्त कैंसर के उपचार के लिए नवीन एएसपीएआर–बी ड्रगरू वर्तमान में चरण I/II नैदानिक परीक्षण के तहत	अविनाश सोनावणे, मैनाक विश्वास, सौमिका सेनगुप्ता एवं विक्रम गोटा
अक्षीय पंप और एकाधिक सिलेंडरों का उपयोग करने वाली उच्च–प्रदर्शन मशीनरी के रखरखाव की एक विधि	आर. गुप्ता, डॉ. पी.के. कांकर, डॉ. ए. मिगलानी
मल्टी–ऑब्जेक्टिव पावर–परफॉर्मेंस ट्रेडऑफ़ के आधार पर ऑप्टिमल के–साइकिल ट्रांसिएंट फॉल्ट टॉलरेंट डेटापथ का डिज़ाइन स्पेस एक्सप्लोरेशन	डॉ. अनिर्बन सेनगुप्ता
ट्यून करने योग्य फोटोनिक उपकरणों के लिए सी–आईटीओ सेमीकंडक्टर हेटेरोजंक्शन प्रौद्योगिकी	स्वाति राजपूत, विशाल कौशिक, प्रेम बाबू, सुरेश के. पांडे एवं प्रोफेसर मुकेश कुमार
आईओटी सक्षम रीयल–टाइम मॉनिटरिंग NO2 गैस सेंसर	चंद्रभान पटेल, सुमित चौधरी, मयंक दुबे एवं प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी

सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार 2023

विवरण निम्नानुसार है:

शोध पत्र का शीर्षक	लेखक
कॉम्पैक्ट बाइनरी विलय से गीगाइलेक्ट्रॉनवोल्ट उत्सर्जन	एलेसियो मेई, बिस्वजीत बनर्जी, गोर ओगनेस्यान, ओम शरण सलाफिया, स्टेफानो जियाराटाना, मैरिका ब्रानचेसी, पाओलो डीश्अवनजो, सर्जियो कैम्पाना, जियानकार्लो घिरालांडा, सैमुएल रोंचिनी, अमित शुक्ला, पवन तिवारी
छोटे अणु की जांच से ऐसे यौगिकों का पता चलता है जो एफएमआरपॉलीजी (FMRpolyG) प्रोटीन समुच्चय को कम करते हैं और फ्रैगाइल एक्स–एसोसिएटेड ट्रेमर/एटैक्सिया सिंड्रोम में दोष विषाक्तता को कम करते है	अरुण कुमार वर्मा, ईशान खान, सुबोध कुमार मिश्रा, अमित कुमार
एक मॉडल नैनोपोर का उपयोग करके एकल न्यूक्लियोटाइड–आधारित डीएनए अनुक्रमण के लिए मशीन लर्निंग सहायता प्राप्त व्याख्यात्मक दृष्टिकोण	मिलन कुमार जेना, दीप्तेंदु रॉय, बिस्वरूप पाठक
अपशिष्ट टायर रबर फाइबर–प्रबलित जीवाणु स्व–उपचार मोर्टार के सूक्ष्म और स्थूल–संरचनात्मक गुण	अक्षय अनिल ठाकरे, त्रिलोक गुप्ता, रोशनी दीवान, संदीप चौधरी
एक सुरक्षित और संरेखण–मुक्त फ़िंगरप्रिंट टेम्पलेट की गणना करने के लिए युग्म–ध्रुवीय संरचनाओं का अनुकूलन	विवेक सिंह बघेल, सैयद सदफ अली, सूर्य प्रकाश

उन्नत स्थितिजन्य जागरूकता के लिए सिंक्रोफ़ेसर माप का उपयोग करके वेइबुल वितरण के आधार पर वास्तविक समय घटना का पता लगाना	अदनान इकबाल, तृप्ति जैन
अंतर्ज्ञानवादी फ़ज़ी भारित न्यूनतम स्कवायर ट्विन एसवीएम	एम. तनवीर, एम. ए. गनी, ए. भट्टाचार्जी, सी. टी. लिनम
हाइड्रोजन भंडारण के लिए बड़े आकार के एकल–दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब में मौजूद टोपोलॉजिकल दोषः एक आणविक गतिशीलता अध्ययन	सौरभ मिश्रा, एस.आई. कुंडलवाल
मैंगनीज टाइटेनेट पेरोव्स्काइट्स इलेक्ट्रोड के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन की आकृति विज्ञान संचालित वृद्धि पर प्रयोगात्मक जांच का सिद्धांत	नरसिम्हाराव किचमसेट्टी, मनोप्रिया समथम, प्रवीण एन. डिडवाल, धीरेंद्र कुमार, दिवाकर सिंह, संतोष बिमली, परमेश्वर आर चिकाटे, डॉ. डुडेकुला अल्थफ बाशा, सुनील कुमार, चान–जिन पार्क, सुदीप चक्रवर्ती, रूपेश एस. देवन
रमन और ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग करके अर्धचालकों में वाहकों का फोनन–मोड–विशिष्ट जाली गतिशील युग्मन	ओंकार वी. रामबड़े, मीनल गुप्ता, पी. आर. सगदेव

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2022–23

श्रेणी (छात्र संख्या)	संकाय सदस्य और विभाग का नाम
30 से कम छात्रों की संख्या	डॉ. सुनील कुमार, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग
31 से 120 छात्रों की संख्या के बीच	डॉ. अभिषेक राजपूत, जानपद अभियांत्रिकी विभाग
120 से अधिक छात्रों की संख्या	डॉ. अनन्या घोषाल, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

प्रशासन

प्रशासन अनुभाग सामान्य प्रशासन और कर्मचारी सदस्यों से संबंधित सभी मानव संसाधन कार्यों की देखरेख करता है। यह अनुभाग कर्मचारी सदस्यों की भर्ती से लेकर सेवानिवृत्त तक का प्रशासनिक रिकॉर्ड रखता है। प्रशासन कार्यालय प्रशासन के अधिष्ठाता, प्रशासन के सह अधिष्ठाता और कुलसचिव के समग्र मार्गदर्शन में कार्य करता है और प्रशासनिक/मानव संसाधन कार्यों को उप कुलसचिव (प्रशासन) और पाँच कर्मचारी सदस्यों की एक टीम द्वारा निष्पादित किया जाता है।

यह कार्यालय निम्नलिखित कार्यों को पूरा करता है:

क) भर्ती अभियान का संचालन और स्थायी/संविदा/आउटसोर्स स्टाफ सदस्यों की नियुक्ति।

ख) नए शामिल हुए कर्मचारी सदस्यों की पदभार ग्रहण संबंधी औपचारिकताएँ।

ग) कर्मचारी सदस्यों के सेवा रिकॉर्ड और व्यक्तिगत फाइलों का रखरखाव।

घ) वेतन, पदोन्नति, छुट्टी, एलटीसी, आश्रित सूची, प्रतिनियुक्ति, वार्षिक वेतन वृद्धि, संविदा नियुक्तियों के लिए कार्यकाल का विस्तार, पुष्टि आदि सहित सभी सेवा कार्यों का प्रसंस्करण।

ड़) सेवा विवरण का नियमित अद्यतनीकरण।

च) शिक्षा मंत्रालय/आरटीआई प्रश्नों और लोकसभा/राज्यसभा प्रश्नावली के उत्तर प्रदान करना।

छ) सीपीजीआरएएमएस और संस्थान शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों की निगरानी और निवारण।

ज) केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी इंदौर और संस्थान क्रेच सुविधा के कामकाज के लिए समन्वय।

गैर–शैक्षणिक कर्मचारी के पद यथावत 31 मार्च, 2023:

ग्रुप 'ए' अधिकारी	23
तकनीकी कर्मचारी सदस्य	45
प्रशासनिक कर्मचारी सदस्य	63
कुल	131

गैर–शैक्षणिक कर्मचारी सदस्यों की संख्या वर्ष के दौरान नियुक्तियाँ निम्नानुसार हैं:

गैर–शैक्षणिक कर्मचारी	23

सभी गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा भाग लिए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों (इन–हाउस) का विवरण

प्रशिक्षण के विषय	प्रशिक्षक/प्रशिक्षक	पदनाम	तिथि
भत्ते (टीए/एलटीसी/सीईएएस)	श्री प्रदीप अग्रवाल	संयुक्त कुलसचिव (वित्त एवं लेखा)	1–अप्रैल–22
अंग्रेजी और प्रभावी संचार पेशेवरों के लिए: रणनीतियाँ, संवाद और व्यावहारिक अनुप्रयोग	डॉ. अनन्या घोषाल	सहायक प्रोफेसर	8–अप्रैल–22
आरटीआई अधिनियम 2005 का अवलोकन	श्री सुरेश चंद्र ठाकुर	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)	3–जून–22
केंद्रीय सरकारी कर्मचारी के लिए परिवहन भत्ता	श्री तन्मय हर्ष वैष्णव	अनुभाग अधिकारी	10–जून–22
आपदा प्रबंधन और अवलोकन (ग्रेड–II)	श्री रमाकान्त कौशिक	मुख्य सुरक्षा अधिकारी	17–जून–22
विभागीय पुस्तकालय का प्रबंधन	श्री राजेश कुमार	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (ग्रेड–I)	24–जून–22
एबिलीन पैराडॉक्स: समझौतों का प्रबंधन	श्री सरोज कुमार मल्लिक	कार्यपालक अभियंता (विद्युतीय)	01–जुलाई–22
विशेषज्ञ वार्ता और प्रेरक सत्र	कमोडोर (डॉ.) मनोहर नांबियार	कुलसचिव, आईआईटी हैदराबाद	15–जुलाई–22
लिखित अंग्रेजी संचार कौशल	डॉ. अनन्या घोषाल	सहायक प्रोफेसर	9–सितंबर–22
साक्षात्कार तकनीक	श्री एस. पी. होता	कुलसचिव	23–सितम्बर–22
केंद्रीय बजट 2023–24 की मुख्य बातें	श्री प्रदीप अग्रवाल	संयुक्त कुलसचिव	10–फरवरी–23

मान्यता एवं पुरस्कार

S. No.	Institute Awards 2023 (for Non Teaching, Technical and Supporting Staff Members)	Name of the Non-Teaching Staff
1.	वरिष्ठ गैर–शिक्षण कर्मचारी सदस्य (समूह ए) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सहायक कुलसचिव (तत्कालीन)
2.	कनिष्ठ गैर–शिक्षण कर्मचारी सदस्य (समूह बी और सी) द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. सुश्री बिंदू सुरेश, कनिष्ठ अधीक्षक 2. श्री दिनेश चौहान, कनिष्ठ सहायक 3. श्री अंकित तिवारी, कनिष्ठ सहायक
3.	तकनीकी कर्मचारी सदस्य द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री प्रवीण कौशल, ऑडियो विजुअल तकनीशियन 2. श्री अमित जाधव, जूनियर लैब सहायक
4.	सहायक कर्मचारी सदस्य द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन	1. श्री वेद प्रकाश ठाकुर, परिचारक 2. श्री अनिल सांवले, परिचारक

उपलब्धियाँ

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी), इंदौर द्वारा डीएवीवी अधिसूचना संख्या पीएचडी सेल/2023/711 दिनांक 28 अप्रैल, 2023 के माध्यम से भौतिकी में पीएचडी डिग्री प्रदान की गई।

अनुसंधान शीर्षकः एक्स–रे स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीकों के आधार पर संक्रमण धातु परिसरों का संरचनात्मक अध्ययन।

डॉ. नितिन उपाध्याय
वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक

---

25 जनवरी 2023 को नगर निगम, सतना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सतना गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री द्विवेदी को यह पुरस्कार प्रमुख दिव्यांग क्रिकेटर के रूप में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला/टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी और वर्ष 2017 से मध्य प्रदेश राज्य में दिव्यांग (दिब्यांग) क्रिकेटरों को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया।

श्री ब्रजेश द्विवेदी
वरिष्ठ सहायक

कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) सीजन 14 के 109वें एपिसोड के फास्टेस्ट फिंगर्स फर्स्ट राउंड में क्वालिफाई किया और 30 दिसंबर, 2022 को सोनी टीवी पर महान अभिनेता और मिलेनियम के स्टार, श्री अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट की गई हॉट सीट पर पहुँची।

सुश्री रियंका शर्मा
कनिष्ठ सहायक

वित्त एवं लेखा

वर्ष 2022–23 को निम्नलिखित आय और व्यय के साथ दर्शाया गया है:

(रुपये करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2022–2023 वर्तमान वर्ष
1	**आय**	
1.1.	**अनुदान**	136.23
1.2.	शैक्षणिक प्राप्तियाँ	33.33
1.3.	निवेश से आय	0.00
1.4.	अर्जित ब्याज	10.90
1.5.	अन्य कमाई	2.31
1.6.	**कुल 1**	**182.78**
2	**व्यय**	
2.1.	कर्मचारी भुगतान और लाभ	72.33
2.2.	शैक्षणिक व्यय	22.77
2.3.	प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	24.11
2.4.	परिवहन व्यय	0.58
2.5.	मरम्मत एवं रखरखाव	8.41
2.6.	मूल्यह्रास	43.63
2.7.	अन्य व्यय	13.58
2.8.	**कुल 2**	**185.41**
3	**शेष राशि व्यय से अधिक आय है**	**–2.63**

पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण से संबंधित स्थिति इस प्रकार है:

(रुपये करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2022—2023		
		हेफा (HEFA)	अन्य प्रयोजन	कुल
2.1	सहायता अनुदान योजना का प्रारंभिक शेष	25.74	10.37	36.11
2.2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	61.87	156.49	218.36
2.3	ओएच—31 / ओएच—36 के अंतर्गत जोड़े जा रहे घाटा आईआरजी	0.00	3.18	3.18
2.4	संस्थान के पास उपलब्ध कुल धनराशि	87.61	170.04	257.65
2.5	राजस्व व्यय के लिए उपयोग में लाए गए अनुदान	0.00	123.72	123.72
2.5.1	हेफा के लिए सावधि ऋण पर ब्याज	12.52	0.00	12.52
2.5.2	हेफा ऋण का पुनर्भुगतान (75 प्रतिशत)	49.35	0.00	49.35
2.6	आय और व्यय के उपयोग को समायोजित करने के बाद योजना अनुदान	25.74	46.32	72.06
2.7	आधारभूत संरचना, भवनों और कार्यों तथा उपकरणों और अन्य संपत्तियों के विकास की उपयोगिताएँ	0.00	42.99	42.99
2.8	31—03—2023 तक अव्ययित शेष	25.74	3.33	29.07

निधि की उपलब्धता और उसके उपयोग की स्थिति:

वित्तीय वर्ष 2022—23 के दौरान, ₹1,911.12 करोड़ की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की स्वीकृति के लिए, शिक्षा मंत्रालय द्वारा ₹ 218.36 करोड़ की राशि जारी की गई और (आवर्ती और गैर—आवर्ती उद्देश्य के लिए ₹ 156.49 करोड़ + हेफा उद्देश्य के लिए ₹ 61.87 करोड़) ओएच—31 / ओएच—36 के तहत घाटा आईआरजी से जोड़कर अनुदान सहायता में ₹ 3.18 करोड़ जमा किया जा रहा है।

इस वर्ष के दौरान, संस्थान की आंतरिक आय ₹ 26.92 करोड़ थी, IRG (संस्थान का हिस्सा) से 25% हेफा मूल ऋण के भुगतान को समायोजित करने के बाद ₹ 16.45 करोड़ और 01—04—2023 को ₹ 29.07 करोड़ की अव्ययित शेष राशि पर विचार करने के बाद संस्थान के पास उपलब्ध कुल धनराशि ₹ 267.06 करोड़ थी।

पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए ₹42.99 करोड़ की राशि का उपयोग किया गया है और संस्थान के पास उपलब्ध अनुदान में से आवर्ती व्यय पर ₹185.59 करोड़ (आवर्ती उद्देश्य के लिए 123.72 करोड़ रुपये + हेफा उद्देश्य के लिए ₹ 65.74 करोड़) (जिसमें ₹ 41.85 करोड़ का मूल्यह्रास शामिल नहीं है) की राशि खर्च की गई है। हेफा ऋण मूल राशि (25% संस्थान शेयर) के पुनर्भुगतान और ओएच—36 / ओएच—31 के तहत घाटे को समायोजित करने के बाद वर्ष के लिए ₹ 26.92 करोड़ की आंतरिक राजस्व सृजन को कॉर्पस फंड में स्थानांतरित किया गया।

वर्ष के दौरान किए गए सुधार, उपाय और पहल में शामिल हैं:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्त एवं लेखा से निम्नलिखित सुधार, उपाय पहल शुरू की गईं:

सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) सभी डीबीटी भुगतानों के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म है।

संस्थान ने सुविधा के लिए चौनल पार्टनर बैंक के रूप में भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ आईआईटी इंदौर वेबसाइट पर भुगतान गेटवे विकसित किया है।

बच्चों के लिए शिक्षा सहायता:
वित्तीय वर्ष 2022—2023 के दौरान, संस्थान ने भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार शिक्षा सहायता के लिए 162 संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों को ₹ 62,90,731/— की राशि की प्रतिपूर्ति की।

कर्मचारी सदस्यों के लिए परिवहन सुविधाएँ:
संस्थान परिसर से इंदौर शहर तक कर्मचारियों की आवाजाही के लाभ के लिए छात्रों/संकाय सदस्यों/कर्मचारियों को रियायती दरों पर परिवहन सुविधाएँ प्रदान की गई हैं क्योंकि आईआईटीआई परिसर इंदौर शहर से बहुत दूर स्थित है।

अग्रिम:
रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, निम्नलिखित के लिए व्यक्तिगत अग्रिम के रूप में कुल ₹ 96.52 लाख स्वीकृत किए गए।

क्र.सं.	अग्रिम की प्रकृति	लाभार्थियों की संख्या	स्वीकृत राशि (₹ में)	बकाया राशि 31—03—2023 तक (₹ में)
1	गृह निर्माण अग्रिम	01	13,56,600	91,60,669
2	कार एडवांस	—	—	65,000
3	पर्सनल कंप्यूटर अग्रिम	—	—	3,87,312
		कुल	**13,56,600**	**96,12,981**

बीमा:

रोगी के उपचार के लिए ₹ 2.50 लाख का समूह चिकित्सा बीमा कवर प्रदान किया जाता है और संस्थान के सभी छात्रों को ₹ 5.00 लाख का समूह व्यक्तिगत दुर्घटना कवर प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2022—23 के दौरान, बीमा पर व्यय ₹19,64,220/— है। बाह्य रोगी उपचार की देखभाल मुख्य रूप से आंतरिक रूप से स्वास्थ्य केंद्र द्वारा की जाती है।

फैलोशिप/छात्रवृत्ति:

शोध छात्रों के लिए:

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित श्रेणी के छात्रों के लिए फैलोशिप वितरित की है:

क्र.सं.	छात्रों की श्रेणी	छात्र की संख्या	अध्येतावृत्ति (प्रति महीने)
01.	एमओई अनुदान–पीएचडी के माध्यम से संस्थान द्वारा वित्त पोषित	203	JRF- ₹ 31,000 / – SRF- ₹ 35,000 / –
02.	डीएसटी वित्त पोषित (पीएचडी)	46	
03.	सीएसआईआर वित्त पोषित (पीएचडी)	64	
04.	यूजीसी वित्त पोषित (पीएचडी)	152	
05.	एमओई अनुदान के माध्यम से संस्थान द्वारा वित्त पोषित – एम.टेक.	104	₹ 12,400 / –
06.	एमओई अनुदान के माध्यम से संस्थान द्वारा वित्त पोषित – एम. एस. रिसर्च	47	₹ 12,400 / –
07.	डीबीटी – एनसीसीएस पुणे	3	₹35,000 / –

मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति:

संस्थान ने विभिन्न श्रेणियों के तहत संस्थान द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बी.टेक और एमएससी छात्रों को मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति के रूप में ₹ 45,90,164 / – का वितरण किया है।

वंचित वर्ग के छात्रों को ट्यूशन फीस में छूट:

संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय के पत्र एफ. नंबर 24–2 / 2016 टीएस 1 दिनांक 04 अप्रैल , 2016 के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2022–23 में प्रवेशित वंचित वर्ग के स्नातक छात्रों की ट्यूशन फीस में छूट के रूप में ₹ 5,99,80,965 / – का भुगतान / वितरित किया है।

तुलन पत्र और आय एवं व्यय का सारांश इस प्रकार है:

I. 31 मार्च 2023 तक तुलन पत्र

(रुपये ₹ में)

निधियों का स्रोत	**अनुसूची**	**31–03–2023 तक**	**31–03–2022 तक**
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	10,19,57,70,859	9,29,09,26,320
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	18,32,01,188	15,43,59,784
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	3,56,78,30,404	3,66,96,85,770
कुल		**13,94,68,02,4501**	**3,11,49,71,874**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियाँ	4		
(1) मूर्त संपत्ति		9,98,97,54,150	9,39,51,66,561
(2) अमूर्त संपत्ति		4,93,61,789	3,76,96,022
(3) जारी पूंजीगत कार्य		15,69,10,733	47,37,67,960
निर्धारित/ बंदोबस्ती निधि से निवेश	5		
दीर्घकालिक			
लघु अवधि		5,00,000	5,75,571
लघु अवधि	6	1,00,000	–
वर्तमान संपत्ति	7	3,13,11,90,305	2,86,97,99,126
ऋण, अग्रिम और जमा	8	61,89,85,474	33,79,66,633
कुल		**13,94,68,02,450**	**13,11,49,71,874**

II. 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

(रुपये ₹ में)

ब्यौरा		अनुसूची	2022.2023	2021.2022
(I) आय				
शैक्षणिक प्राप्तियाँ		9	33,33,16,444	25,29,76,202
अनुदान एवं सब्सिडीः		10	1,36,23,48,647	1,14,92,35,713
I. अनुदान का उपयोग हेफा से सावधि				
लोन पर ब्याज के भुगतान हेतु	12,52,40,504			
ii. राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान	1,20,53,00,377			
iii. राजस्व व्यय के लिए आईआरजी का उपयोग	3,18,07,766			
निवेश से आय		11	–	–
अर्जित ब्याजः				
– कॉर्पस / आईआरजी पर		12	10,90,36,106	8,54,36,386
अन्य कमाई			13	1,89,66,371
31,65,98,982				
पूर्व अवधि की आय		14	41,61,577	1,34,75,118
कुल (I)			**1,82,78,29,146**	**1,81,77,22,400**
(II) व्यय				
कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)		15	72,33,32,819	65,45,98,650
शैक्षणिक व्यय		16	22,77,13,257	18,91,20,212
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय		17	24,10,85,925	15,97,92,762
परिवहन व्यय		18	58,36,035	31,48,192
मरम्मत और रखरखाव		19	8,40,64,478	7,72,14,242
वित्त लागत			20	12,53,37,645
15,35,68,757				
मूल्यह्रास		4	43,63,05,208	41,85,13,266
अन्य खर्चों		21	7,50,641	22,65,823
पूर्व अवधि के व्यय		22	97,10,591	75,91,103
कुल (II)			**1,85,41,36,598**	**1,66,58,13,007**
शेष राशि व्यय से अधिक आय है (I-II)			**–2,63,07,453**	**15,19,09,393**
कमः (I) आईआरजी से उपयोग किए जा रहे ओएच–36 के तहत घाटा			–1,29,49,699	–
(II) ओएच–31 के तहत कमी का उपयोग आईआरजी से किया जा रहा है			–1,88,58,067	–5,18,97,669
(III) आईआरजी से 25 प्रतिशत एचईएफए मूल ऋण				
का भुगतान (संस्थान शेयर)			–16,44,95,000	–16,79,79,343
(VI) 2022–2023 (2021–22) के आंतरिक राजस्व सृजन के लिए कॉर्पस				
फंड में स्थानांतरण (महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां देखें – बिंदु संख्या 8.1)			–26,91,77,732	–44,86,09,675
कुल			**–49,17,87,951**	**–51,65,77,294**
जोड़ेंः पूंजीगत निधि से राशि हस्तांतरण				
– मूल्यह्रास	3,63,05,208			
– छुट्टी नकदीकरण दायित्व	3,97,02,253			
– ग्रेच्युटी देनदारी	1,57,80,490			
शेष अधिशेष (घाटा) पूंजीगत निधि में ले जाया गया			**–49,17,87,951**	**–51,65,77,294**

सामग्री प्रबंधन अनुभाग (एमएमएस)

वित्तीय वर्ष 2022–2023 के लिए 31 मार्च 2023 तक सामग्री प्रबंधन अनुभाग की गतिविधियों का विवरण

क्रं.	विवरण	2022–23	मूल्य (₹)
1.	कुल निर्मित इंडेंट	कुल इंडेंट– 2018	गैर–प्रोजेक्ट –1453 प्रोजेक्ट – 565
2.	कुल जारी क्रय आदेश	कुल संख्या 2864 विस्तृत विभाजनः • क्रय आदेश (एलपीसी/सीपीपीपी) कुल 1241 • कुल जीईएम ऑर्डर कुल 837 • जीईएम डायरेक्ट ऑर्डर कुल 786 79 प्रतिशत ऑर्डर जीईएम के माध्यम से दिए गए, कुल पीओ मूल्य ₹ 71,07,79,732/–	विस्तृत विभाजनः • खरीद आदेश (एलपीसी/सीपीपीपी) ₹ 25,07,90,220/– (गैर जीईएम) • जीईएम पर ई–प्रोक्योरमेंट ₹ 45,09,52,144/– • जीईएम के माध्यम से सीधी खरीद ₹ 90,37,368/– • जीईएम पर कुल खरीद ₹ 45,99,89,512/– कुल ऑर्डर मूल्य का 65 प्रतिशत जीईएम पर दिया गया
3.	कुल स्वदेशी ऑर्डर	कुल 2830	₹ 67,57,03,075.00
4.	कुल आयात ऑर्डर	कुल 34	₹ 2,91,46,283.00
5.	प्री–बिड बैठकें	89	आपूर्ति के दायरे तकनीकी विशिटताओं मूल्यांकन मानदंडों और संभावति बोलीदाताओं के प्रश्नों को संबोधित करने के लिए कई निविदा प्रक्रियाओं के भीतर प्री.बिड बैठके आयोजित की गई हैं
	केंद्रीय भंडार		
6.	कुल स्टॉक प्रविष्टि (उपभोज्य)	कुल 3939	₹ 8,41,13,641/–
7.	कुल स्टॉक प्रविष्टि (गैर–उपभोज्य/संपत्ति)	₹ 56,50,24,881/–	कुल 2842
8.	सामग्री वापस खरीदें	₹ 1,42,907/–	कुल 38
9.	कुल स्क्रैप बिक्री (स्क्रैप सामग्री या वस्तुओं को बेचने से उत्पन्न राजस्व जो कि अब उपयोगी या आवश्यक नहीं हैं)	विक्रय आदेश की संख्या– 06	₹ 16,50,443/–
10.	स्क्रैप से नवीनीकृत की गई कुल वस्तु (उपयोग के लिए वस्तु की मरम्मत, सफाई और उन्नयन)	स्क्रैप से शेड, स्क्रैप से साइनेज, स्क्रैप से कुर्सी, टेबल की मरम्मत आदि।	₹ 3,24,500/–
11.	अनलोडिंग के लिए फर्म से वसूला गया कुल लोडिंग/अनलोडिंग शुल्क	कुल 22	₹ 20,800/–

जीईएम पोर्टल के माध्यम से रिकॉर्ड समय में उच्च मूल्य वाली निविदाएँ:

प्रोजेक्ट का नाम	ऑर्डर मूल्य	सभी प्रक्रिया को पूरा करने का समय
सरकारी स्कूलों में एस्ट्रोनॉमी टिंकरिंग लैब की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग	₹ 15,32,09,406	निविदा की सभी प्रक्रियाएँ पूरी हो गई और इंडेंट की तारीख से 35 दिनों के भीतर पीओ जारी कर दिया गया।
मेकर्सस्पेस लैब उपकरण (टर्न–की प्रोजेक्ट) का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग	₹ 3,63,15,155	निविदा की सभी प्रक्रियाएँ पूरी हो गईं और इंडेंट की तारीख से 40 दिनों के भीतर पीओ जारी कर दिया गया।
सीएसई विभाग में कम्प्यूटेशनल सर्वर की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग	₹ 1,89,74,350	निविदा की सभी प्रक्रियाएँ पूरी हो गईं और इंडेंट की तारीख से 30 दिनों के भीतर पीओ जारी कर दिया गया।

जीईएम पोर्टल के माध्यम से रिकॉर्ड समय में उच्च मूल्य वाली निविदाएँ:

क्रं.	विवरण	टिप्पणी
1.	प्री–बिड बैठक	प्री–बिड बैठक बोली प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है। वे संभावित बोलीदाताओं को परियोजना आवश्यकताओं पर स्पष्टीकरण माँगने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होते हैं। यह पारदर्शिता और खुला संचार न केवल अच्छी तरह से सूचित, प्रतिस्पर्धी बोलियों के अवसर देता है, बल्कि लागत बचत, जोखिम शमन और सार्वजनिक संसाधनों के कुशल आवंटन की सुविधा भी देता है, जिससे अंततः सार्वजनिक हित की सेवा होती है।
2.	अयोग्य बोलीदाताओं को प्रतिनिधित्व का अवसर	अयोग्य बोलीदाताओं को प्रतिनिधित्व के अवसर प्रदान करने से खरीद प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता का अवसर मिलता है। यह अयोग्य बोलीदाताओं को अपने मामले प्रस्तुत करने, किसी भी गलतफहमी को स्पष्ट करने और त्रुटियों को संभावित रूप से सुधारने की अनुमति देता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि योग्य बोलीदाताओं को गलत तरीके से बाहर नहीं किया जाता है। यह दृष्टिकोण उचित प्रक्रिया और समानता के सिद्धांतों को कायम रखता है, जिससे अंततः बेहतर जानकारी वाले निर्णय और खरीद प्रणाली में मजबूत विश्वास पैदा होता है।
3.	परियोजना खरीद की समय सीमा के भीतर खरीद	किसी परियोजना के लिए खरीद की समय सीमा को पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह परियोजना निष्पादन के लिए आवश्यक सामग्री, सेवाओं और उपकरणों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। तदनुसार, हमने परियोजना खरीद की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अनुकूलित खरीद चक्र तैयार करने के लिए परियोजना आवश्यकताओं के लिए समयबद्ध खरीद प्रक्रिया शुरू की है।

क्रं.	विवरण	टिप्पणी
4.	क्षमता निर्माण	1. सीमा शुल्क विज़िट – शुक्रवार, 2 सितंबर, 2022 को दोपहर 12:00 बजे, एमएमएस और सीएसएस के सभी स्टाफ सदस्यों को इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय एयर कार्गो टर्मिनल का दौरा करने का अवसर मिला। यह यात्रा जटिल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, निकासी प्रक्रियाओं और निकासी दस्तावेजों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अत्यधिक जानकारीपूर्ण साबित हुई। इस दौरान, दस्तावेज़–आधारित निकासी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया, इस बात पर जोर दिया कि शिपमेंट की तेज और निर्बाध निकासी के लिए सावधानीपूर्वक दस्तावेज़ तैयार करना महत्वपूर्ण है।
		2. प्रशिक्षण / हैंडहोल्डिंग – 15 जून 2022 (बुधवार) को सुबह 10:30 बजे आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के लिए खरीद प्रक्रिया पर एक संक्षिप्त प्रशिक्षण और अभिविन्यास सत्र निर्धारित किया गया है।
		3. प्रोक्योरमेंट कॉन्क्लेव– सहायक कुलसचिव एमएम और सहायक कुलसचिव प्रशासन को 18–19 नवंबर, 2022 को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित प्रोक्योरमेंट कॉन्क्लेव में भाग लेने का अवसर मिला। यह कॉन्क्लेव अत्यधिक जानकारीपूर्ण साबित हुआ क्योंकि इसमें जीईएम (सरकारी ई–मार्केटप्लेस) के खरीद नीति प्रभाग के अधिकारी और प्रतिनिधि की उपस्थिति शामिल थी। उन्होंने प्रश्नों का समाधान किया और नवीनतम खरीद दिशानिर्देशों पर अद्यतन जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, इस कार्यक्रम ने पुराने आईआईटी की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर चर्चा की सुविधा प्रदान की, जिससे आईआईटी समुदाय के भीतर प्रभावी खरीद रणनीतियों की समझ समृद्ध हुई।
		4. सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पर हैंडहोल्डिंग सत्र – हैंडहोल्डिंग सत्र सभी हितधारकों– इंडेंट, डीलिंग असिस्टेंट और कार्यालय कर्मचारियों तक बढ़ाए जा रहे हैं। इन सत्रों का उद्देश्य खरीद और संबंधित गतिविधियों के लिए जीईएम प्लेटफॉर्म के प्रभावी नेविगेशन और उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है।
5.	हेज़मेट–केम स्टोर की स्थापना	यह समर्पित भंडारण सुविधा सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल और विनियमों का पालन करते हुए खतरनाक सामग्रियों और रसायनों को संभालने के लिए सुसज्जित है। इस हज़मत–केम स्टोर की स्थापना न केवल ऐसी सामग्रियों के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करती है बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी और हमारे कर्मचारियों और समुदाय की भलाई को भी बढ़ावा देती है। यह सुरक्षा और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। संदर्भ छवि–

क्रं.	विवरण	टिप्पणी
6.	लकड़ी का फ़र्निचर – मृत पेड़ की लकड़ी से	फर्नीचर बनाने के लिए मृत लकड़ी के पेड़ों का उपयोग एक टिकाऊ और पर्यावरण–अनुकूल अभ्यास है जिसके कई फायदे हैं। संदर्भ छवि 1 संदर्भ छवि 2
7.	अनुपयोगी / कबाड़ वस्तुओं का नवीनीकरण	अनुपयोगी या स्क्रैप वस्तुओं का नवीनीकरण एक जिम्मेदार और पर्यावरण–अनुकूल दृष्टिकोण है जो कम करने, पुनः उपयोग करने और रीसाइक्लिंग के सिद्धांतों के अनुरूप है। यह न केवल संसाधनों का संरक्षण करता है और अपशिष्ट को कम करता है बल्कि संगठनों को आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ भी प्रदान करता है। कुल 17 वस्तुओं की कीमत रु. 3,24,500 / – का नवीनीकरण किया गया।
		संदर्भ छवि 1

क्रं.	विवरण	टिप्पणी
7.	संपत्तियों की क्यूआर कोडिंग	परिसंपत्तियों की क्यूआर कोडिंग एक व्यवस्थित दृष्टिकोण है जो परिसंपत्ति प्रबंधन और ट्रैकिंग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जीएफआर नियम–213 के अनुपालन में, चरणबद्ध दृष्टिकोण का पालन करते हुए, केंद्रीय भंडार अनुभाग द्वारा परिसंपत्तियों का वार्षिक भौतिक सत्यापन शुरू किया जाता है। इस प्रक्रिया में क्यूआर कोड को शामिल करने से बेहतर सटीकता, दक्षता और पारदर्शिता सहित कई फायदे मिलते हैं। क्यूआर कोड संपत्तियों की त्वरित और सटीक पहचान करने, सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाने और त्रुटियों के जोखिम को कम करने में सक्षम बनाते हैं। यह आधुनिकीकृत दृष्टिकोण परिसंपत्ति प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि मूल्यवान संसाधनों की प्रभावी ढंग से निगरानी और रखरखाव किया जाता है। संदर्भ छविः

खरीद की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट

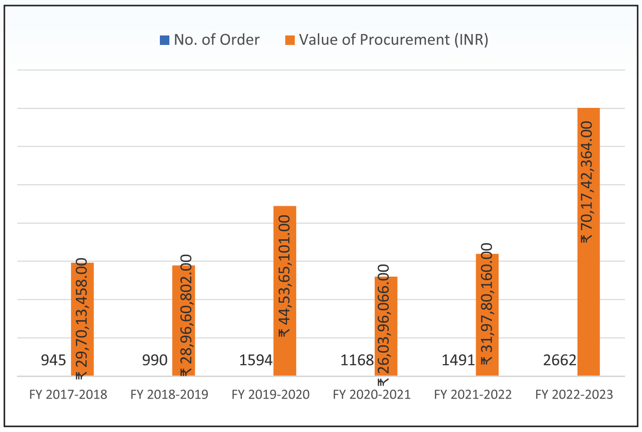

GeM की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट

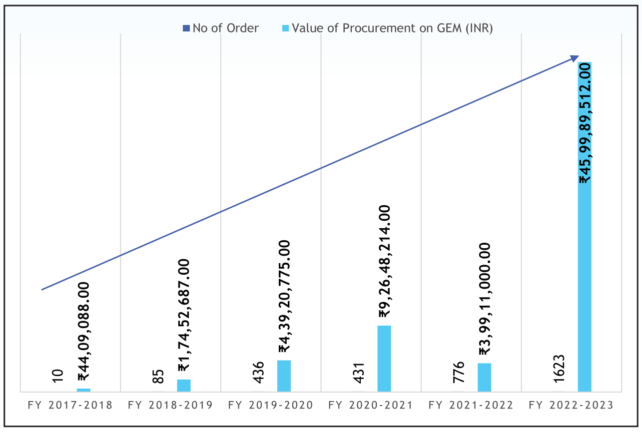

GeM और Non-GeM पर दिए गए कुल ऑर्डर

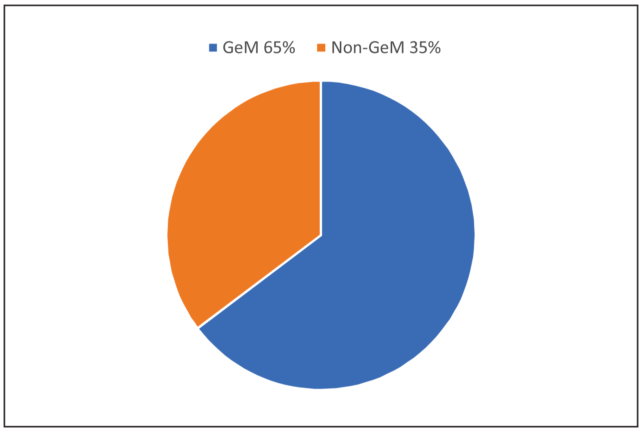

स्वदेशी ऑर्डर और आयात ऑर्डर पर दिए गए कुल ऑर्डर

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)

आईआईटी इंदौर बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतर्विभागीय अनुसंधान को बढ़ावा देने की परिकल्पना करता है। इस दृष्टिकोण ने संस्थान को विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद की है। आईआईटी इंदौर की एक प्रमुख क्षमता अनुसंधान संचालित शैक्षणिक कार्यक्रम में है क्योंकि यह स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण का एक मुख्य घटक है। आईआईटी इंदौर ने सोच–समझकर स्नातक छात्रों को अग्रणी अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल करने के विचार को बढ़ावा दिया है। इससे एक औपचारिक स्नातक अनुसंधान योजना, 'अंडरग्रेजुएट छात्रों के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना' (पीआरआईयूएस) की शुरुआत हुई। आईआईटी इंदौर के शोध को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली है। संकाय सदस्य और वैज्ञानिक जापान, दक्षिण कोरिया, रूसी संघ, पुर्तगाल, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, अमेरिका और कई अन्य देशों में अनुसंधान संगठनों के साथ कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं और संयुक्त सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

आईआईटी इंदौर में अनुसंधान एवं विकास की प्रमुख उपलब्धि

- विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से 450 करोड़ रुपये की 580 आर एंड डी परियोजनाएँ।
- अब तक 14 करोड़ रुपये की 311 परामर्श परियोजनाएँ।
- 6154 से अधिक प्रतिष्ठित प्रकाशन।
- साइबर फिजिकल सिस्टम के क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के विकास और जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए साइबर फिजिकल सिस्टम पर डीएसटी राष्ट्रीय मिशन के तहत 100 करोड़ रुपये की एक उच्च प्रभाव वाली परियोजना।
- मानविकी में उत्कृष्टता का एक राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, विज्ञान और इंजीनियरिंग के सहयोग से मानविकी के अंतर्विभागीय क्षेत्रों में परियोजनाओं के साथ एक प्रमुख अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करने के लिए जे पी नारायण मानविकी में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संस्थान में स्थापित किया गया है।
- MeitY द्वारा वित्त पोषित ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी परियोजना मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण में क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास में सहयोगात्मक गतिविधियों का लाभ उठाने के मुख्य उद्देश्य के साथ संस्थान द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।
- 17 करोड़ रुपये की फंडिंग के साथ उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) से 8 डीएसटी–एफआईएसटी की स्थापना की गई।
- 120 से अधिक पेटेंट दायर किए गए, 24 पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं।
- स्थानांतरीय अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को औपचारिक बनाने और अनुसंधान से उत्पाद चरण तक प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का विस्तार करने के लिए अनुवाद अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई।

- बाहरी फंडिंग एजेंसियों से पहले नियमित अनुदान से पहले संस्थान द्वारा ब्रिज फंडिंग के रूप में आईआईटी इंदौर के युवा संकायों को 1.6 करोड़ रुपये की 16 YFRSG (यंग फैकल्टी रिसर्च सीड ग्रांट) प्रदान की गई।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अत्याधुनिक क्षेत्रों में एक अंतर्विभागीय अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए संस्थान द्वारा आईआईटी इंदौर के युवा संकायों को 1.33 करोड़ रुपये का 4 YFRSG (यंग फैकल्टी रिसर्च कैटालाइजिंग ग्रांट) प्रदान किया गया।
- भारतीय पेटेंट भरने के लिए प्रत्येक पेटेंट के लिए 25,000/– रुपये तक की आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करके संकाय सदस्यों का समर्थन करने के लिए संस्थान द्वारा एसआईपीपीटी (बौद्धिक संपदा संरक्षण और प्रौद्योगिकी अनुवाद योजना) के तहत 25 आईडीएफ आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।
- अनुवाद अनुसंधान फेलोशिप के लिए संस्थान द्वारा 01 करोड़ रुपये की वार्षिक सीमा के साथ टीआरएल स्तर 05 और उससे आगे के लिए 10–15 पद स्वीकृत हैं।
- संस्थान द्वारा एनआईपीएएम के सहयोग से आईपीआर जागरूकता कार्यक्रम (राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत) संचालित किया गया।
- संस्थान द्वारा छात्रों और संकाय सदस्यों को प्रत्येक पुरस्कार के लिए 2 लाख रुपये की आकस्मिक राशि के साथ 5 सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी और 10 सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान किए गए।
- सुचारू परियोजना निष्पादन को उत्प्रेरित करने के लिए आर एंड डी एमएमएस सेल बनाया गया।
- संस्थान ने समानता और पारस्परिकता के आधार पर मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में सहयोगात्मक गतिविधियों को विकसित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पेटेंट

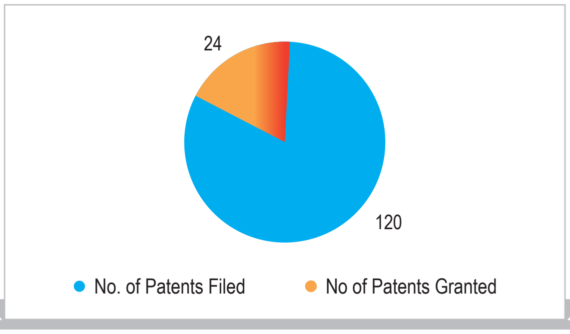

परियोजनाओं

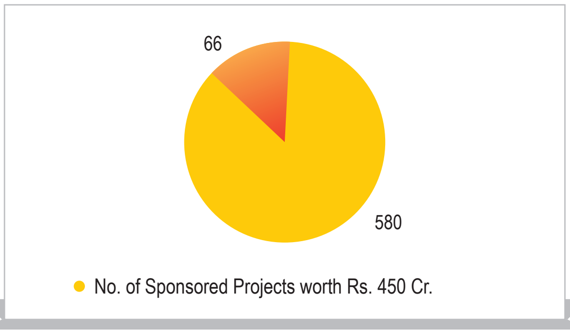

प्रकाशन

Overall

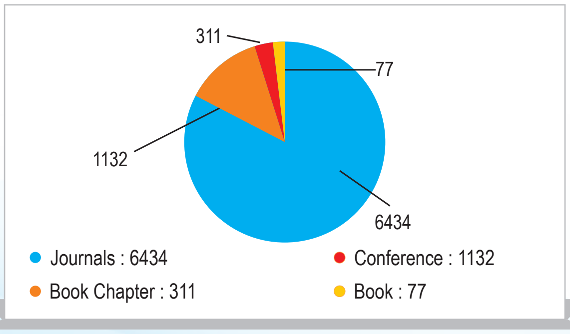

F.Y. 2022 - 23

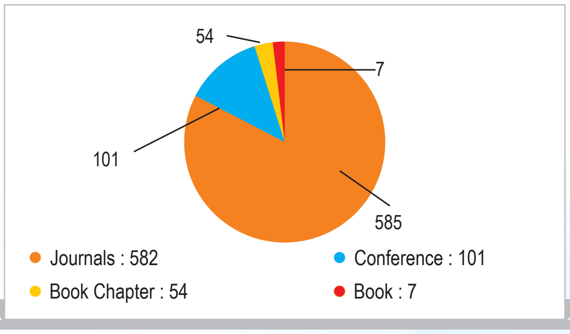

अनुसंधान कार्यः

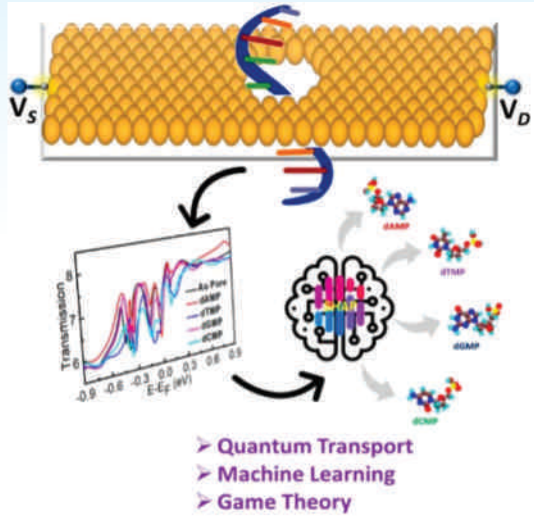

- छोटे अणु की स्क्रीनिंग से ऐसे यौगिकों का पता चलता है जो एफएमआरपॉलीजी (FMRpolyG) प्रोटीन समुच्चय को कम करते हैं और फ्रैगाइल एक्स–एसोसिएटेड ट्रेमर/एटैक्सिया सिंड्रोम में स्प्लिसिंग दोष विषाक्तता को कम करते हैं।
- अपशिष्ट टायर रबर फाइबर–प्रबलित बैक्टीरियल सेल्फ–हीलिंग मोर्टार के सूक्ष्म और स्थूल–संरचनात्मक गुण।
- एक सुरक्षित और संरेखण–मुक्त फ़िंगरप्रिंट टेम्पलेट की गणना करने के लिए युग्म–ध्रुवीय संरचनाओं का अनुकूलन।
- बढ़ी हुई स्थितिजन्य जागरूकता के लिए सिंक्रोफ़ेसर माप का उपयोग करके वेइबुल वितरण पर आधारित वास्तविक समय घटना का पता लगाना।
- अंतर्ज्ञानवादी फजी भारित न्यूनतम वर्ग ट्विन एसवीएम।
- टोपोलॉजिकल दोषों में हाइड्रोजन भंडारण के लिए बड़े आकार के एकल–दीवार वाले कार्बन नैनोट्यूब शामिल हैंः एक आणविक गतिशीलता अध्ययन।
- सिद्धांत मैंगनीज टाइटेनेट पेरोव्स्काइट्स इलेक्ट्रोड के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन की आकृति विज्ञान संचालित वृद्धि पर प्रयोगात्मक जांच का पालन करता है।
- रमन और ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग करके अर्धचालकों में वाहकों का फोनन–मोड–विशिष्ट जाली गतिशील युग्मन।
- ट्यून करने योग्य फोटोनिक उपकरणों के लिए सी–आईटीओ सेमीकंडक्टर हेटेरोजंक्शन प्रौद्योगिकी।
- मल्टी–ऑब्जेक्टिव पावर–परफॉर्मेंस ट्रेडऑफ़ के आधार पर ऑप्टिमल के–साइकिल ट्रांसिएंट फॉल्ट टॉलरेंट डेटापथ का डिज़ाइन स्पेस एक्सप्लोरेशन।
- मॉडल नैनोपोर का उपयोग करके एकल न्यूक्लियोटाइड–आधारित डीएनए अनुक्रमण के लिए मशीन लर्निंग सहायता प्राप्त व्याख्यात्मक दृष्टिकोण।

प्रौद्योगिकियों का विकास

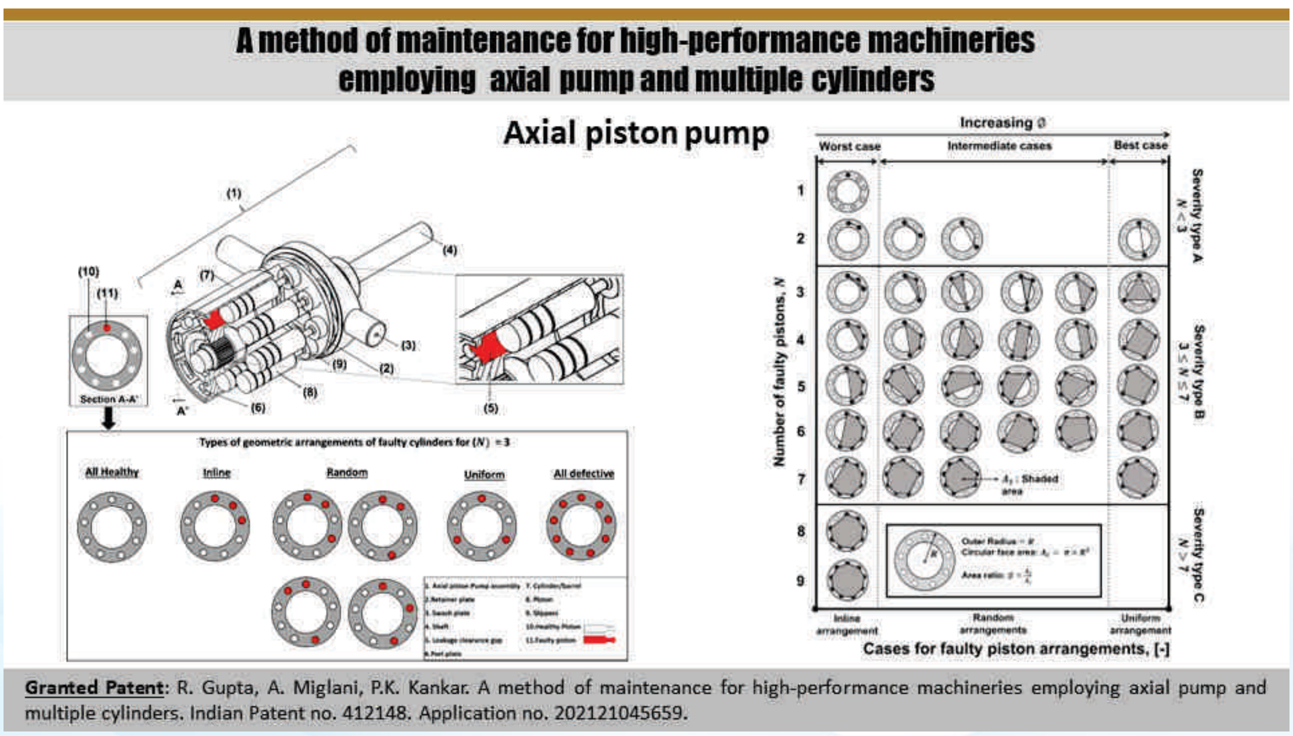

A method of maintenance for high-performance machineries employing axial pump

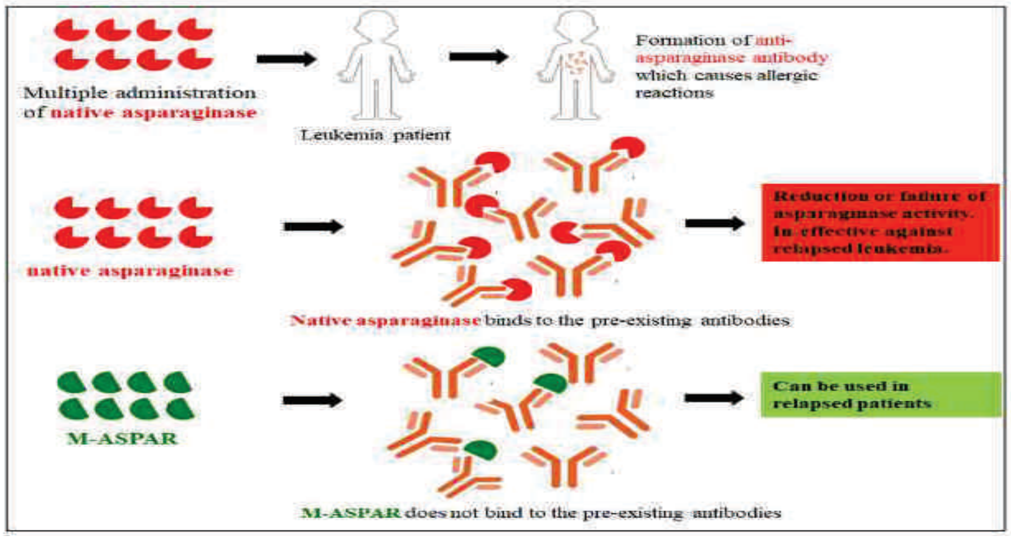

M-ASPAR does not bind to the pre-existing antibodies present in leukemia patients undergoing asparaginase therapy.

Novel ASPAR-B drug for the treatment of blood cancer Currently under phase III clinical trials

IoT Enabled Real-Time Monitoring NO2 Gas Sensor and multiple cylinders

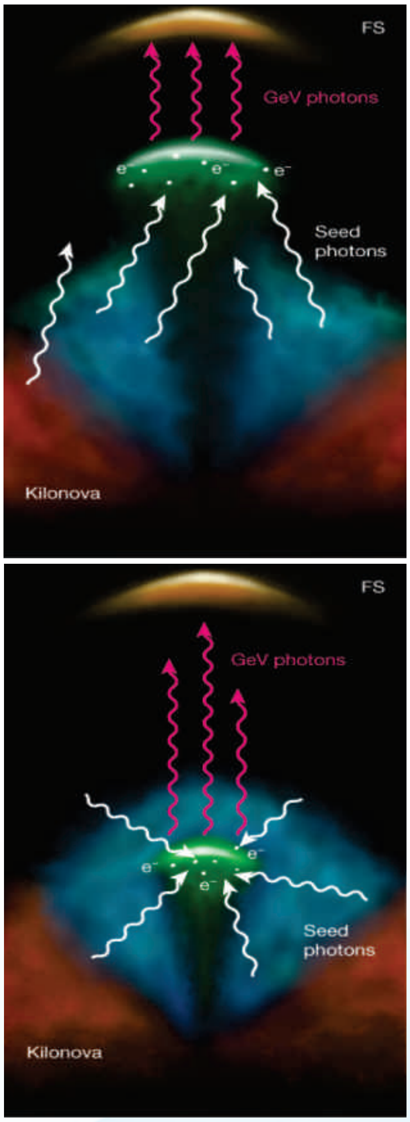

Gigaelectronvolt emission from a compact binary merger

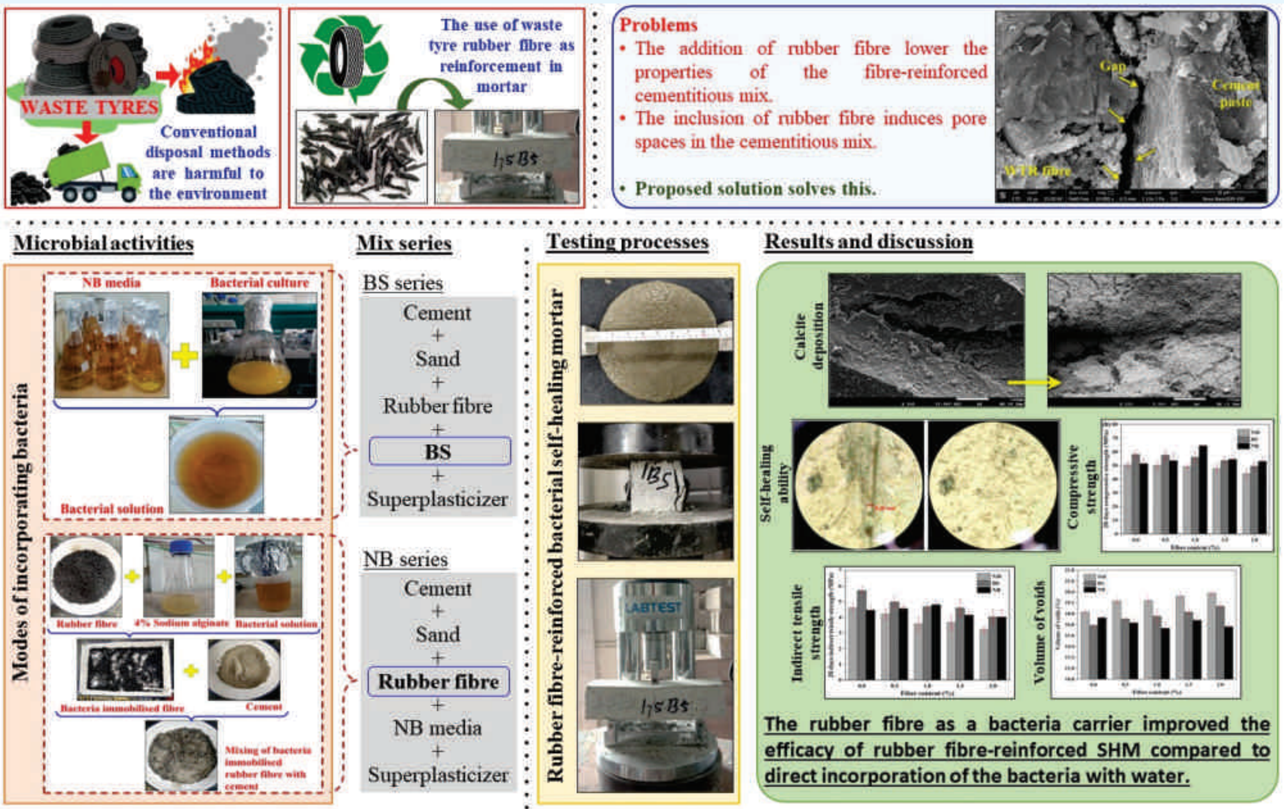

Micro and macro-structural properties of waste tyre Rubber Fibre-Reinforced Bacterial self-healing mortar

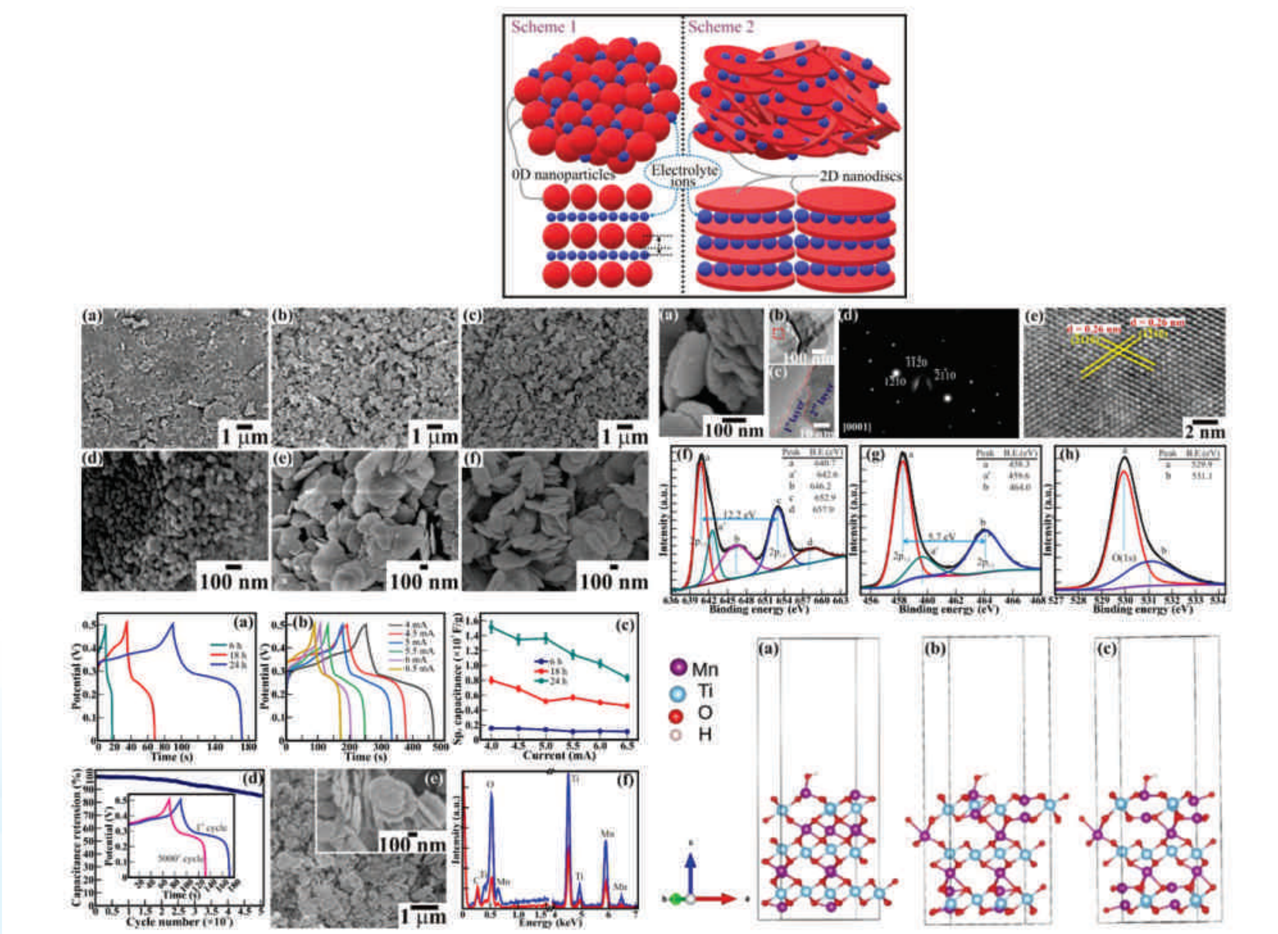

Theory abide experimental investigations on morphology driven enhancement of electrochemical energy storage performance for manganese titanate perovskites electrodes

अंतरराष्ट्रीय संबंध

श्री खगेंद्र अधिकारी, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, अमृत परिसर, नेपाल द्वारा नेपाल में कोविड–19 के ट्रांसमिशन डायनेमिक्सरू प्रभावी नियंत्रण के लिए गणितीय मॉडल पर एक वार्ता

श्री रमेश गौतम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, रत्न राज्य लक्ष्मी परिसर, नेपाल द्वारा नेपाल में मलेरिया संचरण की मॉडलिंगः सीमा पार गतिशीलता के माध्यम से आयातित मामलों का प्रभाव पर एक वार्ता

विदेश में विजिटिंग/सहायक संकाय सदस्य के रूप में आईआईटीआई संकाय सदस्यः

1. प्रोफेसर कपिल आहूजाः निर्धारण वर्ष 2023 के लिए इंस्टीट्यूट माइन्स–टेलीकॉम अटलांटिक, फ्रांस में विजिटिंग प्रोफेसर।
2. डॉ. रूपेश एस. देवनः मल्टीडिसिप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च सेंटर, नेशनल डोंग ह्वा यूनिवर्सिटी, हुलिएन, ताइवान में सहायक प्रोफेसर (7 मार्च 2023 से)।
3. डॉ. गुरु प्रकाशः 1 दिसंबर 2022 से 31 दिसंबर 2022 तक वाटरलू विश्वविद्यालय में विजिटिंग फैकल्टी रहे।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनः

हम 80 से अधिक सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर कार्य कर रहे हैं, सबसे हालिया का उल्लेख नीचे किया गया हैः

नेशनल इलान यूनिवर्सिटी, ताइवान	द यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैनसस, यू.एस
नेशनल ताइपे यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, ताइवान	नेशनल ताइपे यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, ताइवान
जूलियस– मैक्सिमिलियन्स–यूनिवर्सिटी वुर्जबर्ग (जेएमयूडब्ल्यू)	स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया
क्वानसी गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान	विग्नेर रिसर्च सेंटर फॉर फिजिक्स, हंगेरियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, बुडापेस्ट, हंगरी
यूनिवर्सिटी ऑफ़ ज़िलिना, ज़िलिना	एरिस्टोटल यूनिवर्सिटी ऑफ़ थेसालोनिकी, ग्रीस
द यूनिवर्सिटी ऑफ़ बोर्डो, फ़्रांस	यूनिवर्सिटी ऑफ़ गोथेनबर्ग, स्वीडन
यूनिवर्सिटी वेस्ट स्वीडन, स्वीडन	यूनिवर्सिटैडेग्लिस्टुडी डि उडीन, इटली
यूनिवर्सिटि डे लिले, फ़्रांस	फ़ोर्सचुंगज़ेंट्रम बोरस्टेल – लाइबनिज़ लंग सेंटर, जर्मनी
यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्डर, नॉर्वे	डिपार्टिमेंटो डि साइन्ज़ बायोमेडिकेडेलश यूनिवर्सिटा डि सासारी (यूएनआईएसएस); सासारी, इटली
स्ज़ेचेनी इस्तवान यूनिवर्सिटी ग्योर, हंगरी	यूनिवर्सिटी ऑफ़ जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ़्रीका
यूनिवर्सिटी ऑफ़ लक्ज़मबर्ग	टेक डी मॉन्टेरी, मेक्सिको
लीबनिज़ यूनिवर्सिटी हनोवर, हनोवर, जर्मनी	यूनिवर्सिटी ऑफ़ पर्ड्यू, यूएसए
यूनिवर्सिटी ऑफ़ रोस्टॉक, जर्मनी	

आभासी बैठकें

नई दिल्ली, भारत में इंडोनेशिया गणराज्य के दूतावास के शिक्षा एवं संस्कृति अताशे प्रोफेसर हरवानी के साथ बैठक।

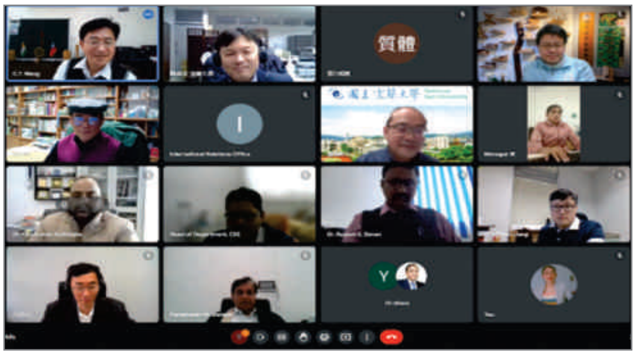

नेशनल इलान यूनिवर्सिटी, ताइवान के साथ बैठक।

व्यक्तिगत बैठकें:

यूएसए, यूके, जर्मनी, ब्राजील, बेल्जियम, मैक्सिको, मिस्र, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अजरबैजान था दक्षिण अफ्रीका सहित 11 विभिन्न देशों के 32 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस), भारत के सहयोग से ग्लोबल बीपी एसटीईएम अकादमिक कार्यक्रम के तहत 4 अगस्त 2022 को आईआईटी इंदौर का दौरा किया। इस दौरे का समन्वय एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर द्वारा किया गया था, जो कि इंदौर चैप्टर (एमपी) भारत के तहत 2012 से एएफएस का एक सक्रिय सदस्य है।

टूलूज़ आईएनपी के प्रोफेसर पास्कल मौसियन ने आईआईटी इंदौर का दौरा किया

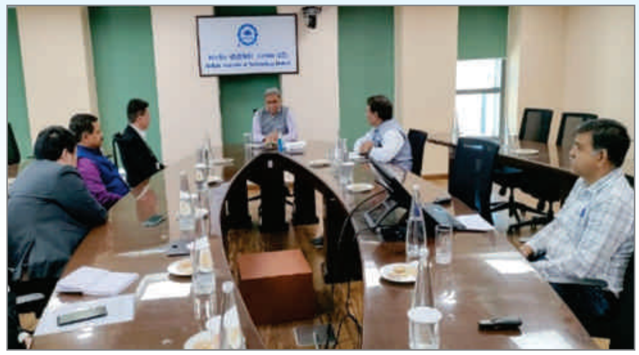

सिंगापुर दूतावास के कन्सुल–जनरल, श्री चेओंग मिंग फूंग ने आईआईटी इंदौर का दौरा किया

नेशनल इलान यूनिवर्सिटी ताइवान के अध्यक्ष प्रोफेसर पोचिंग जॉनी वू ने पाँच प्रतिनिधिमंडलों के साथ आईआईटी इंदौर का दौरा किया, बाद में आईआईटीआई ने एनआईयू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सुश्री स्वेनी रोकानी, जो कि नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) में अकादमिक कार्यक्रम बिजनेस यूनिट के लिए भारतीय महाद्वीप की देखरेख करती हैं, ने आईआईटी इंदौर का दौरा किया।

पिछले वर्ष के पुरस्कार विजेताओं के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम की सूची

कार्यक्रम का नाम	लाभार्थि	पुरस्कार विजेता
अल्पकालिक अनुसंधान फ़ेलोशिप कार्यक्रम (1–3 महीने)	अंतर्राष्ट्रीय पीएचडी छात्र	1. हलीमा बेनाली (मोरक्को) 2. ब्रिगिटा डी वेगा (यूके) 3. दिब्यश्री पौडयाल (नेपाल) 4. रघु नाथ प्रजापति (नेपाल)
अल्पकालिक अनुसंधान फ़ेलोशिप कार्यक्रम (1–3 महीने)	आईआईटीआई पीएचडी छात्र	1. सुष्मिता अग्रवाल (इटली) 2. राहुल कुमार यादव (फ्रांस) 3. मयंक दुबे (जापान) 4. लेखनाथ शर्मा (अमेरिका) 5. कुणाल गुप्ता (इटली)
सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम (1–6 महीने)	आईआईटीआई यूजी/पीजी छात्र	1. जेनिश शाह (फ्रांस) 2. नागिला प्रणय रेड्डी (जापान)

आईआईटीआई के संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और अनुदान।

डॉ. अजय कुमार कुशवाहा के शोध पत्र हाइड्रोजन इवोल्यूशन के लिए नि–को (Ni-Co) मिश्र धातु फिल्मों का इलेक्ट्रोडपोजिशन को 8 से 11 जून 2023 के दौरान साप्पोरो जापान में आयोजित मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग (एसीएमएमई–2023) पर 11वें एशिया सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

डॉ. एम. तनवीर को 2022 एपीएनएनएस यंग रिसर्चर अवॉर्ड मिला। एपीएनएनएस के इतिहास में यह पुरस्कार पाने वाले यह एकमात्र भारतीय हैं।

डॉ अनिर्बन सेनगुप्ता को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए:

- उत्कृष्ट वैज्ञानिक योगदान के लिए 2023 में आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी, यूएसए द्वारा प्रतिष्ठित आगंतुक पदक।
- सभी डोमेन में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के दुनिया भर के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में तथा आईटी/नेटवर्किंग/आर्किटेक्चर डोमेन में दुनिया भर के शीर्ष 0.3% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया।
- इनकी लिखित पुस्तक को आईईटी (IET) द्वारा 2023 में ब्रिटिश लाइब्रेरी में सूचीबद्ध/प्रदर्शित किया गया था।
- इन्हें वीएलएसआइ सिस्टम्स पर आईईईई ट्रांजेक्शन्स के एसोसिएट एडिटर के रूप में संपादकीय बोर्ड में फिर से नियुक्त किया गया (बोर्ड में भारत से केवल प्रोफेसर और वैज्ञानिक)।

प्रोफेसर प्रो. नीलिमा सत्यम को जेएसपीएस ब्रिज फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. सप्तर्षि घोष के शोध लेखों में से एक को आईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी में पिछले 5 वर्षों (2017–2021) में प्रकाशित सभी शोध लेखों के बीच उच्चतम उद्धरण प्राप्त करने के लिए 2022 में प्रतिष्ठित मोटोहिसा कांडा पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिसका शीर्षक ब्रॉडबैंड पोलराइजेशन–इनसेंसिटिव ट्यूनेबल फ्रिक्वेंसी सेलेक्टिव सरफेस फॉर वाइडबैंड शील्डिंग है, जो आईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी, वॉल्यूम 60, नंबर 1, पीपी. 166–172, 2018 में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. शोमिक दासगुप्ता को ऐतिहासिक विद्वता में उनके योगदान के सम्मान में दिसंबर 2022 में फेलो ऑफ़ द रॉयल हिस्टोरिकल सोसाइटी ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन (FRHistS) चुना गया है। रॉयल हिस्टोरिकल सोसाइटी शिक्षा जगत में इतिहासकारों की सबसे प्रतिष्ठित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त फ़ेलोशिप है।

डॉ. सुमन मजूमदार को 10 जून 2023 को यूके के यूनिवर्सिटी ऑफ़ ससेक्स के संकाय सदस्यों के सहयोग से भारतीय पीआई के रूप में 65 लाख रुपये का स्पार्क अनुदान प्राप्त हुआ, जिसका शीर्षक था, "युगों से बनी गैलेक्सीः सहक्रियात्मक बहु–तरंगदैर्ध्य अवलोकनों की उपयोगिता"।

23 जून को अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अधिष्ठाता प्रोफेसर अविनाश सोनवाणे को चार वर्ष की अवधि के लिए यूनिवर्सिडैड पोलिटेकनिका डी मैड्रिड (स्पेन) द्वारा आयोजित हेरिटेज नेटवर्क के संचालन और कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया था।

21वीं सदी में समावेशी शिक्षा और विद्यार्जन पर डॉ. अनन्या घोषाल की परियोजना केवल कनेक्टः भागीदारीपूर्ण और समावेशी ऑनलाइन सार्वजनिक क्षेत्र में शामिल होने के लिए इंदौर में दिव्यांगों के लिए स्कूलों को सशक्त बनाना को अप्रैल 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र सूक्ष्म अनुदान परियोजना प्रतियोगिता में विजेता प्रविष्टियों में से एक के रूप में वित्त पोषित किया गया था। यह परियोजना सितंबर 2022 में पूरी हुई और अब इसs www.onlyconnectindore.org पर ऑनलाइन होस्ट किया गया है।

प्रोफेसर निर्मला मेनन को डिजिटल ट्विन्सरू वैश्विक युग में पहचान और अनुवादित विरासत पर बातचीत पर इंडो–स्विस द्विपक्षीय परियोजना प्राप्त हुई।

प्रोफेसर अभिनव क्रांति को एएसईएम–डीयूओ बेल्जियम–वालोनिया–ब्रुसेल्स फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसका उद्देश्य उच्च गति और एनालॉग/आरएफ अनुप्रयोगों के लिए पीआरएफईटी के प्रौद्योगिकी विकास का समर्थन करना है।

प्रोफेसर अविनाश सोनवाणे, अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, आईआईटी इंदौर को 2022–25 के बीच तीन वर्ष की अवधि के लिए 'डीएएडी रिसर्च एंबेसडर' नियुक्त किया गया है।

इंडो–जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी) ने डॉ. हेम चंद्र झा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, को एपस्टीन बर्र वायरस–मध्यस्थ संक्रमणों में पेरोक्सीसोम की भूमिका का खुलासा करना पर शोध करने के लिए स्मॉल इमिडिएट नीड ग्रांट्स (एसआईएनजी) से सम्मानित किया।

प्रोफेसर संदीप चौधरी रूसी संघ सरकार की नौवीं मेगा अनुदान प्रतियोगिता के 30 विजेताओं में से एक के रूप में एनपीआई, रूस में शोधकर्ताओं की एक टीम का नेतृत्व करेंगे।

International Scholarships received by IITI Students

छात्रवृत्ति/फ़ेलोशिप पुरस्कार	प्राप्तकर्ता का नाम	विभाग	कार्यक्रम
ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टोरल फ़ेलोशिप	विवेक सक्सेना	एमई	पीएचडी
आईईईई एमटीटी–एस अंडरग्रेजुएट छात्रवृत्ति (2023)	आर्यन रस्तोगी	ईई	बीटेक
मिटैक्स ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप 2023	उज्जवल हेंडवे	ईई	बीटेक
	आदित्य गुहागरकर	ईई	बीटेक
	क्षितिज भट्ट	एमई	बीटेक
	पार्थ द्विवेदी	सीई	बीटेक
	ध्रुव परसरामपुरिया	ईई	बीटेक
	सोहम घेवारी	एमई	बीटेक
	अमित धवले	एमई	बीटेक
	चिन्मयी अडोनी	ईई	बीटेक
	श्रुति मोदी	सीएसई	बीटेक
	निश्चित होसामानी	सीएसई	बीटेक
	सेजल कोटियन	एमईएमएस	बीटेक
	जितिन कुमार	एमईएमएस	बीटेक
डीएएडी फ़ेलोशिप	प्रिया घोष	बीएसबीई	पीएचडी
चार्पैक लैब स्कॉलरशिप	पुनीत गुप्ता	एमई	बीटेक
सिंग फंड्स (इंडो–जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर)	कंचन समाधिया	बीएसबीई	पीएचडी
चार्पैक एक्सचेंज स्कॉलरशिप 2023 (स्प्रिंग सत्र)	जेनिश शाह	ईई	बीटेक
पोस्टडॉक्स के लिए हम्बोल्ट फ़ेलोशिप	मीनू ट्रीसा अब्राहम	सीई	पीएचडी

परिसर आधारभूत संरचना विकास

आईआईटी इंदौर को 501.42 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें 200 एकड़ वन क्षेत्र भी शामिल था। आईआईटी इंदौर का आधारभूत संरचना विकास अनुभाग सबसे महत्वपूर्ण सेवा इकाइयों में से एक है जो आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ जैसे भवन, बिजली, पानी की आपूर्ति, सड़क एवं मार्ग, पार्क और उद्यान और परिसर में आवश्यक अन्य सभी सुविधाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और साथ ही, इसका रखरखाव भी करते हैं। संस्थान ने 2.21 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र (36 आधारभूत संरचनाएँ) के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है।

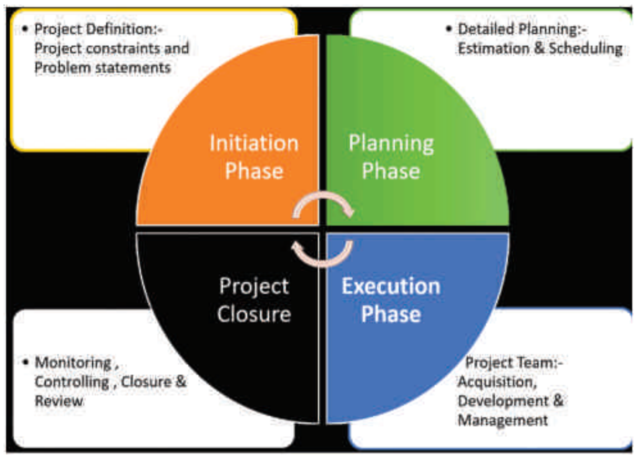

पिछले एक वर्ष में परिसर में निम्नलिखित विकास किए गए:

1. खेल परिसर
2. अमृत सरोवर का विकास
3. वन बीट कार्यालय का निर्माण
4. वर्षा जल संचयन तालाबों का निर्माण
5. सिंगल लेन वन रोड
6. खेल मैदान का विकास
7. पॉड (POD) के आसपास बागवानी कार्य
8. इलेक्ट्रिकल, सिविल, एचवीएसी, उपयोगिता सेवा के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध

1. **खेल परिसर:** इसमें इनडोर और आउटडोर खेलों की सभी सुविधाएं हैं, जिसका लोकार्पण 2022 में भारत के माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया है।

खेल परिसर की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1) इंडोर बैडमिंटन कोर्ट (कुल 06)
2) इंडोर बास्केटबॉल कोर्ट (कुल 02)
3) जिम
4) स्क्वैश कोर्ट (कुल 03)
5) स्विमिंग पूल
6) आउटडोर वॉलीबॉल कोर्ट
7) आउटडोर बास्केटबॉल कोर्ट
8) इंडोर बैडमिंटन कोर्ट / इंडोर बास्केटबॉल कोर्ट
9) जिम
10) स्क्वैश कोर्ट

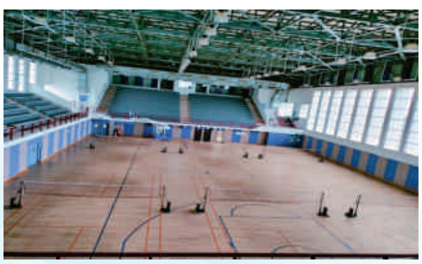

Indoor Badminton Court / Indoor Basketball Court

Gym

Squash Court

Swimming Pool

Outdoor Volleyball Court

Outdoor Basketball Court

2. आईआईटी इंदौर में अमृत सरोवर का विकास: अमृत सरोवर का कार्य ग्रामीण इंजीनियरिंग सेवाओं (आरईएस), मध्य प्रदेश सरकार को प्रदान किया गया और माननीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा 1 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई। तदनुसार, काम शुरू कर दिया गया है और संस्थान द्वारा रेलिंग और वॉकिंग ट्रैक के साथ खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। 10,000 घन मीटर से अधिक जल क्षमता वाले सरोवर का व्यास 98 मीटर है।

अमृत सरोवर की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ हैं: 6 मीटर चौड़ा वॉकिंग ट्रैक, एम्फीथिएटर, फाउंटेन, बच्चों का खेल क्षेत्र, ओपन जिम।

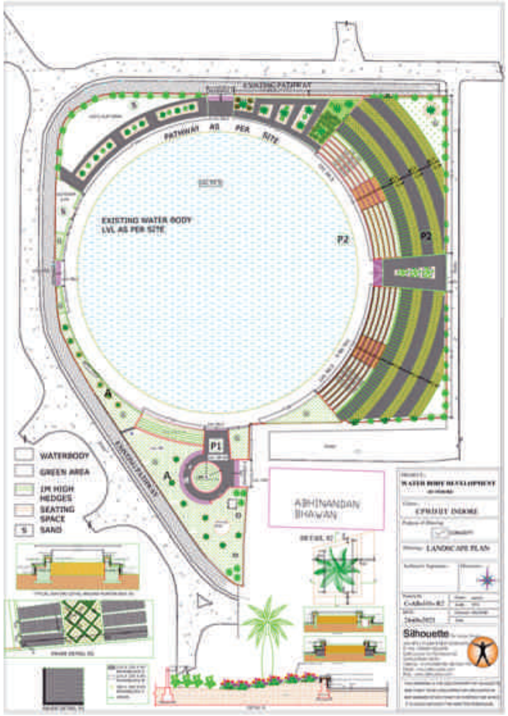

3. वन बीट कार्यालय का निर्माण: वन भूमि के डायवर्जन के अनुपालन में आईआईटी इंदौर परिसर के वन क्षेत्र में वन बीट कार्यालय का निर्माण किया गया है। वन बीट कार्यालय राज्य वन विभाग को कार्यालय, आवासीय और नर्सरी स्थान प्रदान करेगा। यह आईआईटी इंदौर परिसर के आसपास वन क्षेत्र के वनीकरण, पुनर्भरण और रखरखाव के लिए सहायक होगा।

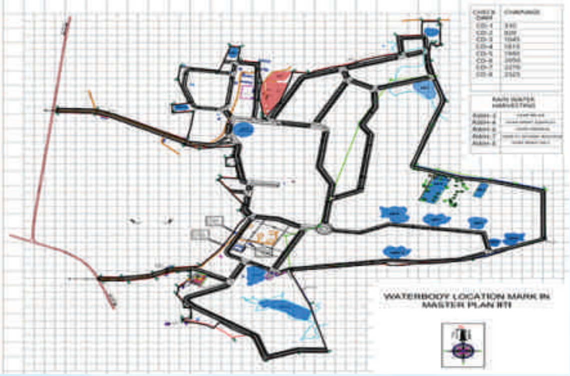

4. वर्षा जल संचयन तालाबों का निर्माण: आईआईटी इंदौर जल संरक्षण के लिए परिसर में लगभग 22.32 करोड़ लीटर की कुल क्षमता के 8 वर्षा जल संचयन तालाब विकसित कर रहा है।

5. वन क्षेत्र में सिंगल लेन सड़कः जंगल की आग और निगरानी के मामले में वन क्षेत्र तक पहुंचने के लिए वन क्षेत्र में 9 पुलियों के साथ 2.8 किलोमीटर की सिंगल लेन सड़क विकसित की जा रही है।

6. खेल मैदान का विकासः खेल मैदान के विकास का कार्य निविदा प्रक्रिया में है तथा जनवरी 2023 तक कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

खेल मैदान की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैंः

1) फुटबॉल मैदान
2) सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक
3) हॉकी मैदान
4) लॉन टेनिस कोर्ट – कुल 2
5) वॉलीबॉल कोर्ट – कुल 2
6) विभिन्न खेल सुविधाएँ जैसे डिस्कस और हैमर बेस, जेवलिन थ्रो, हाई जंप, शॉर्ट पुट, स्टीपलचेज़, पोलो वॉल्ट, ट्रिपल जंप और वार्म अप क्षेत्र सहित लंबी कूद।

7. पॉड (POD) भवनों के आसपास लैंडस्केप/बागवानी कार्यः बागवानी कार्य का विकास पॉड–3 क्लस्टर के पास सीपीडब्ल्यूडी बागवानी विंग द्वारा पूरा किया गया है। कुल विकास में 3,400 वर्ग मीटर के लॉन का विकास, 261 की संख्या में पेड़ों का रोपण, 1860 की संख्या में झाड़ियाँ, हेज/एज/ग्राउंड कवर 9077 की संख्या में विकास शामिल है।

8. इलेक्ट्रिकल, सिविल, एचवीएसी के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध, उपयोगिता सेवाएँः दीर्घकालिक, निश्चित आधार पर सभी रखरखाव लागतों को नियंत्रित करने और उनका हिसाब देने के लिए, इलेक्ट्रिकल, सिविल, एचवीएसी और उपयोगिता सेवाओं के लिए एएमसी कार्य शुरू किए जाते हैं।

9. परिसर में व्यापक वृक्षारोपण अभियानः संस्थान ने अपने समुदाय के सदस्यों को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया है और कई वृक्षारोपण अभियान आयोजित किए हैं। पिछले वर्ष लगभग 3,000 पौधे लगाए गए हैं और 2023 के मानसून सत्र में लगभग 5,000 पौधे लगाने के लिए भूमि विकास पूरा कर लिया गया है।

10. जे.पी. नारायण मानविकी उत्कृष्टता केंद्रः जे.पी. नारायण उत्कृष्टता केंद्र संस्थान में विकसित किया गया है। भवन में आरसीसी फ़्रेमयुक्त संरचना के साथ जी+2 मंजिल है। भवन का कुल क्षेत्रफल 846 वर्ग मीटर है। भवन निर्माण की लागत 177 लाख रुपये है। जे.पी. नारायण उत्कृष्टता केंद्र की साज–सज्जा की लागत 48.23 लाख रुपये है।

11. वन क्षेत्र में पक्षी निगरानी टावरों का विकासः वन क्षेत्र में बांस से दो बर्ड वॉच टावर बनाये गये हैं। इससे छात्रों को सुरक्षित वातावरण में प्रकृति के करीब रहने में सुविधा होगी।

छात्र कार्य अनुभाग

छात्र कार्य अनुभाग के अधिष्ठाता (डीओएसए) प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन की अध्यक्षता वाली एक टीम के माध्यम से छात्र जिमखाना के विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक प्रशासनिक इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है, जहाँ उन्हें छात्र कार्य के सह अधिष्ठाता (एडीओएसए) डॉ. संजीव सिंह, कमांडर सुनील कुमार (सेवानिवृत्त), संयुक्त कुलसचिव छात्र कार्य, श्री तन्मय एच. वैष्णव, अनुभाग अधिकारी और श्री दिगंत कर्वे, पीए टू डीओएस द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

आईआईटी इंदौर में छात्र जीवन में विभिन्न शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच एक विवेकपूर्ण संतुलन शामिल है, जिसमें अन्य पाठ्यक्रमों के हिस्से के रूप में बीटेक प्रोजेक्ट कार्य, औद्योगिक दौरे आदि शामिल हैं, जो छात्रों के ज्ञान, अनुभव और व्यक्तित्व को बढ़ाने में काफी मदद करते हैं। छात्रों की पाठ्येतर गतिविधियाँ संस्थान के भीतर क्लबों की एक व्यवस्थित संरचना द्वारा संचालित होती हैं जो गतिविधियों को प्रसारित करती हैं। उल्लेखनीय कुछ क्लबों में प्रोग्रामिंग क्लब, ड्रामा क्लब, गेमिंग क्लब आदि शामिल हैं। विभिन्न छात्र–संचालित प्रकोष्ठ, जैसे उद्यमिता प्रकोष्ठ और छात्र अंतर्राष्ट्रीय गतिविधि प्रकोष्ठ, छात्रों को उद्योग और शिक्षा जगत से परिचित कराने और उनके कौशल विकसित करने में मदद करते हैं। इस तथ्य के साथ कि यह आईआईटी इंदौर में छात्र के अनुसार संकाय सदस्य के अनुपात के लिए बहुत सही है, छात्रों को सीखने और समग्र विकास के लिए सर्वोत्तम परिवेश प्रदान करने में एक निश्चित भूमिका निभाता है।

सांस्कृतिक परिषद

पूरे वर्ष, छात्र समुदाय विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों द्वारा आयोजित विविध प्रकार के कार्यक्रमों से समृद्ध होता रहा। सांस्कृतिक परिषद ने एक अद्वितीय कला उत्सव 'तमाशा' के माध्यम से लोगों को शामिल किया। स्वतंत्रता दिवस और शिक्षक दिवस के लिए मंच पर छात्र प्रतिभा दिखाने के लिए विभिन्न क्लब एक साथ आए और संस्कृति कार्यक्रम में भारतीय परंपराओं का प्रतिनिधित्व किया।

परिसर ने प्रतिस्पर्धी टी–बनाम–एम कार्यक्रम की भी मेजबानी की और गरबा नाइट जैसे उत्सव समारोहों का आयोजन किया। संस्थान का वार्षिक उत्सव फ़्लक्सस 10.0 आयोजित किया गया, जो कि ज़बरदस्त रूप से सफल रहा।

विज्ञान एवं तकनीकी परिषद

आईआईटी इंदौर का तकनीकी नेटवर्क तेजी से विकसित हो रहा है। इंटर–आईआईटी टेक मीट में आईआईटी इंदौर की टीम समग्र रूप से 11वें स्थान पर रही और दो टीमों ने क्रमशः कांस्य और स्वर्ण पदक जीते। ई–बाजा (eBAJA) आयोजित किया गया था जहाँ आईआईटी इंदौर ने सीएई और सेल्स इवेंट में 20वीं रैंक हासिल की थी। प्रोग्रामिंग क्लब द्वारा आईआईटीआई एसओसी और विंटर ऑफ सीपी का भी संचालन किया गया। अन्य टेक क्लबों ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए।

खेल परिषद

आईआईटी इंदौर में खेल परिषद ने विभिन्न खेल आयोजनों का आयोजन किया, जिसमें ये आयोजन महत्वपूर्ण प्रमुख आयोजनों का हिस्सा थे। खेल परिषद ने जोश, शौर्य और द जनरल चौम्पियनशिप जैसे नए टूर्नामेंट शुरू किए जिनमें अधिकांश खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

जोश का आयोजन ज्यादातर नए छात्रों के लिए किया गया था ताकि वे संस्थान की खेल संस्कृति से परिचित हो सकें। शौर्य एक इंटर हॉस्टल टूर्नामेंट था जिसमें हॉस्टलों ने प्रतियोगियों के रूप में प्रतिस्पर्धा की। जनरल चौम्पियनशिप छह महीनों में आयोजित एक प्रमुख फ्लैगशिप कार्यक्रम था जिसमें छात्रों का बैच–वार गठन किया गया था।

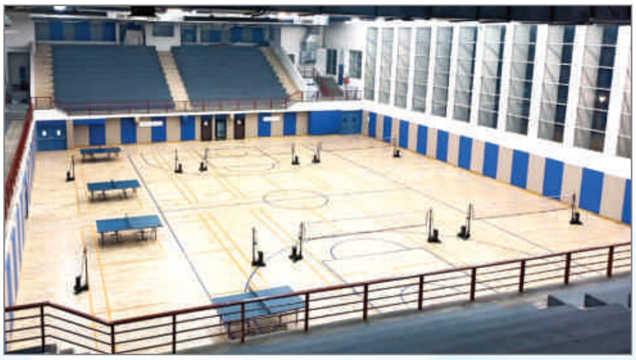

शैक्षणिक परिषद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के छात्र जिमखाना के तहत शैक्षणिक परिषद ने युवा छात्रों को अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित करने के लिए रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसके अलावा, छात्रों के जुनून, रुचियों और क्षमताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला 2.0 का आयोजन किया गया था। बाद में, उद्योग कनेक्ट वार्ता के विचारों को उजागर करने और औद्योगिक दुनिया की गहरी समझ स्थापित करने की एक पहल के रूप में पेश किया गया था। नए छात्रों के लिए मंच को उच्च स्तर पर स्थापित करने के लिए, सभी शाखाओं के लिए विभागीय अभिविन्यास आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 के अवसर पर, हमारे समाज में महिलाओं की भूमिका का जश्न मनाने और उसी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महिला प्रकोष्ठ आईआईटीआई के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

टेडएक्स (TEDx) आईआईटी इंदौर

वर्ष का मुख्य आकर्षण टेडएक्स (TEDx) आईआईटी इंदौर का चौथा संस्करण था, जिसे टेड (TEDx) के प्रसार योग्य विचारों पर शोध और खोज करने के समग्र मिशन की भावना से बनाया गया था। श्परमाणु से ब्रह्मांड तकश विषय उत्कृष्टता की खोज का प्रतिनिधित्व करता है, यह एक ऐसा मार्ग है जिसके रास्ते में बाधाएँ और कठिनाइयाँ हैं। इन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को समान रूप से कड़ी मेहनत करनी होगी। शीर्ष पर पहुँचना परमाणु से ब्रह्मांड तक के पीछे की प्रेरणा है, जो सामान्य लोगों के बीच सितारों की तरह चमकने के लिए दिन–प्रतिदिन किए गए सभी परमाणु के समान प्रयासों का प्रतीक है। इसमें सुश्री ऋचा सिंह, डॉ. वरुण कपूर, श्री आशु घई और श्री राहुल भार्गव की विचारोत्तेजक बातचीत शामिल थी। यह आयोजन बेहद सफल रहा और इसने हमारी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ दी।

नियोजन प्रकोष्ठ

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ, संस्थान में छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट के लिए संपर्क का केंद्र है। इस सीज़न में, आईआईटी इंदौर में नियोजन सत्र एक हाइब्रिड कार्यक्रम था, जो अक्टूबर 2022 में शुरू हुआ और मई 2023 में (पूर्णकालिक नियुक्तियों के लिए) समाप्त हुआ। इंटर्नशिप के लिए प्रक्रिया अगस्त 2022 में शुरू हुई और सितंबर 2022 तक चली।

- बाजार संकट ने कई प्रसिद्ध कंपनियों की नियुक्तियों को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप 2022–23 सत्र के लिए ऑन–कैंपस प्लेसमेंट के लिए कम कंपनियाँ आईं। हालाँकि, हम पिछले वर्ष की तुलना में ऑफ़र की संख्या बढ़ाने में सफल रहे और इस वर्ष के प्लेसमेंट ड्राइव में 80 से अधिक कंपनियों और दो सार्वजनिक उपक्रमों ने भाग लिया।
- नियोजन दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहला चरण अक्टूबर 2022 में शुरू हुआ, जबकि दूसरा चरण जनवरी 2023 में शुरू हुआ। प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की बढ़ती संख्या और संबंधित विशेषज्ञताओं को ध्यान में रखते हुए, नियोजन प्रकोष्ठ ने सभी कार्यक्रमों में छात्रों की अधिकतम भागीदारी प्राप्त करने की दिशा में लगातार प्रयास किया है।

2022–23 के लिए प्लेसमेंट ड्राइव की मुख्य बातें:

मुख्य मेट्रिक्स	विवरण
कंपनियों की कुल संख्या	80+
प्रस्तावों की कुल संख्या	244
प्रस्तावित पीपीओ की कुल संख्या	54
अंतर्राष्ट्रीय जॉब ऑफर	30
उच्चतम घरेलू सीटीसी	68 एलपीए (आईएनआर)
औसत घरेलू सीटीसी	24.5 एलपीए (आईएनआर)
उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय सीटीसी	45 एलपीए (आईएनआर)
औसत अंतर्राष्ट्रीय सीटीसी	41.50 एलपीए (आईएनआर)
कुल पीएसयू	8 ऑफर पेश करता है (गेल और बीईएल)

छात्र प्री–प्लेसमेंट तैयारी:

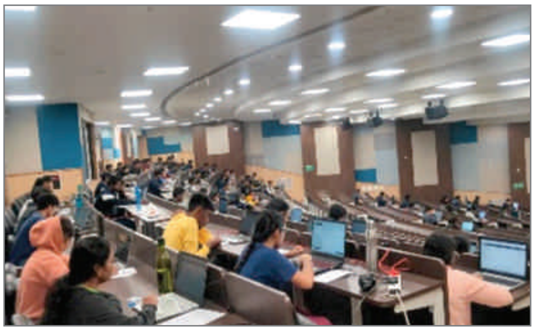

नियोजन अनुभाग के प्राथमिक कार्यों में से एक छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के हिस्से के रूप में ऑनलाइन मूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के दौरान ऑनलाइन कोडिंग चुनौतियों का अभ्यास करने और ऑनलाइन सॉफ्टवेयर पर काम करने की विभिन्न तकनीकों में निपुण बनाकर उनके कैंपस प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के लिए तैयार करना है। नियोजन प्रकोष्ठ विभिन्न डोमेन जैसे इंजीनियरिंग, कोडिंग, कंसल्टेंसी, फाइनेंस, एनालिटिक्स आदि के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रमुख भर्तीकर्ताओं द्वारा विभिन्न प्रकार के हैकथॉन की सुविधा प्रदान करता है।

नियोजन प्रकोष्ठ भर्तीकर्ता और छात्रों के बीच एक संपर्क की कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो उचित योजना और तैयारी के माध्यम से कैरियर की प्रगति की सुविधा प्रदान करता है। नियोजन प्रकोष्ठ छात्र प्लेसमेंट प्रबंधकों के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उद्योग के सर्वश्रेष्ठ भर्तीकर्ता प्लेसमेंट के लिए परिसर में आएँ। संस्थान में छात्र टीम व्यवस्थित उद्योग ग्राउंडवर्क द्वारा छात्र के स्किल सेट की पहचान और मैपिंग के लिए आवश्यक इनपुट लेती है। प्लेसमेंट गतिविधि बाजार के रुझानों के सही विश्लेषण के माध्यम से शुरू होती है, जिसका उद्देश्य आकर्षक पैकेज की पेशकश करने वाले सबसे प्रमुख भर्तीकर्ताओं को आमंत्रित करना है। कैरियर योजना सहित आभासी प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया गया और छात्र की पृष्ठभूमि, योग्यता और पिछले अनुभवों के आधार पर अवसरों की खोज करने में मदद की गई।

भर्तीकर्ता प्रोफ़ाइलः

आईआईटी इंदौर ने परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या और दिए जाने वाले पैकेज दोनों के मामले में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। सीज़न के शुरुआती भाग में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, रिसर्च इंजीनियर, एआई/एमएल और डेटा साइंस एनालिस्ट भूमिकाओं की पेशकश करने वाली कंपनियों का दबदबा था। इनमें से अधिकांश कंपनियाँ अपने—अपने क्षेत्र में विश्व में अग्रणी हैं। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ परामर्श फर्म, बैंक और सॉफ्टवेयर कंपनियाँ प्लेसमेंट में भाग लेती हैं और पिछले कुछ वर्षों में, आईआईटी इंदौर ने छात्रों के बेहतरीन समूह को नियुक्त करने के लिए सर्वश्रेष्ठ भर्तीकर्ताओं को लाने की कोशिश की है। कुछ गैर—प्रमुख भूमिकाओं ने भारी मुआवजे, कैरियर विकास की संभावनाओं, कार्य संस्कृति, नैतिक दिशानिर्देशों आदि जैसे कई कारकों के कारण पिछले वर्षों में ध्यान आकर्षित किया है। इस वर्ष, एक नए 'ज्वेलरी' खंड ने भी अपने सुचारू संचालन के लिए हमारी प्रतिभा को लेने के लिए प्रवेश किया।

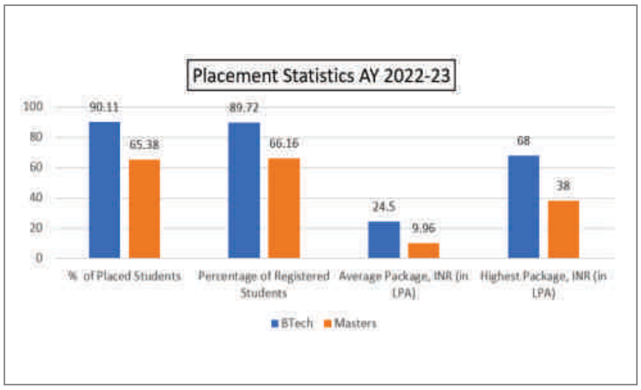

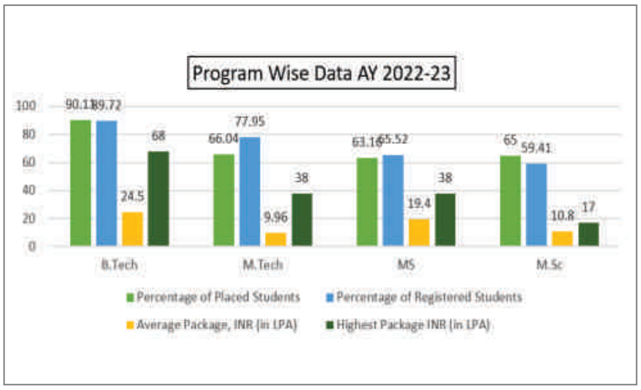

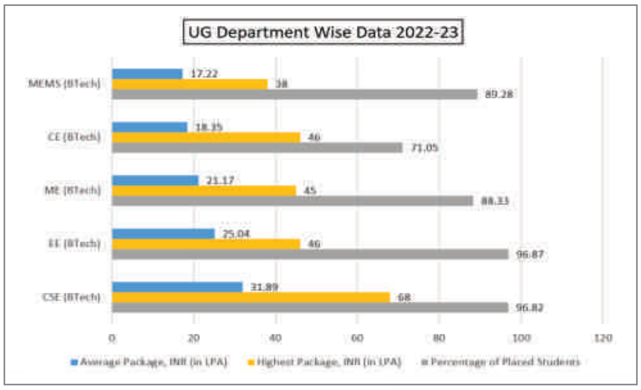

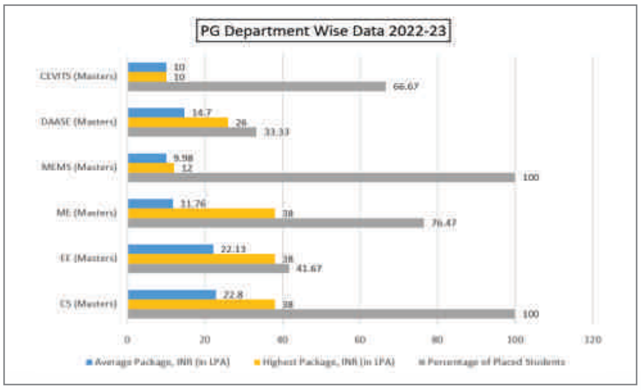

पिछले तीन वर्षों के प्लेसमेंट सांख्यिकी तुलना

पिछले तीन वर्षों की तुलना (2020—21, 2021—22 एवं 2022—23)			
कार्यक्रम	2019—20	2020—21	2021—22
समग्र विद्यार्थी स्थान (%)	70.14	94.52	89.76
उच्चतम पैकेज, आईएनआर (एलपीए)	47.25	56	68
औसत पैकेज, आईएनआर (एलपीए)	17.8	23.5	24.5

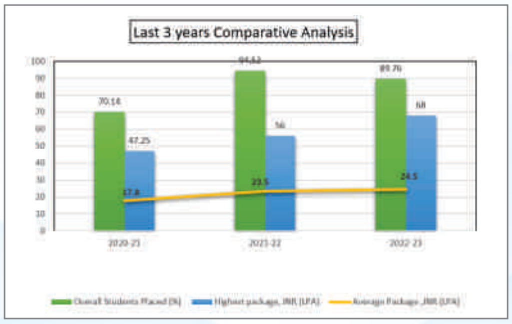

इंटर्नशिप रिपोर्ट:

कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश के लिए औद्योगिक प्रदर्शन एक शर्त है। आईआईटी इंदौर के छात्र आमतौर पर बीटीपी प्रोजेक्ट्स के हिस्से के रूप में इंटर्नशिप करते हैं। बी.टेक के तीसरे वर्ष के छात्र कैंपस इंटर्नशिप प्रक्रिया के लिए उपस्थित होते हैं। छात्रों और प्रस्तावित भूमिकाओं को ध्यान में रखते हुए, नियोजन अनुभाग छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्रों में सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है। नियोजन अनुभाग छात्रों को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अनुसंधान इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करके अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करता है। इंटर्नशिप सीज़न 2022–23 अगस्त 2022 में शुरू हुआ और सितंबर 2022 तक जारी रहा। कुल 135 छात्र थे जिन्हें इंटर्नशिप के लिए चुना गया था। प्रमुख भर्तीकर्ताओं में गोल्डमैन सैक्स, डी.ई शॉ, गूगल, फ्लिपकार्ट, आर्केसियम, सैमसंग आदि शामिल थे।

इंटर्नशिप की मुख्य बातें:

- शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के लिए इंटर्नशिप अवसरों के संदर्भ में जबरदस्त वृद्धि देखी गई। इस वर्ष इंटर्नशिप ऑफर प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 68 से बढ़कर 135 हो गई।
- इंटर्नशिप सत्र 2022–23 के लिए उच्चतम वेतन 1,50,000 रुपये था।

विभाग/वार इंटर्नशिप ग्राफ़ (आयु 2022–23):

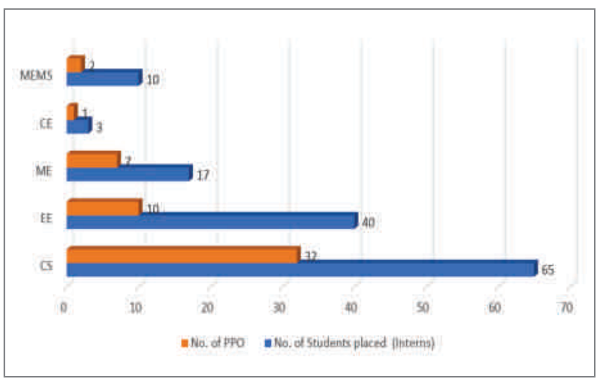

पिछले कुछ वर्षों में आईआईटी इंदौर में प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान प्लेसमेंट आंकड़ों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। निर्धारण वर्ष 2022–23 के लिए, कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया अगस्त 2021 में शुरू हुई और मई 2022 में समाप्त हुई। प्लेसमेंट दो चरणों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चरण 1 के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया अक्टूबर–दिसंबर 2022 तक आयोजित की गई थी, जिसमें प्री–प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) सहित विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शीर्ष कंपनियों की भागीदारी देखी गई थी, जबकि चरण 2, जनवरी 2023 – मई 2023 तक आयोजित किया गया था। प्लेसमेंट के लिए 383 छात्रों ने पंजीकरण कराया था (स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों के लिए)।

संपूर्ण प्लेसमेंट प्रक्रिया हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी। गेल और बीईएल जैसे पीएसयू भी हमारे प्लेसमेंट ड्राइव 2022–23 का हिस्सा थे। कुछ पंजीकृत छात्र राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति वाले संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए जाना पसंद करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारा उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड हमारे मूल्य प्रस्ताव के बारे में बताता है जो बाद के वर्षों में प्रदर्शित होता है।

हॉल ऑफ़ रेजिडेंस (छात्रावास)

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम छात्रावास आईआईटी इंदौर के स्थायी परिसर में पहला छात्रावास है और इसका उद्घाटन 2016 में किया गया था। इसके बाद, 2019 में होमी जहांगीर भाभा (एचजेबी) छात्रावास का उद्घाटन किया गया और 2020 में देवी अहिल्या, विक्रम साराभाई (वीएसबी) और सी.वी. रमन (सीवीआर) छात्रावास का उद्घाटन किया गया। प्रत्येक छात्रावास में 99 इकाइयाँ हैं जिनमें कुल 574 छात्र रहते हैं। प्रत्येक इकाई में छह शयनकक्ष हैं और प्रत्येक कमरे के लिए एकल निवास स्थान है। इसमें एक सुसज्जित बैठक क्षेत्र, एक सामान्य रसोईघर, दो टॉयलेट और दो वॉशरूम भी हैं। आईआईटी इंदौर यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न राज्यों, भाषाओं और विभिन्न विभागों के छात्रों को अध्ययन और अनुसंधान के लिए अंतर्विभागीय दृष्टिकोण और उनके बीच राष्ट्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक इकाई आवंटित की जाए। सभी छात्रावास सौर गर्म पानी की सुविधाओं से भी सुसज्जित हैं और एपीजे छात्रावास वातानुकूलित है।

छात्रावास विभाग का नेतृत्व मुख्य वार्डन डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन करते हैं, जिनकी सहायता वरिष्ठ सहायक श्री दिगंत कर्वे और मुख्य वार्डन कार्यालय में कनिष्ठ सहायक श्री सुरेंद्र सिंह सुल्या करते हैं। एक पर्यवेक्षक और परिचारक की सहायता से एक वार्डन प्रत्येक छात्रावास का प्रमुख होता है।

हॉस्टल क्र.	छात्रावास का नाम	छात्रावास का प्रकार (लड़कियां/लड़के)	वार्डन/प्रभारी वार्डन	एसोसिएट वार्डन
01	एपीजे छात्रावास (अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम)	लड़के	डॉ हरेकृष्ण यादव	––
02	सीवीआर छात्रावास (चंद्रशेखर वेंकट रमन)	लड़के	डॉ. सप्तर्षि घोष	––
03	एचजेबी होमी जहांगीर भाभा	लड़के	डॉ.जयप्रकाश मुरुगेसन	––
04	देवी अहिल्या छात्रावास	लड़कियाँ	डॉ. चरिता चेरुगोंडी	डॉ. अनन्या घोषाल
05	विक्रम साराभाई छात्रावास	लड़के	डॉ. राम सजीवन मौर्य	––

छात्रावास में अतिथि कक्ष/इकाइयाँ

हॉस्टल में 85 मेहमानों के लिए गेस्ट हाउस की सुविधा भी है। अतिथि कक्ष में स्मार्ट एलईडी टीवी, सोफा सेट, सेंटर टेबल, कूलर, माइक्रोवेव, इलेक्ट्रिक केतली, गद्दे, कंबल, बेडशीट, तकिया, तौलिए और कपड़ा स्टैंड आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं।

छात्रावास में मूलभूत सुविधाएँ

Basic Room

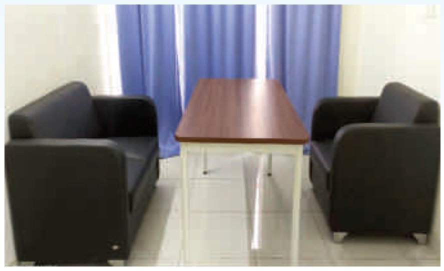

Common Hall

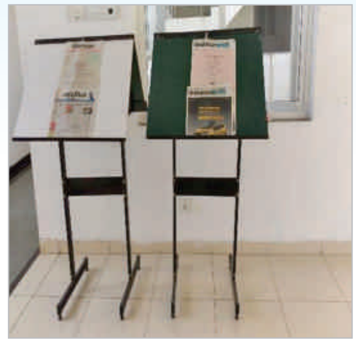

News Paper Stand

Badminton Court

Table Tennis

Soccer Table

Magazine Stand

केंद्रीय आहार सुविधा

संस्थान में एक केंद्रीय आहार सुविधा (कार्बन बिल्डिंग) है जिसमें लगभग 5000 लोग एक साथ भोजन कर सकते हैं। अलग–अलग छात्रावासों के छात्र डाइनिंग हॉल में एक साथ भोजन कर सकते हैं। छात्रों, संस्थान के कर्मचारियों और मेहमानों के लिए भोजन के लिए अलग–अलग अनुभाग विकसित किए गए हैं। डाइनिंग हॉल में 03 बड़े आकार और 04 छोटे आकार के रसोईघर, 02 सामान्य शौचालय और एक लिफ्ट की सुविधा भी शामिल है। संस्थान के आमंत्रित/वीआईपी मेहमानों के लिए आतिथ्य और भोजन सेवाओं के लिए केंद्रीय आहार सुविधा में एक कार्यकारी डाइनिंग हॉल भी सुसज्जित किया गया है।

छात्रों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन परोसा जाता है, जिसमें छात्र निकाय साप्ताहिक आधार पर मेनू तय करता है, और एक आहार समिति समग्र कार्यों की निगरानी करती है। लगातार फीडबैक लेने और शिकायतों का तुरंत समाधान करने से भोजन की गुणवत्ता बनी रहती है। कैटरर को मासिक आहार योजना के आधार पर भुगतान किया जाता है। भुगतान स्मार्ट कार्ड सुविधा और कैशलेस के माध्यम से किया जाता है। संपूर्ण केंद्रीय आहार सुविधा कोविड–उपयुक्त व्यवहार का पालन करती है। नियमित भोजन सेवाओं के अलावा, कार्बन बिल्डिंग में चौबीसों घंटे व्यंजन और अन्य सेवाएँ परोसने वाले कई कियोस्क भी हैं।

केंद्रीय आहार अनुभाग के कामकाज की देखरेख डाइनिंग स्टाफ, छात्र निकाय और छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम द्वारा की जाती है और डाइनिंग वार्डन डॉ. प्रवर्तन धनपाल की अध्यक्षता में एक आहार समिति द्वारा प्रशासित किया जाता है।

परामर्श प्रकोष्ठ

दिसंबर 2011 में, आईआईटी इंदौर की स्थापना के बाद से ही परामर्श प्रकोष्ठ संस्थान का अभिन्न अंग रहा है। इस प्रकोष्ठ का कार्य छात्रों के लिए एक सहायक और अनुकूल परिवेश प्रदान करना है जिसमें वह व्यक्तिगत चिंताओं या शैक्षणिक चुनौतियों पर चर्चा कर सकते हैं और परामंर्श प्रकोष्ठ टीम के सदस्य से प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं।

सकारात्मक कल्याण को बढ़ावा देने और आईआईटी इंदौर छात्र समुदाय के समग्र विकास को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से, सेल की सेवाएँ आईआईटी इंदौर के सभी छात्रों (बी.टेक, एम.टेक / एम.एससी, पीएच.डी और कोई अन्य पाठ्यक्रम जो पिछले कुछ वर्षों में जोड़े गए हैं) के लिए समान रूप से सुलभ हैं। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की रोकथाम तथा आत्महत्या एवं पुरानी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए, परामर्श प्रकोष्ठ छात्रों में विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की शीघ्र पहचान और शीघ्र निवारण के लिए काम करता है।

प्रोफेसर अरुणा तिवारी
प्रमुख, परामर्श सेवाएँ

संकाय परामर्श समन्वयक

प्रत्येक विभाग के संकाय सदस्यों को वार्षिक रूप से संकाय परामर्श समन्वयक के रूप में नामित किया जाता है।

प्रोफेसर तृप्ति जैन
विद्युतीय अभियांत्रिकी

डॉ. एस जानकीरमन
यांत्रिक अभियांत्रिकी

डॉ. चंद्रेश कुमार मौर्य
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

डॉ. मयूर शिरीष जैन
जानपद अभियांत्रिकी

डॉ. मृगेन्द्र दुबे
धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान

डॉ नरेंद्र नाथ पात्रा
खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी

डॉ शरद गुप्ता
जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी

डॉ देबज्योति सरकार
भौतिकी

डॉ. उमेश ए. क्षीरसागर
रसायन शास्त्र

प्रोफेसर स्वदेश कुमार साहू
गणित

डॉ. केदारमल वर्मा
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

छात्र परामर्श समन्वयक (एससीसी) तथा छात्र जिमखाना प्रतिनिधि

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के छात्रों को वार्षिक रूप से छात्र परामर्श समन्वयक के रूप में चुना जाता है।

सुश्री पूर्णा कुकड़िया
पीएचडी के लिए छात्र परामर्श समन्वयक

सुश्री समीक्षा रेले
स्नातकोत्तर के लिए छात्र परामर्श समन्वयक

सुश्री भव्या गुप्ता
स्नातक के लिए छात्र परामर्श समन्वयक

श्री एस. श्रीवेश
महासचिव–परामर्श, आउटरीच और पूर्व छात्र, छात्र जिमखाना

सलाहकार

सुश्री मोनिका गुप्ता
वरिष्ठ परामर्शदाता

श्री शुभम् मंदसौरकर
परामर्शदाता

सुश्री हर्षिता मुरई
परामर्शदाता

कार्यालय के कर्मचारी

श्री तन्मय हर्ष वैष्णव
अनुभाग अधिकारी

परामर्श प्रकोष्ठ निम्नलिखित गतिविधियाँ करता है:

व्यक्तिगत परामर्श सत्र (व्यक्तिगत, ऑनलाइन / टेली परामर्श) – छात्रों के विभिन्न प्रकार की चिंताओं का निवारण करने में सहायता करने के लिए प्रकोष्ठ द्वारा इसे आयोजित किया जाता है, चाहे वे शैक्षणिक, व्यक्तिगत, भावनात्मक, पारिवारिक या सहकर्मी से संबंधित हों। नैदानिक अवसाद, चिंता स्पेक्ट्रम कठिनाइयों, आत्महत्या की प्रवृत्ति और जटिल व्यक्तित्व लक्षणों सहित मनोवैज्ञानिक चिंताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के रूप में।

माता–पिता परामर्श सत्र– शैक्षणिक या मनोवैज्ञानिक चिंताओं वाले छात्रों के माता–पिता के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं।

प्रभावी निवारण सुनिश्चित करने के लिए छात्रों और उनके अभिभावकों के साथ नियमित अनुवर्ती परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं।

छात्र परामर्श कार्यक्रम– छात्र समुदाय के लिए स्वस्थ, तनाव मुक्त परिवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, जिमखाना महासचिव परामर्श और आउटरीच के सहयोग से परामर्श प्रकोष्ठ, एक छात्र परामर्श कार्यक्रम का प्रबंधन करता है। छात्र सलाहकार शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों चिंताओं के संदर्भ में नए छात्रों की मदद करते हैं।

संकाय सलाहकार कार्यक्रम– परामर्श प्रकोष्ठ, छात्र कार्य एवं शैक्षणिक कार्य के अधिष्ठाता के परामर्श से संस्थान में शामिल होने के समय नए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संकाय सलाहकार नियुक्त करता है। संकाय सलाहकार नियमित रूप से प्रत्यायोजित छात्रों के साथ बातचीत करते हैं और शैक्षणिक चिंताओं के बारे में उनका मार्गदर्शन करते हैं। यदि छात्र से जुड़ी समस्याओं के कोई लक्षण दिखाई देते हैं तो उन्हें छात्र परामर्शदाता के पास भेजा जाता है।

परामर्श प्रकोष्ठ का ओरिएंटेशन– नए छात्रों के समक्ष परामर्श प्रकोष्ठ के परिचय के लिए एक सत्र आयोजित किया जाता है जिसमें आईआईटी इंदौर में परामर्श सेवाओं के बारे में जानकारी साझा की जाती है।

संकट में निवारण – परामर्शदाता किसी भी जरूरी और तत्काल चिंताओं से निपटने के लिए छात्रों को स्वास्थ्य केंद्र या उनके निवास में भी परामर्श देते है।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के आधार के रूप में एक मजबूत रेफरल प्रणाली बनाना, जहां छात्रों को अधिकारियों, शैक्षणिक कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, संकाय सलाहकारों, माता–पिता और दोस्तों द्वारा रेफर किया जा रहा हो। इसके अलावा, उन छात्रों के लिए जो स्वयं परामर्श प्रकोष्ठ से संपर्क करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सकारात्मक कल्याण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वेबिनार और विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाती हैं।

2022–23 के दौरान परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. स्वयं, तनावों और विद्यार्थी जीवन का प्रबंधन– लगभग हर चीज का सिद्धांत

दिनांक: 6 अगस्त, 2022

जैसे–जैसे छात्र अपने जीवन में आगे बढ़ता है, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक संपर्क में कठिनाई और विकास जैसी चुनौतियाँ आती हैं। इसी तर्ज पर आईआईटी इंदौर के परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। मुंबई स्थित मनोचिकित्सक सुश्री शशि रेखा को स्नातक छात्रों के समक्ष ''स्वयं, तनाव और छात्र जीवन का प्रबंधन– लगभग हर चीज का सिद्धांत'' शीर्षक से विशेषज्ञ वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

2. माइंड मैटर एंड मी

दिनांकः 7 अगस्त, 2022

सुश्री शशि रेखा द्वारा आईआईटी इंदौर के स्नातकोत्तर छात्रों के समक्ष ''माइंड मैटर एंड मी'' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था। इस चर्चा के दौरान, विशेषज्ञ द्वारा एक अटेंशन रिटेंशन एक्सरसाइज आयोजित की गई और छात्रों को बताया गया कि विचार कैसे भावनाओं में बदल जाते हैं – जो व्यवहार में बदल जाते हैं। उन्होंने यह भी साझा किया कि संभावनाओं को समझने के लिए अपने लक्ष्यों को वास्तविक/निहित/कल्पना में कैसे बदला जाए और उसे हासिल करने के लिए आवश्यक प्रयास कैसे किए जाएँ।

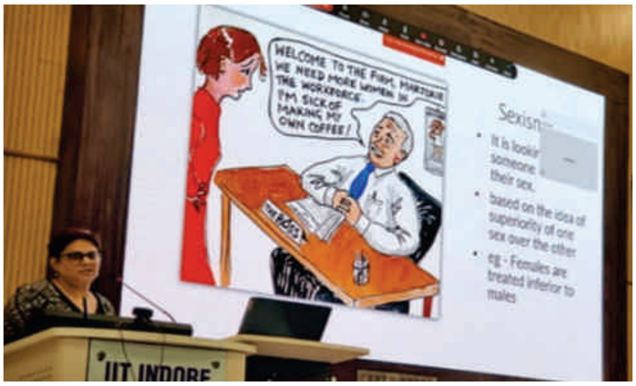

3. कठिन परिस्थितियों में उत्पादकता कैसे बढ़ाएँ?

दिनांकः 29 अगस्त, 2022

इस विषय पर रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बेंगलुरु की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मेघना वर्मा ने विचार–विमर्श किया। सेमिनार के दौरान डॉ. वर्मा ने कठिन परिस्थितियों में खुद को प्रेरित रखने और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादक बनने में सक्षम होने की रणनीतियों को साझा किया। सेमिनार के बाद अतिथि वक्ता और आईआईटी इंदौर के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा परिसर क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया।

4. संकाय सलाहकार और छात्र सलाहकार के साथ इंटरैक्टिव बैठक

दिनांकः

पहली इंटरएक्टिव मीटिंगः 27 अक्टूबर, 2022

दूसरी इंटरएक्टिव मीटिंगः 1 दिसंबर, 2022

तीसरी इंटरएक्टिव मीटिंगः 17 फरवरी, 2023

2022 के स्नातकोत्तर और स्नातक बैच के लिए नए छात्रों, उनके संकाय सलाहकारों और छात्र सलाहकारों के साथ एक सेमेस्टर में तीन बार इंटरैक्टिव बैठकें आयोजित की गईं। आईआईटी इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने छात्रों को संबोधित किया और इसके बाद संकाय कार्य के अधिष्ठाता, छात्र कार्य के अधिष्ठाता और परामर्श सेवाओं के प्रमुख के साथ एक सत्र आयोजित किया गया।

5. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम

दिनांकः 13 और 14 अक्टूबर, 2022

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, आईआईटी इंदौर में परामर्श प्रकोष्ठ ने 13 और 14 अक्टूबर को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। 13 अक्टूबर को, परामर्श प्रकोष्ठ के लिए एक लोगो–मेकिंग और कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था ''पेंट योर पर्सपेक्टिव''। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि वक्ताओं में डॉ. विजेंदर सिंह, एचओडी मनोचिकित्सा विभाग एम्स भोपाल; प्रोफेसर लीलावती कृष्णन सेवानिवृत्त प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, आईआईटी कानपुर और डॉ. आशुतोष सिंह, आईआईटी इंदौर में विजिटिंग मनोचिकित्सक, जिन्होंने निम्नलिखित शीर्षकों पर अपने विचार साझा किए –

1. पेशेवरों और प्रबंधन रणनीतियों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को समझना
2. मानसिक स्वास्थ्य में आत्म–सम्मान और लचीलापनः जीवन को व्यक्तिगत रूप से सार्थक बनाना
3. मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दाः हम अभी भी समय रहते इसकी पहचान क्यों नहीं कर पाते?

6. समय प्रबंधन कार्यशाला

दिनांकः 13 दिसंबर, 2022 से 16 दिसंबर, 2022 तक

परामर्श प्रकोष्ठ ने बी.टेक प्रथम वर्ष 2022 के छात्रों के लिए समय प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह एक गतिविधि–आधारित कार्यशाला थी जहाँ छात्रों के साथ प्रभावी समय प्रबंधन के लिए विभिन्न व्यावहारिक सुझाव साझा किए गए। कार्यशाला को अधिक संवादात्मक बनाने के लिए छोटे समूहों में आयोजित किया गया था।

7. बहुत अधिक स्क्रीन उपयोग कितना होना चाहिए? एक मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि

दिनांकः 10 फरवरी, 2023

डॉ. मनोज कुमार शर्मा, एसएचयूटी क्लिनिक (भारत की पहली तकनीकी नशामुक्ति सुविधा) के प्रमुख, क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर, एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु को बहुत अधिक स्क्रीन का उपयोग कितना होना चाहिए? एक मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपने भाषण के दौरान, डॉ. शर्मा ने डिजिटल लत और जीरो इनबॉक्स सिंड्रोम और तीव्र सामाजिक वापसी जैसी अन्य संबंधित समस्याओं के बारे में बात की। डॉ. शर्मा ने अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को प्रतिबंधित करने के लिए सुझाव भी साझा किए।

प्रमुख उपलब्धियाँ एवं सहयोग

परामर्श टीम में परामर्शदाताओं को शामिल करते हुए, महामारी के बाद छात्रों की परामर्श संबंधी चिंताओं में वृद्धि की महत्वपूर्ण चुनौती को प्रभावी ढंग से संभाला गया। इससे आत्महत्या की रोकथाम और आईआईटी इंदौर छात्र समुदाय के समग्र सकारात्मक कल्याण में सुधार लाने में मदद मिली। संस्थान के स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से और छात्र कार्य के अधिष्ठाता और मुख्य वार्डन कार्यालय के समन्वय से संकट में समय पर निवारण किया जा सकता है। मुंबई स्थित मनोचिकित्सक और जीवन कौशल कोच सुश्री शशि रेखा के साथ सहायक ऑनलाइन और टेली–परामर्श सेवाएँ बहुत मददगार साबित हुईं।

परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा संकाय सलाहकारों, छात्र सलाहकारों के साथ आयोजित इंटरैक्टिव बैठकों की एक श्रृंखला और प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ निदेशक की बातचीत ने छात्रों को यह महसूस करने के लिए प्रेरित किया कि वे संस्थान के धरोहर हैं। ओरिएंटेशन के दिन, माता–पिता की चिंताओं को आईआईटी इंदौर के निदेशक और संस्थान के पदाधिकारियों ने एक इंटरैक्टिव सत्र में संबोधित किया, जिससे माता–पिता का संस्थान के अधिकारियों के साथ जुड़ाव मजबूत हुआ और उनसे जुड़ने की क्षमता में वृद्धि हुई।

आउटरीच एवं सार्वजनिक व्याख्यान

वर्ष के दौरान, संस्थान सेमिनार और आउटरीच समिति ने प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा सार्वजनिक व्याख्यानों की एक श्रृंखला आयोजित की, जैसा कि नीचे बताया गया है:

Prof. Subhasis Chaudhuri, Director, IIT Bombay Students' interaction with an eminent researcher

प्रोफेसर चौधरी आईआईटी बॉम्बे में विद्युतीय अभियांत्रिकी के कमलनयन बजाज चेयर प्रोफेसर हैं। उन्हें कंप्यूटर विज़न पर अपने अग्रणी अध्ययन के लिए जाना जाता है। वह इंजीनियरिंग और विज्ञान की सभी चार प्रमुख भारतीय अकादमियों, अर्थात् भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के निर्वाचित फेलो हैं। भारत सरकार की सर्वोच्च एजेंसी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने उन्हें अभियांत्रिकी विज्ञान में उनके योगदान के लिए 2004 में सर्वोच्च भारतीय विज्ञान पुरस्कारों में से एक, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह 2019 से आईआईटी बॉम्बे के निदेशक हैं।

कार्यक्रम के दौरान, प्रोफेसर चौधरी ने शोध विद्वानों के साथ बातचीत की और वैश्विक संदर्भ में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

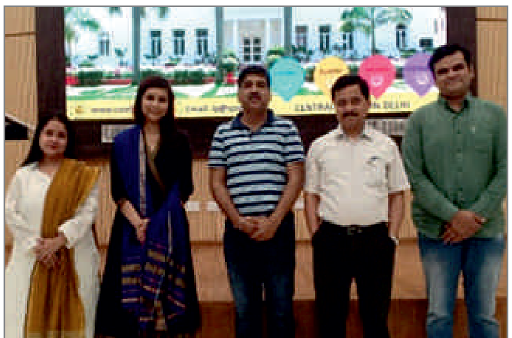

USIEF: Fulbright outreach webinar held on 18th of April at IIT Indore

भारत के यूनाइटेड स्टेट्स–इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) फुलब्राइट कमीशन की कार्यक्रम एवं पूर्व छात्र प्रबंधक सुश्री सुरंजना दास ने आयोजित आउटरीच वेबिनार में 18 अप्रैल 2022 को आईआईटी इंदौर का दौरा किया। यह आईआईटी इंदौर के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए फुलब्राइट–नेहरू और अमेरिका में अध्ययन, अनुसंधान, शिक्षण और व्यावसायिक विकास के अन्य फुलब्राइट अवसरों के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र था।

Prof. Sundararajan (Retd.) Nanyang Technological University, Singapore visited IIT Indore

प्रोफेसर नरसिम्हन सुंदरराजन ने 8 सितंबर से 10 सितंबर 2022 तक ''अपने अनुसंधान कौशल में सुधार कैसे करें'' विषय पर कार्यशाला के वक्ता के रूप में आईआईटी इंदौर का दौरा किया। कार्यशाला में आईआईटी इंदौर परिसर के 100 से अधिक शोध विद्वानों और संकाय सदस्यों के साथ–साथ अन्य आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने वेबएक्स प्लेटफ़ॉर्म पर व्यक्तिगत रूप से भाग लिया।

वक्ता के बारे में संक्षिप्त जानकारी: प्रोफेसर एन. सुंदरराजन ने इसरो, त्रिवेन्द्रम, भारत में नियंत्रण प्रणाली डिजाइनर से लेकर निदेशक, प्रक्षेपण यान डिजाइन समूह तक के रूप में काम किया है और भारतीय उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी3, एएसएलवी, पीएसएलवी और जीएसएलवी के डिजाइन और विकास में योगदान दिया है। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में सीधे डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के अधीन काम करने वाली पहली भारतीय उपग्रह प्रक्षेपण यान परियोजना एसएलवी3 टीम के लिए प्रोजेक्ट इंजीनियर (मिशन) के रूप में काम करना शामिल है। उसके बाद, इन्होंने स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर में प्रोफेसर के रूप में काम किया और उसी पद से सेवानिवृत्त हुए।

First Group Monitoring Workshop of SERB Start-up Research Grant - Life Sciences (SRG-LS) from July 4-5, 2022

आईआईटी इंदौर ने 4 से 5 जुलाई 2022 तक एसईआरबी स्टार्ट–अप रिसर्च ग्रांट – लाइफ साइंसेज (एसआरजी–एलएस) की पहली समूह निगरानी कार्यशाला की मेजबानी की। इस अवसर पर, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने उद्घाटन भाषण दिया और सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रमुख अन्वेषकों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर शिव मोहन सिंह (वैज्ञानिक जी), एसआरजी कार्यक्रम सलाहकार, एसईआरबी–डीएसटी, भारत सरकार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च, नई दिल्ली से प्रोफेसर मनोज प्रसाद, एसआरजी–एलएस समिति के अध्यक्ष, और डॉ. प्रमोद कुमार प्रसाद, कार्यक्रम अधिकारी, एसआरजी–लाइफ साइंसेज, एसईआरबी–डीएसटी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का समन्वय अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) कार्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अधिष्ठाता प्रोफेसर अविनाश सोनावणे के नेतृत्व में किया गया था। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ समिति के 23 सदस्यों और 85 प्रमुख अन्वेषकों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान, एसईआरबी ने स्टार्ट–अप रिसर्च अनुदान कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत जीवन विज्ञान में लगभग 85 चल रही परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन किया। स्टार्ट–अप रिसर्च ग्रांट (एसआरजी) का उद्देश्य विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के अग्रणी क्षेत्रों में काम करने वाले शोधकर्ताओं को खुद को स्थापित करने और मुख्य वर्ग के मुख्य अनुसंधान अनुदान की ओर बढ़ने में सक्षम बनाना है। प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने स्टार्ट–अप के लिए नियोजित पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी और कहा, ''संस्थान में लगभग 75 प्रौद्योगिकियाँ हैं, जो संस्थान में प्रोफेसरों और छात्रों के शोध से सामने आई हैं। हमने उनका दस्तावेजीकरण किया है और इन तकनीकों का एक ब्रोशर बनाया है, और उनमें से एक तकनीक व्यावसायीकरण के लिए तैयार है।'' इसके अलावा, इन प्रौद्योगिकियों में से 17 पेटेंट फ़ाइल किए गए हैं और कई पेटेंट पाइपलाइन में हैं। हम न केवल अनुसंधान में बल्कि प्रौद्योगिकी विकास, उसकी देखरेख और लाइसेंसिंग के मामले में भी बहुत प्रगतिशील हैं। मुझे उम्मीद है कि एसईआरबी द्वारा आयोजित यह कार्यशाला उभरते शोधकर्ताओं के लिए बहुत उपयोगी होगी क्योंकि यह विकसित तकनीक को प्रयोगशालाओं तक ही सीमित नहीं रहने बल्कि उन्नत रूप में ले जाने में सक्षम बनाएगी।

"Study in France" Seminar held on 5th of August 2022

कैम्पस फ्रांस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नागपुर डिवीजन के भोपाल कार्यालय की प्रमुख सुश्री दिव्या सक्सेना – भारत में फ्रांस के दूतावास ने एक संक्षिप्त प्रस्तुति देने के लिए आईआईटी इंदौर का दौरा किया। यह आईआईटी इंदौर के छात्रों के लिए ''फ्रांस में उच्च शिक्षा, अनुसंधान, इंटर्नशिप और छात्रवृत्ति के अवसरों'' के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र था। इस दौरान, 100 से अधिक छात्र व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल हुए।

Public Lecture by Ambassador Manjeev Singh Puri (Retd.) at IIT Indore on 19th Sept 2022

राजदूत मंजीत सिंह पुरी (सेवानिवृत्त) ने 19 सितंबर 2022 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में ''भारत@75: विदेश नीति विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला'' के तहत ''वैश्विक नियति के साथ प्रयास'' शीर्षक पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के जश्न के एक भाग के रूप में, ''भारत@75: विदेश नीति विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला'' नामक एक स्मरणीय व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित किया गया था। इस पहल के तहत, देश भर के विभिन्न संस्थानों में भारत के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त राजदूतों द्वारा भारत की विदेश नीति पर व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं।

राजदूत पुरी एक सेवानिवृत्त भारतीय राजनयिक हैं और उन्होंने यूरोपीय संघ, बेल्जियम, लक्ज़मबर्ग, नेपाल में भारत के राजदूत और संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत / उप स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा, उन्होंने जर्मनी में (बॉन और बर्लिन में), केप टाउन, मस्कट, बैंकॉक और कराकस में दो बार सेवा दी है। 2005 से 2009 तक, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र–आर्थिक, भारत के विदेश मंत्रालय में सामाजिक मामले– प्रभाग का नेतृत्व किया और जुलाई 2007 में ब्रुसेल्स में प्रवासन और विकास पर वैश्विक मंच की पहली बैठक के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल और मानवाधिकार परिषद में भारत द्वारा विभिन्न रिपोर्टों की प्रस्तुति का नेतृत्व किया। 2011–2012 के दौरान, जब भारत ने सुरक्षा परिषद में कार्य किया, तो वह इसके प्रतिनिधिमंडल के एक वरिष्ठ सदस्य थे। सत्र का समापन आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी द्वारा विशिष्ट अतिथि वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। श्री सिबा प्रसाद होता, प्रभारी कुलसचिव, आईआईटी इंदौर ने विजिटिंग गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों को ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

Webpage: http://ebsb.iiti.ac.in/

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जो विभिन्न क्षेत्रों के निवासियों के बीच एक सतत और इच्छित सांस्कृतिक जुड़ाव का एक विचार है। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच आपसी बातचीत और आदान–प्रदान के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए शुरू किया गया था, ताकि पूरे देश में समझ की एक समान भावना कायम रहे।

आईआईटी इंदौर की एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) टीम भारत सरकार के विभिन्न अभियानों को बढ़ावा देने के लिए अपने संयोजक डॉ. नीरज कुमार शुक्ला (एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग) के नेतृत्व में सक्रिय रूप से विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रही है, जैसे एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, आरयूटीएजी आदि।

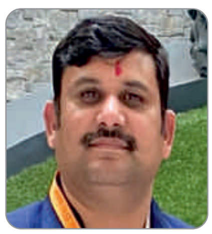

डॉ.नीरज कुमार शुक्ला
संयोजक

डॉ आशीष कुमार
समन्वयक, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान (आरएए)

डॉ. मृगेंद्र दुबे
समन्वयक, उन्नत भारत अभियान (यूबीए)

डॉ अरुणा तिवारी
समन्वयक, ग्रामीण प्रौद्योगिकी एक्शन ग्रुप (RuTAG)

डॉ. अनन्या घोषाल
समन्वयक, स्वच्छ भारत अभियान (एसबीए)

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए, आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम ने ''नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट प्रोग्राम युवा संगम कार्यक्रम चरण– I (2023)'' का आयोजन किया। युवा संगम, भारत सरकार की एक पहल है, जो उत्तर–पूर्वी राज्यों और शेष भारत के युवाओं के बीच लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत करने और संवेदना पैदा करने के लिए बनाई गई है। यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित किया गया था और उत्तर–पूर्व (एनई) से 11 उच्च शिक्षा संस्थानों और देश के बाकी हिस्सों से 14 को पारस्परिक यात्राओं के लिए आपस में जोड़ा गया था।

यह बहुत गर्व की बात है कि आईआईटी इंदौर को मध्य प्रदेश राज्य के लिए नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया और एनआईटी मणिपुर को नोडल संस्थान के रूप में मणिपुर के साथ जोड़ा गया। इस कार्यक्रम में, मणिपुर के युवाओं ने मार्च 20–26, 2023 के दौरान मध्य प्रदेश के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों जैसे कि महाकाल कॉरिडोर, माहेश्वर किला, राजवाड़ा, आईआईएम इंदौर का दौरा किया और इंदौर शहर की स्वच्छता एवं प्रबंधन प्रणाली तथा मध्य प्रदेश के लोक संगीत और नृत्य से परिचित हुए। इस यात्रा के दौरान मणिपुर के युवाओं को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मिलने का अनूठा अवसर भी मिला।

इस कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश के 25 जिलों से 49 छात्रों की एक टीम को भी मणिपुर भेजा गया और उन्हें सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के लिए मणिपुर के विभिन्न स्थानों से परिचित कराया। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने ध्वजारोहण समारोह की शोभा बढ़ाई। इंफाल में स्थित राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल माननीय सुश्री अनुसुईया उइके से मध्य प्रदेश के युवाओं ने बातचीत की। आईआईटी इंदौर से डॉ. नीरज कुमार शुक्ला, डॉ. मृगेंद्र दुबे, डॉ. अनन्या घोषाल, श्री नीरज कुमार, श्री ललित जैन और श्री संतोष के. शर्मा ने समूह का नेतृत्व किया।

इसके बाद 26 मार्च 2023 को मणिपुर के 35 युवा प्रतिनिधियों को सिमरोल गाँव के जीवन के विभिन्न पहलू के बारे में जागरूक करने हेतु, एक सम्मान समारोह की मेजबानी और आयोजन करने के लिए आईआईटी इंदौर प्रशासन और एक भारत श्रेष्ठ भारत टीम की ओर से सरपंच, कर्मचारी सदस्यों तथा ग्राम पंचायत सिमरोल की आधिकारिक प्रशस्ति पत्र के साथ सराहना की गई।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान को बढ़ावा देने के लिए, आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम ने राज्य शिक्षा केंद्र के सहयोग से हिंदी माध्यम स्कूल, मध्य प्रदेश सरकार के छात्रों (कक्षा 6–8) के लिए ''विज्ञान पर चर्चा–कार्यक्रम की श्रृंखला'' पर 107 से अधिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।

इस श्रृंखला में, अनुभवी विशेषज्ञों/प्रोफेसरों/वैज्ञानिकों ने गणित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं को हिंदी में समझाया, जो मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों के ज्ञान को बढ़ाता है। ईबीएसबी टीम ने मध्य प्रदेश राज्य सरकार के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए हिंदी में गणित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं। इसके साथ, स्कूली शिक्षकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भी योजना बनाई गई।

आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी टीम यूबीए के महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आस–पास के गोद लिए गए गाँवों अर्थात् बाई ग्राम, इंद्र आवास, जगजीवन ग्राम, मिर्ज़ापुर और नयागांव और उनके स्कूलों में अक्सर कई गतिविधियाँ आयोजित कर रही हैं। आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य और छात्र, ईबीएसबी टीम के साथ मिलकर, समाज के उत्थान से संबंधित आरएए, यूबीए, आरयूटीएजी और एसबीए के तहत विभिन्न परियोजनाओं पर लगातार काम कर रहे हैं।

14 नवंबर, 2022 को बाल दिवस और मधुमेह दिवस के अवसर पर, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी), आईआईटी इंदौर की टीम ने छात्रों और ग्रामीणों के लिए सरकारी स्कूल, सिमरोल में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया। शिविर मुख्य रूप से लोगों की आँखों, हड्डियों और रीढ़ की जाँच पर केंद्रित था। इस अवसर पर, 200 से अधिक लोग जाँच के लिए आए और शिविर की सुविधाओं का लाभ उठाया। टीम ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित कई चिकित्सा योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उन्हें किसी भी इलाज के लिए सरकार से संबद्ध अस्पताल से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ईबीएसबी के संयोजक डॉ. नीरज कुमार शुक्ला ने कहा, "आईआईटी इंदौर उन्नत भारत अभियान के तहत हमारे द्वारा गोद लिए गए 5 गांवों के लिए लगातार कई जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित कर रहा है। इस बार, हमने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, इंदौर के डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. टीन गुप्ता और डॉ. ऋषि गुप्ता की देखरेख में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया।

आईआईटी इंदौर के श्री ललित जैन, श्री संतोष शर्मा, श्री दुष्यन्त, श्री मुकेश यादव के साथ–साथ सिमरोल सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने भी किसी भी बीमारी को फैलने से रोकने के लिए स्वच्छता और सावधानियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद की।

मीडिया में आईआईटी इंदौर

शोध–पेटेंट में आगे बढ़ती आइआइटी की यात्रा

उपलब्धि ● छह राज्यों में स्थित सात आइआइटी की वर्ष 2021 की रिपोर्ट

कृषि से लेकर कोरोना से निपटने तक में विज्ञानियों व शोधार्थियों ने दिया योगदान | कोरोना वैक्सीन को लेकर किए गए सटीक शोध ने विश्व में हमारी क्षमता को किया पुख्ता

आइआइटी इंदौर में 443 शोध और 15 पेटेंट

आइआइटी रोपड़ ने कराए 19 पेटेंट

आइआइटी, रुड़की ने 62 पेटेंट भेजे, मिले नौ

आइआइटी कानपुर ने दाखिल किए पहले से अधिक पेटेंट

आइआइटी पटना ने 30 पेटेंट कराए

आइआइटी - आइएसएम में तीन तरह के शोध पर काम

देश में तेज हो रही गति

IITI secures patent for data-sensing technique

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Dr Bhupendra Singh Reniwal | Dr Santosh Kumar Vishvakarma

IIT Indore received a patent on 'Offset-Compensated Data Sensing Technique for Low Energy Embedded SRAM' from the Patent Office, Government of India. The inventors of the patent are Dr Bhupendra Singh Reniwal and professor Santosh Kumar Vishvakarma.

This invention has led to the development of a semiconductor memory architecture designed for low-energy electronic devices which can tolerate variations in the modern IC fabrication process.

The conventional microprocessor-based, hand-held devices comprises of embedded memory which characterises a huge share of the system-on-chip (SoC).

There is a likelihood of functional failure because of offset during chip fabrication. This technique will enable the emerging chips to be fast enough to read the data from processor on-chip memory. It will also increase the accuracy and speed and save energy for data processing in Neuromorphic computing chips, low-energy wearable electronics devices, smartphones, personal healthcare assistants, and smart Cyber-Physical Systems applications.

This is the 16th patent of the institute among 85 patents filed till date.

IIT Indore signs MoU with the IIFM, Bhopal

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

IIT Indore has signed an MoU with Indian Institute of Forest Management (IIFM), Bhopal, to provide a framework for long-term collaboration and advancement of knowledge sharing based on reciprocity and mutual interest.

The MoU was signed by Prof Suhas S Joshi, director, IIT Indore and Subhash Chandra (IFS), director, IIFM, Bhopal.

Both the institutes will work on using technological intervention in the domains of natural resource management, environment, forests, sustainability, climate change, rural development, rural livelihoods and other allied fields/areas through joint research projects, training programmes, consulting assignments and other such activities.

Faculty members from both the institutes may jointly supervise for PhD in the common areas of interest.

Possibilities about starting a sustainability centre, working together on eco-tourism and agro-forestry was also discussed in detail during the meeting of IIT Indore and IIFM officials.

The visit of IIFM delegation was a reciprocity visit of IIT Indore delegation to IIFM. IIFM delegation along with other senior forest officials of Indore region visited the forest area of IIT Indore and agreed to guide IIT Indore in developing the forest area of IIT Indore. Discussions were also held about forest fires, Nagar Van scheme, commercial plantation and development of water reservoirs in forest areas.

Recently, IIT Indore had signed an MoU to host 50 meritorious students from MP government engineering colleges, for a one-month internship/project without any fee. In addition to this, free accommodation and expenses to carry out research will also be borne by IIT Indore.

KV IIT Indore starts Balvatika for tiny-tots

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Balvatika, a pilot project of Kendriya Vidyalaya Sangathan for tiny-tots, was started at KV IIT Indore on Monday. KV IIT Indore has been selected amongst the 50 KVs wherein Kendriya Vidyalaya Sangathan is introducing Balvatika classes in a pilot mode.

Children from the age of 3 years can be admitted to the Balvatika I and subsequently would be promoted to Balvatika 2 & 3 before seeking admission in Class 1.

The inauguration ceremony of Balvatika was conducted on Monday. The inauguration was done by Kendriya Vidyalaya Sangathan commissioner Nidhi Pandey, who had visited the school for inspection.

IIT Indore director Prof Suhas S Joshi was also present during the occasion.

At the event, principal JP Bohre spoke about ongoing activities in the school. Pandey said that children of all classes should first try to keep their peers happy. She wished the children to move ahead by studying while being happy in the positive and green environment of IIT.

The commissioner awarded the talented children of the school including K Arini Mishra, K Mahi Kaushal and K Kinjal Rai. School's music teacher Pandit Sudhanshu Mahant and Yoga teacher Anil Chaudhary were also felicitated on their achievement.

IIT-I TEAM SENSITISES BAIGAON VILLAGERS TO SWACHHTA

As part of the activities under Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB), IIT Indore team visited a village hospital and school of Baigaon on September 6 to spread awareness on cleanliness and the precautions to contain spreading of diseases. Team comprising of Dr Niraj Kumar Shukla, Dr Shilpa Raut, Suresh Chandra Thakur and Meenaxi Sen interacted with patients and villagers. They were made aware on importance of Indian culture of swachhta with respect to current scenario and were also informed on many government schemes for medical facilities. Sarpanch of Baigaon v Jyoti Lovelesh Meena was also present. During the visit to the school, the students, teachers and staff were apprised on proper utilization of dustbins and first-aid kit. Oximeter, writing material, sports gears and stationeries were also distributed by IIT Indore.

IIT-I signs MoU with Ethiopia

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The Indian Institute of Technology (IIT) Indore has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Ministry of Education and Ministry of Innovation and Technology, Ethiopia to promote bilateral cooperation with Ethiopian Universities.

As part of the MoU, 46 universities of Ethiopia will become partner institutes and work together to promote various academic and research programs. A joint multidisciplinary international quality improvement PhD program will also be designed under the MoU.

The MoU was signed by Professor Suhas S. Joshi, Director, IIT Indore and Dr Bayissa Badada Badassa, state minister, Ministry of Innovation and Technology, Ethiopia.

COOPERATION AMONG VARSITIES

IIT-I said students and faculty exchange programmes will be conducted under the joint multidisciplinary international quality improvement PhD programme.

Professor Suhas S. Joshi, Director, IIT Indore said, "The collaboration with the Ethiopian universities under Ministry of Education and Ministry of Innovation and Technology will help in collaborative research."

Joshi also emphasized the importance of successful collaboration with the Ethiopian universities and briefed about the academic programs, research areas, facilities and vision for the internationalization of the IIT Indore.

Dr Lota Tesfaye Jule, Member of Parliament, president of Dambi Dollo University, Professor Krishnaraj Ramaswamy, principal scientific advisor, Ministry of innovation and technology, Ethiopia and Professor Avinash Sonawane, Dean, International Relations at IIT Indore were present on the occasion.

IIT-Indore Organises Corporate & Industry Connect Programme

IIT Indore, in one of its own kind of initiative, organised a programme --Corporate and Industry Connect (CIC)-- on August 20. Around 36 participants from 15 major industries of Indore, Pithampur and nearby areas were invited for the event. The aim of the programme was to find common areas of research, discuss problem statements, finding economical and viable solutions and long-term association.

Director Suhas S Joshi, alumni and corporate relations dean Anand Parey and research and development dean IA Palani were also present during the sessions. The invitees were briefed on the R and D activities of the institute.

IIT Indore's 'TITLI' set to change tribals' life

Orientation programme for new PG & PhD students held

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

IIT Indore director Suhas S Joshi addresses newly admitted students during an orientation programme on Tuesday

Keeping tribal people in mind, Indian Institute of Technology Indore has started a programme named as Technological Innovations for Tribal Livelihood 'TITLI'.

"Under this programme, two new courses have been introduced titled as 'Immersion for Rural Technology Development and Design Thinking for Rural Applications'. Both these courses involve field visits to understand the needs of the rural population," said Prof Suhas S Joshi while addressing orientation programme of new PG & PhD students on Tuesday.

It was the first offline orientation programme after the spread of pandemic.

A total of 424 students in various programmes including 198 in PhD, 104 in MSc, 81 in MTech, 41 in MS (Research), have been offered admission at IIT Indore for academic year 2022-23 (Autumn Semester).

Joshi said, "Research has been one of the brightest highlights of IIT Indore. Besides having over 4,300 publications in high impact factor journals, teams of students and professors have developed over 80 technologies that are at various stages of evolution."

He added, "We are planning to establish a Translational Research Ecosystem in the Institute, where several of the in-house developed technologies can be translated to useful products for the benefit of industry and society. On the societal level, we at IIT Indore would like our students to provide technological solutions to the problems faced by the people at the bottom of the pyramid."

Joshi asked all the students to resolve to contribute to good quality research that is meaningful to someone in the society. He advised all to work together to make IIT Indore an institution that cares for all.

The students were also oriented on the academic, research & development, student affairs, training & placement, innovation & incubation, international outreach, safety & security, hostels and medical facilities, library and minority cell by the respective heads of the sections.

IIT-I inks MoU with Germany varsity to expand academic cooperation

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Indian Institute of Technology Indore (IIT-I) has signed a memorandum of understanding (MoU) with Julius-Maxmilians University Wurzburg (JMU) to establish and expand academic cooperation between the institutes.

The MoU will promote bilateral research and academic cooperation, joint programmes and student and faculty exchange, an official release said on Saturday.

The two institutes will have common areas of cooperation

The two institutes will have common areas of cooperation which include student training by coordinated training courses, exchange of students, exchange of academic staff, exchange of scientific, educational and scholarly material, exchange of information in substantive educational and research programmes, conferences and seminars and collaborate to develop special projects, including joint research and training activities.

The MoU was signed by IIT Indore director Prof Suhas S Joshi and JMU president Prof Paul Pauli in Wurzburg, Germany.

JMU is one of the oldest and largest universities in Germany, which hosts over 28,000 students.

IIT-I to help West Discom with AI, machine learning tools

West Discom officials brief the IIT Indore team about the working of smart meter system at their headquarters in the Pologround area on Thursday.

A TEAM FROM THE INSTITUTE VISITS THE POWER COMPANY, SEES SMART METER CONTROL CENTRE

OUR STAFF REPORTER
Indore

Indian Institute of Technology Indore will provide new technology to Madhya Pradesh West Zone Electricity Distribution Company, which will benefit both the company and the consumer.

A two-member team of IIT Indore led by Dr Tripti Jain visited West Discom's headquarters at Pologround on Thursday.

Jain said that the electrical engineering department of IIT will help the power company. "We will provide artificial intelligence and machine learning tools to the West Discom. A team of faculty members and the students of the institute will work together for this. This work will be very useful for both IIT and West Discom," she said.

IIT Indore team visited the specially designed hi-tech control centre for smart meters. During this, the visiting team was informed about the work of smart meter planning, technological up-gradation, consumer convenience, knowledge sharing being done about smart metering across the country, correct reading, utmost reduction in disputes after correct billing and other works.

Superintending engineer, smart meter cell, DS Chauhan and control centre in-charge Naveen Gupta presented each aspect of the development journey of Smart Meter in Indore through a power-point presentation.

The smart meter provides daily different types of data of each consumer to the power compnay. This data will be used by the power company and the Department of Energy as well as the electrical engineering department of IIT Indore.

West Discom managing director Amit Tomar said IIT Indore will shares its expertise with the West Discom, whenever need be. "We also have a member of IIT Indore on our board. The initiative of IIT will definitely prove a milestone for the energy sector," he said.

IIT-I to extend tech support to industries

IIT-I officials said the institute is working on multiple projects based on the requirements of the industries of which around 10 projects have been implemented in the auto sector and few are in the pipeline

CORPORATE AND INDUSTRY CONNECT

[illegible]

IIT Indore granted one more patent, tally reaches 20

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Indian Institute of Technology Indore has been granted one more patent, this time on "Read Recharge (RRC) based process variation tolerant 10T SRAM Cell". This takes the tally of total number of patents to 20.

The inventors, Dr Nandakishor Yadav and Prof Santosh Kumar Vishvakarma have proposed a new memory technology for reliable electronic system design.

Inventors developed a Static Random Access Memory (SRAM) bite cell, which can tolerate the fabrication process related variation for modern thin-film and nanoscale technologies. It will increase the life of electronic systems such as mobile phones and laptops.

Additionally, it will also improve the production yield of the mobile and laptop industries.

It is based on dual-gate FinFET technology, which helps find new devices with properties that fit current and future requirements, among the many proposed multi-gate transistors. As this memory technology will increase the life of the electric product, it can also be used for most reliable aerospace applications.

IITI researchers write on rocks & soil types in MP

The chapter discusses about the geotechnical details of geomaterials (soils and rocks) available in MP

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

A team of researchers from the Indian Institute of Technology of Indore has written a chapter on rocks and soil types of Madhya Pradesh. The research team, which includes Dr Lalit Borana, professor Manish Kumar Goyal and Dr Vikas Poonia, department of civil engineering, has contributed a book chapter, titled 'Madhya Pradesh'.

The chapter was written in collaboration with researchers from other institutions, including Sanjoy Bhowmik and VK Panwar of Engineers India Limited. 'Madhya Pradesh' is the 21st chapter of the book, titled 'Geotechnical Characteristics of Soils and Rocks of India', published by CRC Press London, Taylor and Francis Group. It was edited by Sanjay Kumar Shukla from the School of Engineering, Edith Cowan University, Perth, Australia.

The chapter discusses about the geotechnical details of geomaterials (soils and rocks) available in Madhya Pradesh. The borehole data from selected areas of the state have been analysed to provide a detailed idea on the underground properties of soil/rock and the existing water table. It presents the geotechnical characterisation, including the index and strength properties of the subsoil layer.

"The chapter also discusses the suitability of the existing soil as construction material and if it can withstand the potential hazards that trigger infrastructural damage. Suitable measures to counteract the possible hazards that may occur during the design/construction phase are also discussed," said a press release issued by IIT Indore.

The book presents the geotechnical details of geomaterials found in all states and Union Territories of India. It covers practical information and technical data for application to ground infrastructure projects, including the foundation of structures, highway, railway and airport pavements, embankments, retaining structures/walls, dams, reservoirs, canals and ponds, landfills and tunnels. These details are extremely useful for professionals dealing with mining, oil and gas projects and agricultural and aquacultural engineering projects.

CDGI enters into Academic Association with IIT Indore

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The Chameli Devi Group of Institutions (CDGI), on Wednesday informed about its entrance into a path-breaking agreement with the premier technology institute of India, the Indian Institute of Technology Indore (IITI). The agreement is termed the 'IIT Indore Academic Association Program'.

Under the guidance of group director Joy Banerjee, the principal of CDGI, Manish Shrivastava, signed the agreement. Professor-in-charge of industrial training and innovation & research Arvind Shrimali has been instrumental in the agreement.

Shrimali said that the students of the CDGI would get extraordinary opportunities to avail of a number of facilities at the IIT. They will be provided with internships and projects to work on at IIT. The faculty members will get an opportunity to pursue their research projects under the guidance of professors at IIT. Expert talks and lectures will be organised by the IIT professors at the CDGI.

Traffic cops seek help from IIM, IIT to smoothen traffic at 15 squares

OUR CITY REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Traffic police is seeking help from IIMI, IIT Indore, SGSITS, and other prominent institutions to discuss and resolve the issue of traffic at 15 major squares of the city. DCP (Traffic), Mahesh Chand Jain has recently written letters to these institutions asking them to contribute to their mission of traffic management.

This initiative is to make sure smooth flow of traffic at these usually busy squares. Institutions will help in traffic engineering for smoother flow of traffic in the city. Department has chosen the 15 busiest squares including those of Bombay Hospital and Super Corridor.

TRAFFIC MANAGEMENT OF 15 PROMINENT SQUARES

The list of 15 squares are Niranjanpur, Dewas Naka, Choithram, Rajeev Gandhi, IT Park, Musakhedi, Patnipura, Navlakha, Bombay Hospital, Gopur, Malwa Mill, Bada Ganpati, Super Corridor, Geeta Bhavan, and Bapat

An initiative by Free Press

Free Press recently highlighted the traffic problem in IT Park Square. Problems along with reasons were discussed and a likely solution was provided to readers.

संस्थान के कार्यक्रम एवं समारोह

13 अप्रैल 2022 को 'कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा' पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजितः

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, एक बहुत ही विविध आबादी वाला स्थल है, जिसमें सभी तीन स्तरों पर हर तरीके के लोग शामिल हैं, यानी, छात्र, संकाय सदस्य और गैर–संकाय सदस्य। इस प्रकार, और जैसा कि कानून और विभिन्न दिशानिर्देशों द्वारा अनिवार्य है, संस्थान को महिलाओं के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करना होगा। एक अनुकूल कार्य परिवेश हमेशा कार्यप्रदर्शन को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कारक होता है।

इसे प्राप्त करने की एक पहल के रूप में, इस क्षेत्र की विशेषज्ञ एडवोकेट भावना त्रिपाठी को 13 अप्रैल 2022 को एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थान में आमंत्रित किया गया था। एडवोकेट त्रिपाठी विभिन्न राज्य सरकार विभागों, एनआईडी भोपाल, टीसीएस और कई अन्य में आंतरिक शिकायत समिति की सदस्या हैं। इस अवसर पर, लक्षित दर्शक के रूप में आंतरिक शिकायत समिति, महिला प्रकोष्ठ के सदस्य और संबंधित विभागों के अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आईआईटी इंदौर ने भारतीय भाषाओं के प्रचार–प्रसार पर एक विचार–मंथन सत्र का आयोजन कियाः

आईआईटी इंदौर ने 3 मई, 2022 को भारतीय भाषाओं के प्रचार–प्रसार पर एक विचार–मंथन सत्र की मेजबानी की। सत्र का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार एवं श्री सुरेश सोनी ने किया। इस दौरान, श्री धर्मेंद्र प्रधान इंदौर के दो दिवसीय दौरे पर थे और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने उनका भव्य स्वागत किया। इस विचार–मंथन सत्र में शिक्षा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

विचार–मंथन सत्र में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए आगे का रास्ता तलाशा गया। दिन का उत्तरार्ध एनईपी 2020 को लागू करने में भाषा संस्थानों की भूमिका पर चर्चा करने में व्यतीत हुआ। माननीय शिक्षा मंत्री ने आईआईटी इंदौर के इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। यह 4,257 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया गया है, जिसमें 06 बैडमिंटन कोर्ट, 02 बास्केटबॉल कोर्ट, 580 की क्षमता वाली इनडोर गैलरी, एक जिम, 03 स्क्वैश कोर्ट और ओलंपिक आकार (50 • 25 वर्ग मीटर) का एक स्विमिंग पूल है जिसमें 288 क्षमता वाली एक व्यूइंग गैलरी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून 2022 को, ''योग से सहयोग'' के मंत्र का पालन करते हुए, आईआईटी इंदौर ने 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओमानंद गुरुजी ने किया। डॉ. ओमानंद अपनी पूरी शिक्षा के दौरान मेधावी छात्र रहे और उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित हिंदू विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में, वह परमानंद यूनिवर्सिटी ट्रस्ट और परमानंद इंस्टीट्यूट ऑफ योग साइंसेज एंड रिसर्च के मानद संरक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उनके छात्रों ने संस्थान में आकर आईआईटी इंदौर परिवार के समक्ष विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की बड़ी भागीदारी देखी गई। अभ्युदय की पहल के तहत, आईआईटी इंदौर ने 20 मई से 20 जून, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया।

इसमें योग प्रश्नोत्तरी और योग निबंध प्रतियोगिता का आयोजन शामिल था।

1. 13 जून – निबंध प्रतियोगिता (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व कार्यक्रम)
2. 19 जून – योग पर प्रश्नोत्तरी
3. 19 जून – योग प्रतियोगिता
4. 21 जून – 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव – 2022
5. प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ डॉ. ओमानंद गुरुजी के मार्गदर्शन में योग सत्र।
6. श्रमदान (आईआईटीआई परिसर में अमृत सरोवर स्थल की खुदाई में स्वैच्छिक योगदान)
7. आईआईटीआई परिसर में वृक्षारोपण अभियान।

आईआईटी इंदौर में नए स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम:

आईआईटी इंदौर ने 26 जुलाई, 2022 को नए स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया। यह कोविड महामारी के फैलने के बाद पहला ऑफ़लाइन, व्यक्तिगत ओरिएंटेशन कार्यक्रम था। शैक्षणिक वर्ष 2022–23 (ऑटम सेमेस्टर) के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 424 छात्रों, यानी पीएचडी में 198, एमएससी में 104, एमटेक में 81 और एमएस (रिसर्च) में 41 ने आईआईटी इंदौर में दाखिला लिया है। निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने सभी नए शामिल छात्रों को बधाई दी और आईआईटीआई परिवार को संबोधित किया।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का आईआईटी इंदौर परिसर में दौराः

4 अगस्त 2022 को आईआईटी इंदौर ने अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस), भारत के सहयोग से ग्लोबल बीपी एसटीईएम अकादमिक कार्यक्रम के तहत यूएसए, यूके, जर्मनी, ब्राजील, बेल्जियम, मैक्सिको, मिस्र, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अज़रबैजान तथा दक्षिण अफ्रीका सहित 10 विभिन्न देशों के 32 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के एक समूह की मेजबानी की। इस यात्रा का समन्वय एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर द्वारा किया गया था, जो 2012 से इंदौर चौप्टर (एमपी) इंडिया के तहत एएफएस का सक्रिय सदस्य रहा है। एएफएस एक अंतरराष्ट्रीय, स्वैच्छिक, गैर–सरकारी, गैर–लाभकारी संगठन है जो लोगों को अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और समझ विकसित करने में मदद करने के लिए अंतर–सांस्कृतिक अध्ययन के अवसर प्रदान करता है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने स्वागत भाषण दिया और प्रौद्योगिकी के महत्व तथा मानवता के लिए इसके अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतिथि छात्रों को प्राचीन काल में शिक्षा के प्रसिद्ध केंद्र रहे नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों में प्रदान की जाने वाली भारतीय शिक्षा प्रणाली के अतीत के गौरव और विरासत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पर समान ध्यान देने का भी आग्रह किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 14–28 सितम्बर के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया गया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2022 के दौरान हिंदी पखवाड़ा – 2022 का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर को संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हिंदी पखवाड़ा – 2022 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में अधिष्ठाता (प्रशासन) प्रोफेसर प्रीति शर्मा, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार, कुलसचिव श्री एस पी होता, संयुक्त कुलसचिव श्री प्रदीप अग्रवाल, सहायक कुलसचिव (प्रशासन) श्री सुरेशचंद्र ठाकुर एवं अन्य अधिकारीगण के साथ–साथ बड़ी संख्या में छात्रगण, संकाय सदस्य तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने अपने सम्बोधन में हिंदी के महत्व को रेखांकित किया। कुलसचिव महोदय द्वारा हिंदी भाषा की उपयोगिता एवं प्रचार पर प्रकाश डाला गया। हिंदी पखवाड़ा – 2022 के अंतर्गत संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगता तथा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की लिखित परीक्षा करवाई गई। सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के छात्रगण, संकाय सदस्य तथा कर्मचारियों की उत्‍कृष्ट सहभागिता रही तथा चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अंततः हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन दिनांक 28 सितंबर को हुआ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया

संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 10 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के पुस्तकालय (विद्यार्जन संसाधन केंद्र) में हुआ। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव श्री एस पी होता, राजभाषा समिति के संयोजक प्रोफेसर राजेश कुमार, डॉ. शरद गुप्ता, संयुक्त कुलसचिव श्री प्रदीप अग्रवाल, सहायक कुलसचिव (प्रशासन) श्री सुरेशचंद्र ठाकुर एवं अन्य अधिकारीगण, छात्रगण, संकाय सदस्य तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर हिंदी की महत्ता पर ध्यान आकर्षित करते हुए नववर्ष 2023 के हिंदी संस्करण वाले केलेंडर का विमोचन किया गया। साथ ही, विश्व भर में हिंदी भाषा का प्रचार–प्रसार हो सके, इसलिए संस्थान के कई संकाय सदस्यों, छात्र/छात्राओं एवं कर्मचारियों ने कविता, भाषण आदि की प्रस्तुति दी। अंत में, इस कार्यक्रम का समापन लोगों के बीच भेंट के रूप में नववर्ष – 2023 के केलेंडर का वितरण करके किया गया।

आईआईटी इंदौर ने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया:

14 नवंबर, 2022 को बाल दिवस और मधुमेह दिवस पर, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी), आईआईटी इंदौर की टीम ने छात्रों और ग्रामीणों के लिए सरकारी स्कूल, सिमरोल में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर लोगों की आँखों, हड्डियों और रीढ़ की जाँच पर केंद्रित था। 200 से अधिक लोग जाँच के लिए आए और शिविर सुविधाओं का लाभ उठाया। टीम ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित कई चिकित्सा योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उन्हें किसी भी इलाज के लिए सरकार से संबद्ध अस्पताल से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ईबीएसबी के संयोजक डॉ. नीरज कुमार शुक्ला ने कहा, "आईआईटी इंदौर उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए हमारे पाँच गांवों के लिए लगातार कई जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित कर रहा है। इस बार, हमने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, इंदौर के डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. टीन गुप्ता और डॉ. ऋषि गुप्ता की देखरेख में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया।

76वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न:

आईआईटी इंदौर ने 76वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उमंग और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया।

शिक्षक दिवस 2022 का उत्सवः

आईआईटी इंदौर ने 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर, प्रोफ़ेसर दीपक बी. फाटक, अध्यक्ष, शासी मंडल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो कि संस्थान पुरस्कार वितरण के बाद इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल हुए।

आईआईटी इंदौर ने मनाई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंतीः

आईआईटी इंदौर ने संस्थान में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। इसके अवसर पर, कार्यक्रम सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित किया गया था और यह संस्थान की ग्रामीण संपर्क गतिविधियों की दिशा में एक प्रयास था, ताकि स्थानीय और ग्रामीण लोगों को अपने उत्पादों, कौशल और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके।

कार्यक्रम में निदेशक प्रोफ़ेसर सुहास एस जोशी उपस्थित थे और साथ ही, ग्रामीण उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए दस से अधिक स्टॉल भी लगाए गए थे। इसमें खाद्य स्टॉल, सूती कपड़े, हस्तशिल्प, खिलौने, मिट्टी की वस्तुएँ, जैविक उत्पाद आदि के स्टॉल भी शामिल थे। गांधीवादी विचारों एवं हरित तथा सतत पहल पर पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया था। सीआरडीटी के छात्रों ने केंद्र द्वारा संचालित गतिविधियों को दर्शाने वाले स्टॉल भी लगाए।

संस्थान का 10वां दीक्षांत समारोहः

आईआईटी इंदौर ने 13 अगस्त, 2022 को अपना 10वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भारत सरकार के पूर्व सचिव, पद्म विभूषण डॉ. अनिल काकोडकर मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित हुए। शासी मंडल के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर दीपक बी. फाटक ने समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत समारोह के दौरान निदेशक प्रोफ़ेसर सुहास एस. जोशी और अन्य सीनेट सदस्य उपस्थित थे। इस दीक्षांत समारोह में कुल 490 छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त की, जिसमें 269 बीटेक, 61 पीएचडी, 88 एमएससी, 65 एमटेक और 07 एमएस (रिसर्च) छात्र शामिल थे।

आईआईटी इंदौर में मेडी.कैप्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का दौराः 16 सितंबर, 2022

आईआईटी इंदौर की टीम ने 6 सितंबर 2022 को स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए ग्रामीण अस्पताल और स्कूल का दौरा किया।

Free Press (Indore), 08th September 2022, Page – 02

IIT-I team visits gramin hospital school to teach swachhata lesson

OUR STAFF REPORTER

As part of the activities under 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' (EBSB), an IIT Indore team visited a gramin hospital and school of Baigaon village on Tuesday to spread awareness on swachhata and precautions to contain the spread of diseases.

The team, comprising Dr Niraj Kumar Shukla, Dr Shilpa Raut, Suresh Chandra Thakur and Meenaxi Sen, interacted with the patients and villagers. They were made aware of the importance of the Indian culture of swachhata with respect to the current scenario and were also informed of the many government schemes for medical facilities. Jyoti Lovelesh Meena, sarpanch of Baigaon village, was also present and discussed the possibility of working together for the development of society and village.

During the visit to the school of Baigaon village which is one of the villages adopted by IIT Indore, the students, teachers and staff were apprised of proper utilisation of dustbins and first-aid kits. Oximeters, writing material, sports gear, stationery and so forth were distributed by IIT Indore. The first aid kit will help the school monitor the health of students and teachers and create a conducive environment for academic and co-curricular activities.

Shukla said, "The EBSB team of IIT Indore has been regularly conducting online and offline activities to popularise mathematics and science among students. The team will soon visit this school with IIT Indore's professors and students to explain various concepts of mathematics and science to the students and teachers."

आईआईटी इंदौर ने 10 और 11 सितंबर, 2022 के दौरान अपनी संस्कृति–विविधता में एकता मनाया।

आईआईटी इंदौर की ईबीएसबी गतिविधियों के तहत,
इंदौर जिले के 30 सरकारी स्कूलों के 300 से अधिक छात्रों ने
04 नवंबर, 2022 को आईआईटी इंदौर के परिसर का दौरा किया।

गणतंत्र दिवस 2023: आईआईटी इंदौर ने 74वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया और कई संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया।

आईआईटी इंदौर के 14वें स्थापना दिवस का जश्न: आईआईटी इंदौर ने 17 फरवरी, 2023 को अपना 14वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें शासी मंडल के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक भास्कर फाटक मुख्य अतिथि थे। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने एक प्रेरक भाषण के साथ आईआईटी समुदाय का स्वागत किया।

प्रोफेसर जोशी ने आईआईटी इंदौर को विकसित करने के लिए संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और कर्मचारी सदस्यों के संयुक्त प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और राष्ट्र निर्माण में अनुसंधान के महत्व को भी समझाया। उन्होंने नवाचार और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए ट्रांसलेशनल रिसर्च इकोसिस्टम विकसित करने के लिए आईआईटी इंदौर द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और कर्मचारी सदस्यों के लिए संस्थान पुरस्कार मुख्य अतिथि, प्रोफेसर दीपक भास्कर फाटक, अध्यक्ष, शासी मंडल, द्वारा एक प्रेरक स्थापना दिवस भाषण के साथ वितरित किए गए।

विश्व पुस्तक मेला 2023 में एनईपी पवेलियन में आईआईटी इंदौर की भागीदारी:

आईआईटी इंदौर ने 25 फरवरी 2023 से 05 मार्च 2023 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित एनबीटी विश्व पुस्तक मेला 2023 में भाग लिया। इस अवसर पर, संकाय सदस्यों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को प्रदर्शित करने और शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों, प्रौद्योगिकियों, पेटेंट, पुरस्कार और उपलब्धियों और विभिन्न क्षेत्रों में आउटरीच गतिविधियों पर पोस्टर प्रदर्शित करने के लिए संस्थान को एक स्टॉल आवंटित किया गया था।

28 फरवरी 2023 को आईआईटी इंदौर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया:

भौतिकी और रसायन शास्त्र विभाग की आउटरीच टीमों ने 28 फरवरी को आईआईटी इंदौर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर, प्रोफेसर सरिता विग (आईआईएसटी) अतिथि वक्ता थीं। इस कार्यक्रम में कई संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों, स्नातकोत्तर छात्रों, कर्मचारी सदस्यों, स्कूली बच्चों एवं उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, सिमरोल से आए विशिष्ट अतिथि ने भाग लिया। अपने संबोधन के दौरान प्रोफेसर जोशी ने छात्रों और स्कूली बच्चों को विज्ञान के प्रति गहरी रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्कूली बच्चों से सर सी.वी. रमन, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. होमी जहांगीर भाभा और डॉ. जगदीश चंद्र बोस जैसे प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान का अध्ययन करने और उनके जीवन एवं अनुसंधान कौशल का अनुकरण करने का आह्वान किया। इसके बाद, संस्थान सेमिनार और आउटरीच समिति के संयोजक प्रोफेसर रघुनाथ साहु, डॉ. पंकज सगदेव, भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर बिश्वरूप पाठक, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र ने प्रेरणा भरे शब्द बोले।

एक भारत श्रेष्ठ भारत–युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत 20 से 26 मार्च 2023 तक मणिपुर के युवा प्रतिनिधियों का दौरा:

युवा संगम के तहत, उत्तर–पूर्वी राज्यों और शेष भारत के युवाओं के बीच लोगों के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने एवं संवेदना पैदा करने के उद्देश्य से भारत सरकार की एक पहल, आईआईटी इंदौर ने 20 से 26 मार्च 2023 तक मणिपुर के लगभग 35 युवा प्रतिनिधियों की मेजबानी की। इन प्रतिनिधियों के पूरे दौरे की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी और यात्रा कार्यक्रम उन्हें पर्यटन (पर्यटन), परंपरा (परंपरा), प्रगति (विकास), प्रौद्योगिकी (प्रौद्योगिकी) और परस्पर संपर्क (लोगों से लोगों का जुड़ाव) का बहुआयामी अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

17 मार्च 2023 को आईआईटी इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

संयुक्त राष्ट्र द्वारा तय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का पालन करते हुए 17 मार्च 2023 को आईआईटी इंदौर में महिला प्रकोष्ठ और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज (INYAS) के सहयोग से ''डिजिटल, नवाचार तथा लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी" की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस विषय को लैंगिक समानता हासिल करने के लिए महिलाओं और लड़कियों के लिए समावेशी तथा परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल शिक्षा की आवश्यकता के साथ जोड़ा गया था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में प्रशासन अनुभाग के अधिष्ठाता प्रोफेसर संदीप चौधरी, आईआईटी इंदौर के छात्र, कर्मचारी, संकाय सदस्य और सिमरोल स्कूल के बच्चे शामिल थे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, निदेशक, प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने आईआईटी इंदौर की महिला छात्रों और कर्मचारियों को आँकड़े प्रदान किए और स्कूली छात्रों को देवी अहिल्याबाई होल्कर का उदाहरण देकर अपनी शिक्षा जारी रखने और अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता की ऊँचाई हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रोफेसर संदीप चौधरी ने विद्यार्थियों को साहसी बनने के लिए प्रेरित किया।

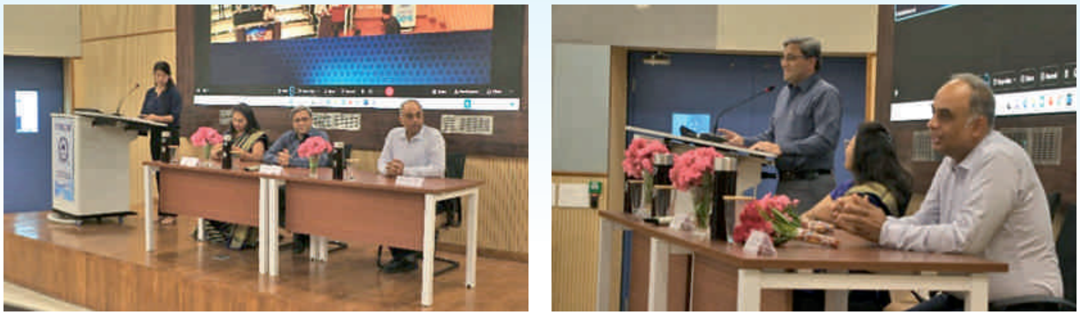

निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी सहित संस्थान के अन्य गणमान्य व्यक्ति

संस्थान के गणमान्य व्यक्तियों के भाषण के बाद, शिक्षा जगत, उद्योग, संयुक्त राष्ट्र महिला तथा महिला एवं बाल विभाग क्षेत्र से आमंत्रित वक्ताओं ने कई विषयों पर प्रेरित करने और जागरूकता प्रदान करने के लिए वार्ता की एक श्रृंखला प्रदान की। वक्ताओं में ''कैंप इंडिया एडवेंचर्स'' के संस्थापक और निदेशक श्री गौरव शर्मा थे, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के अपने अनुभव को साझा किया और पंजाब विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. निशिमा वांगू ने भारतीय महिला वैज्ञानिकों तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के बारे में बात की।

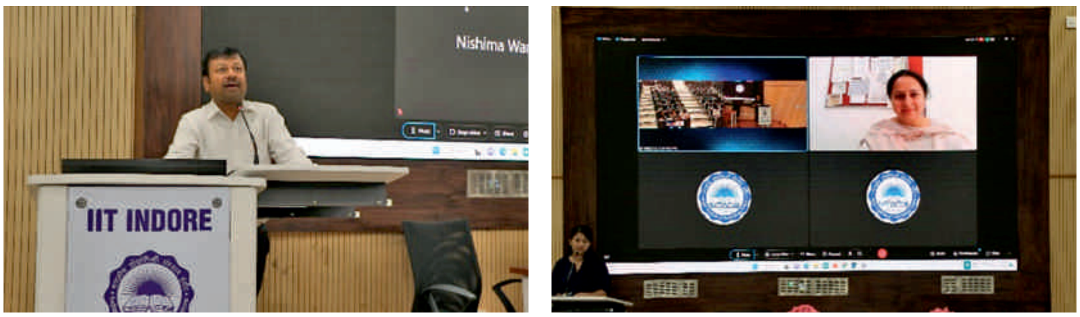

चित्र 3. श्री गौरव शर्मा (बाएं) और डॉ. निशिमा वांगू (दाएं)

मध्य प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग से डॉ. सविता जैन ने महिला सशक्तिकरण पर बात की और लैंगिक समानता प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों और पहलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

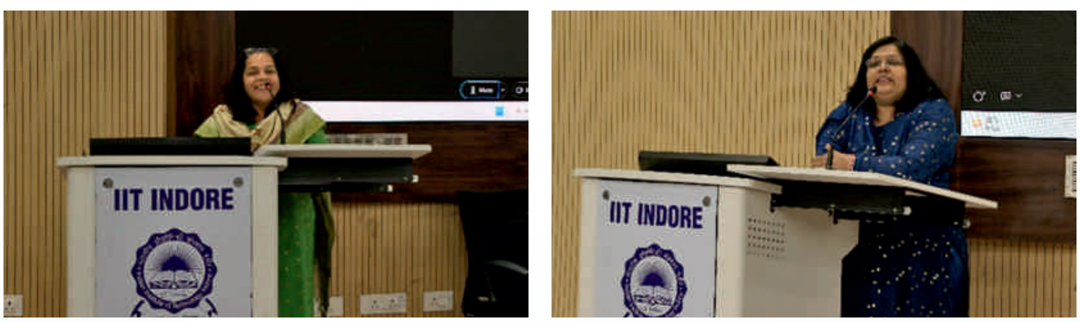

चित्र 4. डॉ. सविता जैन (बाएँ) और डॉ. वंचना सिंह परिहार (दाएँ)

मध्य प्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग में सेफ सिटी कार्यक्रम की डॉ. वंचना सिंह परिहार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध और उनकी सुरक्षा के लिए समुदाय में जागरूकता तथा क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए हिंसा, सुरक्षा, अधिकार और कानूनों पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। इस आयोजन से पहले, महिला प्रकोष्ठ ने 7 मार्च से शुरू होने वाले कई कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें संकाय सदस्य, कर्मचारियों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को सन–कोट वितरित किए गए और एक नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाई गई। स्वच्छ भारत पहल की दिशा में आईआईटी इंदौर गेट के पास एक मोबाइल शौचालय का भी उद्घाटन किया गया। तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव, ''फ्लक्सस'' के साथ मिलकर, INYAS के साथ महिला प्रकोष्ठ ने महिला सशक्तिकरण के विषय पर पोस्टर और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों को समाज, विज्ञान, उनके संघर्षों और उपलब्धियों में महिलाओं की भूमिका पर विचार करने का मौका दिया।

चित्र 5. पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और फ्लक्सस में प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए पोस्टर।

संस्थान की आउटरीच गतिविधियों में योगदान देने और स्थानीय समुदाय का समर्थन करने के लिए, आईआईटी इंदौर के महिला प्रकोष्ठ ने 16 मार्च को सिमरोल गाँव में आईआईटी इंदौर के पास एक स्कूल में एक पोस्टर–मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में विद्यालय के 9वीं कक्षा के लगभग 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

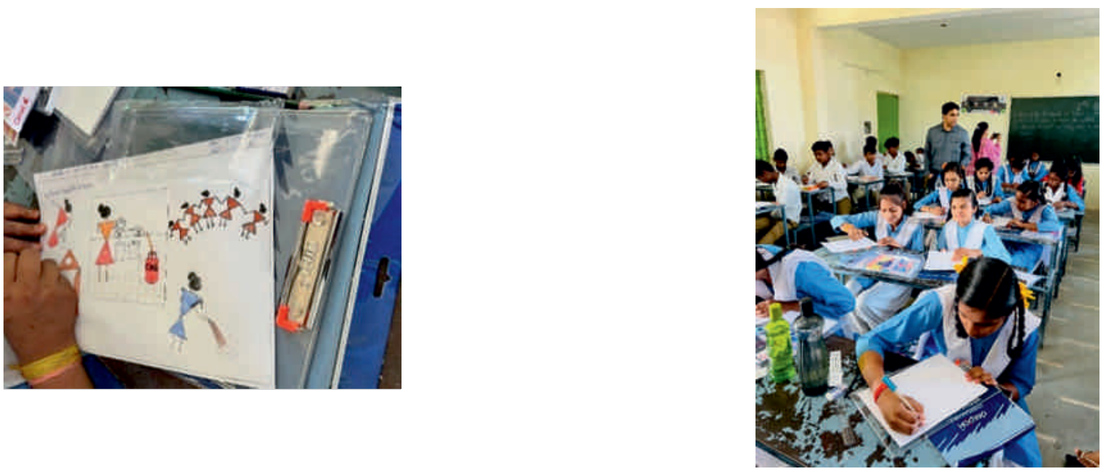

चित्र 6. सिमरोल गांव के स्कूल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता।

चित्र 7. विशेषज्ञों और कार्यक्रम आयोजकों के साथ स्कूल प्रतिभागियों का एक समूह चित्र।

संस्थान की सुविधाएँ

विद्यार्जन संसाधन केंद्र

विद्यार्जन संसाधन केंद्र (एलआरसी) परिसर में संस्थान के विद्यार्जन, शिक्षण, अनुसंधान तथा अन्य विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। उपयुक्त तकनीकों का उपयोग करते हुए, पुस्तकालय सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने, आजीवन सीखने को बढ़ावा देने और विद्वान समुदाय के लिए उत्पादक परिवेश बनाने के लिए संसाधन प्रदान करता है।

चित्र 1. लर्निंग रिसोर्स सेंटर (एलआरसी) भवन

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय प्रिंट एवं डिजिटल प्रारूपों में अपने संग्रह का निर्माण और विस्तार करना जारी रखता है। इनमें शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए सभी प्रासंगिक विषयों की पुस्तकें शामिल हैं। एलआरसी उपयोगकर्ताओं के खाली समय में और मनोरंजन हेतु पढ़ने की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कथा, साहित्य एवं सामान्य रुचि वाली पुस्तकों जैसे वर्तमान घटनाओं, खेल आदि का एक अच्छा संग्रह रखता है। गांधीवादी अध्ययन संग्रह, हिंदी संग्रह, बच्चों की किताबों का संग्रह और मातृभाषा संग्रह जैसे विशेष संग्रह एलआरसी में गौरवपूर्ण स्थान रखते हैं। 20 जून 2023 तक मुद्रित पुस्तकों की कुल संख्या 39,960 से अधिक है और ई–पुस्तकें 8,050 से अधिक हैं।

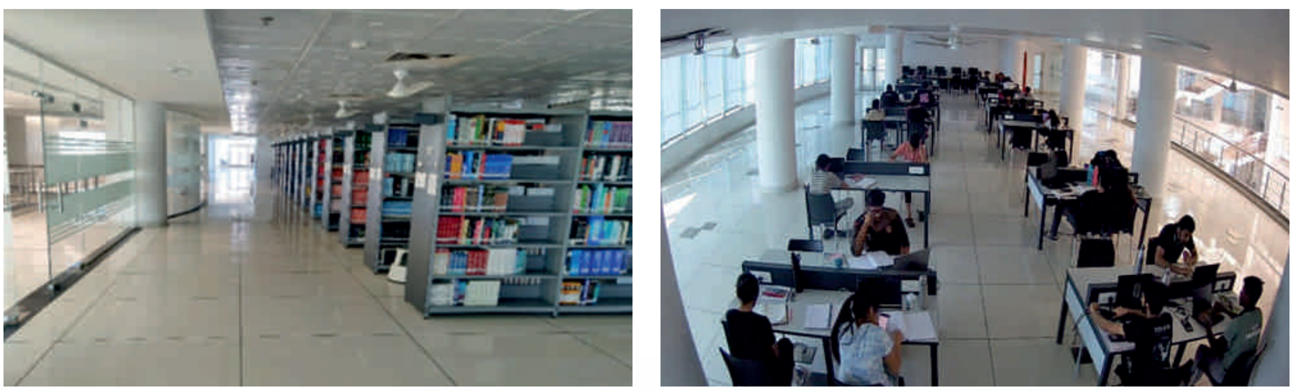

चित्र 2. मुख्य ढेर क्षेत्र और वाचनालय

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

सूचना क्रांति की आज की दुनिया में, इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों तक पहुँच आवश्यक है, खासकर शैक्षणिक माहौल में। वर्ष 2023 के दौरान, एलआरसी ने 2,760 से अधिक ई–जर्नल्स और 08 डेटाबेस की सदस्यता ली है और उन तक पहुँच प्रदान की है। कुछ प्रमुख सदस्यता प्राप्त ई–संसाधन इस प्रकार हैंः साइंस डायरेक्ट (5 विषय संग्रह); टेलर एंड फ्रांसिस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी पैकेज)' अमेरिकन केमिकल सोसाइटी; एएससीई; रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री; आईईईई / आईईटी इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी; एसआईएएम; साइंसफाइंडर–एन, स्कोपस; इंडियास्टेट; सीएमआईई प्रोवेस; सीएसडी एंटरप्राइज कैंपस; ग्रामरली; टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो; आदि।

इसके अलावा, ई–शोधसिंधु कंसोर्टियम के सदस्य के रूप में, आईआईटीआई शैक्षणिक समुदाय को 5,230 से अधिक ई–जर्नल्स और कुछ डेटाबेस तक पहुँच मिल रही है।

उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए हाइपरलिंक के साथ ई–संसाधनों की पूरी सूची एलआरसी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संस्थागत रिपॉजिटरी

लाइब्रेरी ने व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले ओपन सोर्स डीस्पेस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों के रचनात्मक एवं विद्वतापूर्ण कार्यों तथा अनुसंधान को एकत्र करने, संरक्षित करने, व्यवस्थित करने और उन तक पहुँच प्रदान करने के लिए एक संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (http://dspace-iiti-ac-in:8080/jspui/) बनाई है। इस रिपॉजिटरी के निम्नलिखित संग्रहों में 10,690 से अधिक आइटम शामिल हैं: आईआईटीआई स्कॉलरली प्रकाशन (शोध लेख और किताबें); थीसिस एवं निबंध; बी.टेक प्रोजेक्ट; डिजिटल मानविकी लैब; समाचार पत्र की क्लिपिंग; दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए संसाधन (ऑडियो व्याख्यान); वार्षिक रिपोर्ट; दीक्षांत समारोह रिपोर्ट'; आदि।

सर्कुलेशन एवं संदर्भ सेवा

लाइब्रेरी सर्कुलेशन सेवा कोहा–आईएलएमएस (ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयर) का उपयोग करके स्वचालित की जाती है और आरएफआईडी प्रणाली के साथ एकीकृत की जाती है। उपयोगकर्ता आरएफआईडी स्व–सेवा कियोस्क के माध्यम से लोन आइटम जारी कर सकते हैं और उसे वापस कर सकते हैं। जुलाई 2022 से जून 2023 तक, रूम पर अध्ययन के लिए सभी श्रेणियों के उपयोगकर्ताओं को 25,063 दस्तावेज़ जारी/नवीनीकरण किए गए। उपयोगकर्ता श्रेणी–वार संचलन डेटा नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है:

	बीटेक	एमटेक	एम एससी	एमएस रिसर्च	पीएचडी और रिसर्च एसोसिएट	संकाय	अन्य
गृह अध्ययन के लिए दस्तावेज़ वितरित किये गये	14431	1155	3550	254	3002	1826	845

पुस्तकालय संदर्भ, नई पुस्तकें जोड़ना, नए छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, अंतर–पुस्तकालय लोन, विषय गाइड, ई–संसाधनों के लिए प्रशिक्षण सत्र कार्यक्रम, विभिन्न पुस्तकालय सेवाओं के लिए क्यूआर कोड और आईआरआईएनएस पोर्टल, आदि के माध्यम से संकाय प्रोफ़ाइल प्रबंधन जैसी उपयोगकर्ता सेवाएँ भी प्रदान करता है।

दस्तावेज़ वितरण सेवा पोर्टल

एलआरसी अपने संग्रह में नहीं रखे गए शोध लेखों को विभिन्न स्रोतों से प्राप्त करने की व्यवस्था करता है। यह सेवा कॉपीराइट कानूनों की सीमा के भीतर संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों एवं कर्मचारियों को शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए प्रदान की जा रही है। इस सेवा को सुव्यवस्थित करने के लिए, एलआरसी ने ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके एक दस्तावेज़ वितरण सेवा पोर्टल विकसित किया है। इसे लाइब्रेरी वेबसाइट पर http://library-iiti-ac-in/\page&id=2988 पर देखा जा सकता है। जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के दौरान, अन्य संस्थानों के पुस्तकालयों से कुल 790 से अधिक शोध लेख व्यवस्थित किए गए और आईआईटीआई उपयोगकर्ताओं को प्रदान किए गए।

मातृभाषा संग्रह

पुस्तकालय का यह मातृभाषा संग्रह अनुभाग आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी द्वारा आईआईटीआई परिवार को समर्पित किया गया था। आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों द्वारा 8 भारतीय भाषाओं (अर्थात् संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, उड़िया, मराठी, बंगाली, गुजराती एवं हिंदी) में 800 से अधिक पुस्तकें दान की गई हैं।

स्वाध्याय

नए एलआरसी भवन के लिए पढ़ने के विभिन्न स्थानों और अन्य सुविधाओं का निर्माण एवं विकास प्रक्रियाधीन है। स्वाध्याय (सेल्फ स्टडी स्पेस) अपने उपयोगकर्ताओं को स्व–अध्ययन के लिए अनुकूल परिवेश प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह स्थान मुख्य एलआरसी भवन से अलग है और 24x7 खुला रहता है।

चित्र 3. स्वाध्याय (स्व–अध्ययन स्थान)

स्वास्थ्य केंद्र

सुविधाएँ–

स्वास्थ्य केंद्र छात्रों, अनुसंधान कर्मचारियों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों वाले संस्थान परिवार को समर्पित सेवाएँ प्रदान करता है। इसमें छोटी–मोटी बीमारियों के लिए आउटपेशेंट, डे केयर और इन–पेशेंट सुविधा है। आपातकालीन सेवाएँ 24x7 उपलब्ध हैं। यह अच्छी तरह से सुसज्जित फिजियोथेरेपी सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है।

डायग्नोस्टिक सेवाएं–

इन–हाउस डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला सुविधा और एक्स–रे सुविधा व्यापक देखभाल में मदद करती है। बाल चिकित्सा टीकाकरण का कार्य साप्ताहिक आधार पर किया जाता है। स्वास्थ्य केंद्र टीम ईसीजी और जीआरबीएस जैसी रैपिड जाँच सहित आवश्यक जाँच सुविधा प्रदान करती है।

विशेषज्ञ परामर्श सुविधाएँ– दंत चिकित्सा, ईएनटी, चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग, मनोचिकित्सा, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग, कार्डियोलॉजी मामलों के लिए विशेषज्ञ परामर्श सेवाएँ उपलब्ध हैं। समुदाय के सदस्यों को लघु दंत प्रक्रियाएँ, प्रसवपूर्व अनुवर्ती कार्रवाई, लघु ईएनटी प्रक्रिया जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

उच्च जाँच एवं प्रबंधन की आवश्यकता वाले मामलों को सूचीबद्ध अस्पतालों में भेजा जाता है।

स्वास्थ्य केंद्र वर्ष 2022–2023 का संख्यात्मक डेटा

कुल ओपीडी	-	13,917
कुल डे केयर और आईपीडी	-	722
आपातकाल और आघात	-	348
ईसीजी, जीआरबीएस जैसी घरेलू जांच	-	723
ओपीडी समय के बाद मामूली आपात स्थिति	-	2974
संपूर्ण फिजियोथेरेपी	-	1983

अन्य गतिविधियों–

1) 10 सितंबर, 2022 को स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण पर एक सत्र आयोजित किया गया था।
2) 17 फरवरी 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
3) बी.टेक छात्रों के लिए उनके 3 दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र 'जेनेसिस' के दौरान बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग सत्र आयोजित किया गया था।
4) 30 मई 2023 को ओरल पोलियो टीकाकरण का आयोजन किया गया।
5) नर्सरी से 12वीं कक्षा तक केवी के छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जाँच वर्ष में दो बार की जाती है।

केंद्रीय कार्यशाला

केंद्रीय कार्यशाला, आईआईटी इंदौर, निर्धारण वर्ष 2011–2012 के दौरान स्थापित की गई थी और इसमें 10000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र शामिल था। यह संस्थान की अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों के निर्माण कार्यों का समर्थन करने के लिए प्रयोगशाला कक्षाओं के लिए आधुनिक अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा, केंद्रीय कार्यशाला में विकसित अत्याधुनिक सुविधाएँ भी अनुसंधान विद्वानों को नवीन और अत्याधुनिक शोध करने के लिए प्रदान की जाती हैं। इसमें कुशल और उच्च कुशल परिचालन कर्मचारियों की एक टीम के साथ सात वर्कशॉप हैं, मशीनिंग, वेल्डिंग, फॉर्मिंग, फाउंड्री, इंजेक्शन मोल्डिंग, फिटिंग एवं कारपेंटरी। कार्यशाला में टर्निंग, मिलिंग, ड्रिलिंग, सरफेस ग्राइडिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, शीट शीयरिंग, बंडिंग, ड्रॉइंग, वायर ड्रॉइंग, निबलिंग, आर्क वेल्डिंग, एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग, टीआईजी वेल्डिंग, गैस वेल्डिंग, प्लाज्मा के लिए 54 से अधिक मशीनें /एयर कटिंग, इंडक्शन हीटिंग, मेटल कास्टिंग, फिटिंग एवं कारपेंटरी से संबंधित निर्माण कार्य उपकरण हैं।

कार्यशाला में कटिंग फोर्स डायनेमोमीटर और सरफेस रफनेस माप की सुविधा भी है। इसकी स्थापना सरल यांत्रिक घटकों के उत्पादन और निर्माण में छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए की गई थी। यह कार्यस्थल पर मशीन टूल्स एवं कंप्यूटर का उपयोग करने वाला एक छोटा, प्रभावी और सफल कार्य मॉडल है। छात्रों को वर्तमान में वाणिज्यिक विनिर्माण और असेंबली प्रक्रियाओं में उपयोग की जाने वाली विभिन्न विनिर्माण विधियों, सामग्रियों और घटकों, प्रक्रियाओं एवं सॉफ़्टवेयर कार्यक्रमों से अवगत कराया जाता है। यह छात्रों को इंजीनियर बनाने में बहुत मददगार है। इसके अलावा, केंद्रीय कार्यशाला में विकसित अत्याधुनिक सुविधाएँ भी शोध विद्वानों को नवीन और अत्याधुनिक शोध करने के लिए प्रदान की जाती हैं।

केंद्रीय कार्यशाला बुनियादी विनिर्माण तकनीक प्रयोगशाला (आईसी–156), विनिर्माण प्रक्रिया प्रयोगशाला (एमई–258) और मशीनिंग साइंस एवं मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला (एमई–355) में व्यावहारिक कक्षाएँ चलाती है। कोविड–19 महामारी के दौरान, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सभी प्रयोगशाला प्रयोग ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए।

संकाय प्रभारी, केंद्रीय कार्यशाला– डॉ. डैन सथियाराज

सहायक प्रोफेसर workshopincharge\iiti-ac-in

शोध में रुचि:

- मध्यम से उच्च एन्ट्रापी मिश्र धातु
- पुनः क्रिस्टलीकरण एवं अनाज वृद्धि अध्ययन
- भूतल संशोधन इंजीनियरिंग (एसएमएटी, लेजर शॉट–पीनिंग, आदि)
- गंभीर प्लास्टिक विरूपण (एसपीडी)
- एमईए और एचईए की माइक्रो, नैनोमशीनिंग
- यांत्रिक एवं कार्यात्मक संपत्ति का अध्ययन

वर्ष 2021–2022 के दौरान गतिविधियाँ

इस वर्ष, केंद्रीय कार्यशाला ने व्यावहारिक कक्षाओं के लिए और अनुसंधान कार्य का समर्थन करने के लिए एक मफल फर्नेस सुविधा और हैंडहेल्ड सरफेस रफनेस मूल्यांकन सुविधा शुरू की। वर्ष के दौरान, लेथ मशीनों और टीआईजी वेल्डिंग मशीनों के सेवा संबंधी कार्य भी पूरे किये गये।

2021–2022 के दौरान, केंद्रीय कार्यशाला को पीजी अनुसंधान, बीटीपी, प्रायोजित परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए 114 कार्य अनुरोध प्राप्त हुए। इसी प्रकार, विभिन्न श्रेणियों के लिए कार्य अनुरोधों का वितरण चित्र में दिखाया गया है।

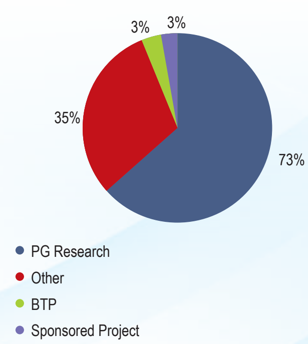

कुछ कार्य अनुरोधों की तस्वीरें इस प्रकार हैं

निर्मित 30 फीट लंबाई वाली लकड़ी की पवन सुरंग

निर्मित जल चैनल

जॉमिनी क्वेंच सेटअप के लिए फिक्स्चर

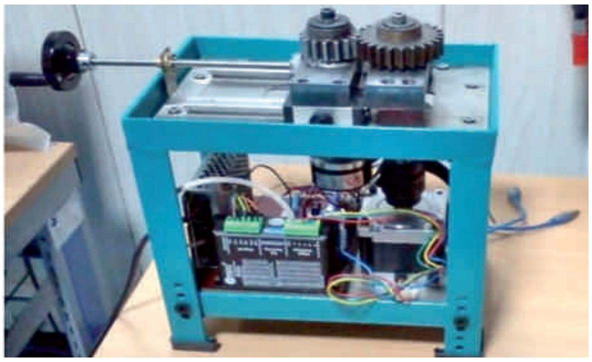

सिंगल गियर फ्लैंक रोल टेस्टर के लिए निर्मित संरचना

स्वास्थ्य केंद्र के लिए निर्मित नर्सिंग स्टेशन

सुरक्षा के लिए निर्मित आपातकालीन पोल
सुरक्षा विभाग

मफलर के लिए निर्मित घटक

स्क्रैप सामग्री का उपयोग करके बनाए गए टेबल

विभाग प्रोफ़ाइल

खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग

खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी (DAASE) के क्षेत्र में 2015 से और पिछले शैक्षणिक वर्ष में बहुत विस्तार हुआ है। संस्थान के लिए गौरव की बात है कि हमारे विभाग में नौ संकाय सदस्य, एक रामानुजन फैकल्टी फेलो, एक आईएनएई प्रतिष्ठित प्रोफेसर, 34 पीएचडी शोध छात्र और 40 स्नातकोत्तर छात्र हैं।

डीएएएसई, अंतरिक्ष अनुसंधान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में आईआईटी प्रणाली में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के अनूठे मिश्रण के साथ अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला एक अनूठा विभाग है। हम नवीन परियोजनाओं पर काम करने के लिए आईआईटी इंदौर के भीतर और बाहर अन्य विभागों के साथ सहयोग करते हैं। स्नातकोत्तर या पीएचडी स्तर पर डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र अपने संबंधित करियर प्रयासों में ज्यादातर विदेशों में बल्कि भारत में प्रतिष्ठित संस्थानों में भी अच्छे पद पर कार्य कर रहे हैं।

आउटरीच में डीएएएसई की प्रमुख भागीदारी है। हमने मुख्य रूप से नई शिक्षा नीति के अनुरूप खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष में टिंकरिंग लैब की अवधारणा विकसित की है। हमारे आउटरीच कार्यक्रमों में इंदौर और पूरे मध्य भारत के स्कूल और कॉलेज के छात्र ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड पर अच्छी तरह से भाग लेते हैं।

उपरोक्त दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, डीएएएसई जुलाई 2023 में अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एसएसई) में एक अद्वितीय अंतर्विभागीय बीटेक कार्यक्रम शुरू कर रहा है, जिसमें भारत और दुनिया के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष और संबद्ध क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिए कुशल मानव संसाधन विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इस कार्यक्रम के छात्र क्यूरेटेड वैकल्पिक पाठ्यक्रमों और एक पूरे सेमेस्टर अनुसंधान परियोजना के साथ निम्नलिखित डोमेन में से एक में विशेषज्ञ हो सकते हैं – स्पेस इंस्ट्रुमेंटेशन डिटेक्टर एवं पेलोड, इमेजिंग एवं डेटा एनालिटिक्स, रिमोट सेंसिंग एवं वायुमंडलीय अभियांत्रकी, खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी।

शैक्षणिक कार्यक्रम

1) पीएचडी कार्यक्रम (2016 से)
2) अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बीटेक कार्यक्रम (2023 से शुरू)
3) अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में एमटेक कार्यक्रम (2021 से)
4) अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमएस (रिसर्च से) कार्यक्रम (2021 से)
5) खगोल विज्ञान में एमएससी कार्यक्रम (2018 से)

संकाय सदस्यों की संख्या	
प्रोफेसर	1
एसोसिएट प्रोफेसर	4
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड I	2
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	2
विजिटिंग प्रोफेसर/इनाई फेलो	1

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	20*	–
एमटेक	9	–
एमएससी	40	16
एमएस (अनुसंधान द्वारा)	8	–
पीएचडी	34	11

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

डीएएएसई संकाय सदस्य निम्नलिखित क्षेत्रों में कई परियोजनाओं पर काम करते हैं:

1) **खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी** – भारत की तीन मेगा विज्ञान परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है – स्क्वायर किलोमीटर एरे (एसकेए), थर्टी मीटर टेलीस्कोप (टीएमटी) एवं एलआईजीओ इंडिया (गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला) – फंडिंग डीएसटी, डीएई, सीएसआईआर, एमओई (शिक्षा मंत्रालय) से आती है।

2) **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** – इसरो के साथ कुछ मेगा विज्ञान परियोजनाओं तथा अंतरिक्ष मिशनों से जुड़ा हुआ है – वित्त पोषण इसरो, एमओई, डीएसटी से आता है।

3) **पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान** – रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों और जलवायु/मौसम अध्ययन से जुड़ा – वित्त पोषण डीएसटी, इसरो, एमओईएस, आदि से आता है।

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

1) अंतर्राष्ट्रीय संबंध: 3 स्पार्क परियोजनाएँ, 2 डीएसटी–एसआईआरई परियोजनाएँ, 1 मैक्स प्लैंक पार्टनर ग्रांट।

2) डीएएएसई को लेवल 2 (3.2 करोड़ रुपये) पर डीएसटी–एफआईएसटी (DST&FIST) अनुदान से सम्मानित किया गया है।

3) प्रोफेसर हरि हबलानी को प्रतिष्ठित आईएनएई (INAE) विशिष्ट प्रोफेसर पुरस्कार मिला है।

4) कई हाई–इपैक्ट वाले प्रकाशन, जिनमें नेचर जर्नल में 2 प्रकाशन शामिल हैं।

5) दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए: यूआरएसआई–आरसीआरएस सम्मेलन दिसंबर 2022, एएसआई वार्षिक बैठक, मार्च 2023।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	7	
चालू परियोजनाएँ	17	
पूर्ण	8	1

प्रकाशन: वर्ष 2022

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	1	4	15	72

जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (बीएसबीई) की स्थापना जुलाई 2012 में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दृष्टि से की गई थी जो कि जीव विज्ञान, जैव अभियांत्रिकी एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में मानव संसाधन विकास तथा अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता है। बीएसबीई विभाग का लक्ष्य व्यक्तिगत, समूह और संगठनात्मक प्रभावशीलता में सुधार के लिए प्रशिक्षण तथा कैरियर विकास प्रयासों के एकीकृत उपयोग के साथ, जैव–संबंधित क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करना और उस क्षेत्र में भविष्य के लीडर को तैयार करना है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रमों में एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी), एमटेक (जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी) और पीएचडी शामिल हैं। एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम में, छात्रों को जैम (JAM) और जीएटी – बी (GAT&B) के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। विभाग जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में बीटेक छात्रों को माइनर डिग्री भी प्रदान करता है। आने वाले वर्षों में विभाग का उद्देश्य इस क्षेत्र में बीटेक प्रोग्राम शुरू करने का है।

हमारे संकाय सदस्यों का विद्वान समूह सरल बैक्टीरियोफेज से लेकर मानव जैसे जटिल बहुकोशिकीय जीवों तक, जीवन और जीवित जीवों के अध्ययन पर शोध के साथ–साथ प्रशिक्षण में विद्वतापूर्ण गतिविधियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक परिवेश बनाना चाहता है; संरचना, कार्य, विकास, उत्पत्ति, विकास, वितरण और वर्गीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए। बुनियादी जीव विज्ञान अनुसंधान के अलावा, बीएसबीई विभाग देश में व्यावहारिक समस्याओं पर व्यावहारिक अनुसंधान में योगदान देना चाहता है।

संकाय सदस्यों की संख्या	11
प्रोफेसर	04
एसोसिएट प्रोफेसर	06
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड I	01
सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	शून्य
पोस्ट डॉक्टोरल अध्येताओं की संख्या	07

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी	17	9
पीएचडी	13	11

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- जुलाई 2022 में डॉ. हेम चंद्र झा द्वारा ''विभिन्न संक्रमित नमूनों से डीएनए/आरएनए/प्रोटीन का अलगाव और लक्षण वर्णन'' शीर्षक से छह दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिसंबर 2022 में डॉ. किरण बाला द्वारा उच्च अंत उपकरणों का उपयोग करके माइक्रोबियल बायोमास और जैव उत्पादों का लक्षण वर्णन शीर्षक से छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- डॉ. एच.सी. झा द्वारा वृत्तिका, 4 सप्ताह का प्रशिक्षण और कौशल इंटर्नशिप (14.11.2022 से 11.12.2022 तक) का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर के माध्यम से वायरस सेल कल्चर और मात्राकरण।
- डॉ. किरण बाला द्वारा वृत्तिका, एक माह का प्रशिक्षण एवं कौशल इंटर्नशिप (01.06.2023 से 30.06.2023 तक) का आयोजन किया गया।
- डॉ. हेम चंद्र झा द्वारा डीएनए और आरएनए वायरस–प्रेरित रोग प्रगति के जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स विश्लेषण शीर्षक से सात दिवसीय (26.06.2023 से 02.07.2023 तक) व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 7 दिसंबर, 2022 को डॉ. परिमल कर द्वारा बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग में हालिया प्रगति शीर्षक से घरेलू संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- 12 अक्टूबर, 2022 को डॉ. प्रशांत कोडगिरे द्वारा प्रयोगशाला सुरक्षा प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। लैब सुरक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञ डॉ. जी.एस. ग्रोवर ने बीएसबीई लैब का दौरा किया।

परियोजना : वर्ष 2022

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	6	शून्य
चालू परियोजनाएँ	20	01
पूर्ण	5	शून्य

प्रकाशनः वर्ष 2022

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	कोई नहीं	4	4	104

जानपद अभियांत्रिकी विभाग

जानपद अभियांत्रिकी विभाग वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2016 से कार्य कर रहा है। विभाग जानपद अभियांत्रिकी में यूजी की डिग्री और जानपद अभियांत्रिकी में पीएचडी के लिए चार साल का पाठ्यक्रम प्रदान करता है। जानपद अभियांत्रिकी संकाय सदस्य और छात्र भारत सरकार के विभिन्न संगठनों द्वारा वित्त पोषित प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के साथ–साथ देश और विदेश में उद्योगों/परामर्श परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग के पास जानपद अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्ट्रक्चरल, जियोटेक्निकल, परिवहन, जल संसाधन और पर्यावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता रखने वाली एक सक्रिय और गतिशील संकाय सदस्य टीम है। जानपद अभियांत्रिकी संकाय सदस्य को दुनिया भर में विभिन्न प्लेटफार्मों पर समिति अध्यक्षों/सदस्यों, उत्कृष्ट समीक्षकों और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में मान्यता प्राप्त है। जानपद अभियांत्रिकी विभाग उद्योग के साथ सक्रिय जुड़ाव तथा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र के रूप में खुद को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए तत्पर है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग जानपद अभियांत्रिकी में बीटेक और पीएचडी कार्यक्रम चलाता है। विभाग संस्थान, प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न विशेषज्ञताओं में पोस्टडॉक्टरल फेलो की भी डिग्री देता है।

संकाय सदस्यों की संख्या	13
प्रोफेसर	03
एसोसिएट प्रोफेसर	02
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	06
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	02
पोस्ट डॉक फेलो की संख्या	01

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	53	43
एमटेक	–	–
एमएससी	–	–
पीएचडी	–	04

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

विभाग को कई अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श परियोजनाएँ (लगभग 76 परियोजनाएँ) और 4.86 करोड़ रुपये मूल्य प्रदान किए गए हैं। हमारे विद्वान संकाय सदस्यों और छात्रों ने विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी अलग पहचान बनाई है; हमारी कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

- प्रोफेसर संदीप चौधरी को 2022 में 37वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) से प्रख्यात इंजीनियर पुरस्कार और आईआईटी इंदौर द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला है।
- प्रोफेसर नीलिमा सत्यम को जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस) द्वारा जेएसपीएस ब्रिज फ़ेलोशिप (2023) और विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार द्वारा एसईआरबी – पावर फ़ेलोशिप (2022) प्राप्त हुई है।
- प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल को उप–क्षेत्र ''पर्यावरण अभियांत्रिकी (मौसम विज्ञान तथा वायुमंडलीय विज्ञान) – 2022 और एसोसिएट संपादकः प्रकृति वैज्ञानिक रिपोर्ट'' में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई सूची में शीर्ष 2: वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है।
- डॉ. ललित बोराना को जर्नल ''सेंसर्स'', एमडीपीआई में जियोटेक्निकल मॉनिटरिंग के लिए स्मार्ट सेंसर और डेटा एनालिटिक्स पर एक विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने नवंबर 2022 में चीन के वुहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में ''सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा और संरक्षण पर बीआरआई फोरम'' पर एक मुख्य भाषण दिया था।
- भारतीय ग्लेशियोलॉजी को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए डॉ. मोहम्मद फारूक आजम को इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोडेसी एंड जियोफिजिक्स (आईयूजीजी, 2023) से अर्ली करियर साइंटिस्ट अवार्ड मिला।
- डॉ. गुरु प्रकाश ने 1 दिसंबर 2022 – 31 दिसंबर 2022 के दौरान वाटरलू विश्वविद्यालय में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में दौरा किया।
- डॉ. प्रियांक जे शर्मा ने स्प्रिंगर द्वारा सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स के एक भाग के रूप में जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और जल विज्ञान और जल विज्ञान मॉडलिंग पर दो पुस्तक खंडों के संपादकश तथा 23–28 अप्रैल, 2023 के दौरान वियना, ऑस्ट्रिया में ईजीयू महासभा 2023 में ''जलवायु परिवर्तनशीलता में रुझान और विविधताएँ: जलवायु परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के लिंक'' पर एक विशेष सत्र के संयोजक के रूप में योगदान दिया।
- डॉ. आशुतोष मंडपे ने पीने के पानी से फ्लोराइड हटाने के लिए मकई–भुट्टे का उपयोग करके एक कम लागत वाला अवशोषक विकसित किया और कार्बनिक ठोस से ऊर्जा/ईंधन का दोहन करने के लिए एक नया दृष्टिकोण विकसित किया।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

विभाग के पास जानपद अभियांत्रिकी की विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्ट्रक्चरल, जियोटेक्निकल, परिवहन, जल संसाधन और पर्यावरण इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता है।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	12	33
चालू परियोजनाएँ	21	23
पूर्ण	8	21

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	06	20	50	49

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का परिचय

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (सीएसई) की स्थापना जुलाई 2009 में की गई थी। विभाग बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.), मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.) रिसर्च और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। 2023 से, विभाग मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग शिक्षण के लिए एक आधुनिक दृष्टिकोण अपनाता है जिसमें छात्रों को इस प्रक्रिया में नवाचार करने और विद्यार्जन करने के लिए पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। शिक्षण तथा अनुसंधान दोनों में उपयोग के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर और उन्नत हार्डवेयर सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध हैं। यह प्रमुख बी.टेक., एमएस (रिसर्च) तथा पीएचडी परियोजनाओं के पर्याप्त कार्यान्वयन और अनुसंधान परिणामों के सत्यापन और सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है।

संस्थान जहाँ स्थित है, उससे विभाग को नए अवसर मिलते हैं। इंदौर तेजी से मध्य भारत में एक प्रमुख आईटी केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। सीएससी और इम्पेटस जैसे संगठनों की शहर में मजबूत उपस्थिति है और टीसीएस, इंफोसिस और अन्य प्रमुख आईटी संगठनों जैसे प्रमुख कंपनियों ने यहाँ अपने कार्यालय स्थापित किए हैं। सीएसई विभाग के लिए, यह उद्योग–अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

सीएसई विभाग बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक), रिसर्च द्वारा मास्टर ऑफ साइंस (रिसर्च द्वारा एमएस), और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। जुलाई 2023 तक कुल 38 पीएचडी, 20 एमएस रिसर्च द्वारा और 532 बीटेक छात्रों ने सीएसई विभाग से डिग्री प्राप्त की है। वर्तमान में, विभाग में 42 पीएचडी, 16 एमएस रिसर्च द्वारा और 256 बीटेक छात्र हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	19
प्रोफेसर	04
एसोसिएट प्रोफेसर	07
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	04
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	03
विजिटिंग प्रोफेसर	01

पोस्ट डॉक्टोरल अध्येताओं की संख्या		शून्य
प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बी.टेक	84	532
एमएस रिसर्च	15	20
पीएचडी	–	38

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

प्रोफेसर अरुणा तिवारी

1. आईसीएआर–केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान भोपाल के साथ सहकार्य शुरू किया गयाः अप्रैल 2023 में, डॉ. शशि रावत, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि यंत्रीकरण प्रभाग ने किसानों को कृषि गतिविधियों : कृषि सेवा में मदद करने के लिए मोबाइल ऐप का विकास किया।

2. रुटैग आईआईटी दिल्ली के सहयोग से प्रोफेसर अरुणा तिवारी की देखरेख में आईआईटी इंदौर द्वारा विकसित भूजल प्रबंधन ऐप को आईआईटी दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से कॉपीराइट किया गया है, और फिर रुटैग आईआईटी दिल्ली (इनोवेशन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऑफिस आई–टीटीओ के माध्यम से) और रुटैग, ईबीएसबी आईआईटी इंदौर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं और ऐप एक एनजीओ, रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान, ब्लॉक–चिरावा, जिला– झुंझुनू, राजस्थान (भूपेंद्र पालीवाल, प्रोजेक्ट मैनेजर) को दिया गया है। पूरी इकाई (भूजल स्तर मापने वाला उपकरण और भूजल प्रबंधन ऐप) को एक प्रौद्योगिकी जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम में अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के सदस्य देशों (सूडान, नामीबिया, जाम्बिया और घाना) को प्रस्तुत किया गया है, जो भारत सरकार के एएआरडीओ और पीएसए का कार्यालय की एक संयुक्त पहल है (28 सितंबर, 2022 को)।

डॉ. अनिर्बान सेनगुप्ता

1. कंप्यूटर हार्डवेयर क्षेत्र में शीर्ष 10 भारतीय वैज्ञानिकों और आईटी/नेटवर्किंग क्षेत्र में शीर्ष 16 भारतीय वैज्ञानिकों सहित सभी क्षेत्रों में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयों के विश्व स्तर पर शीर्ष 2ः वैज्ञानिकों में स्थान प्राप्त किया गया।

2. आईईटी (यूके) के फेलो, ब्रिटिश कंप्यूटर सोसायटी (बीसीएस) के फेलो और आईईटीई के फेलो, आईईईई कंप्यूटर सोसायटी के प्रतिष्ठित विजिटर और गोल्ड मेडलिस्ट और आईईईई कंज्यूमर टेक्नोलॉजी सोसायटी के प्रतिष्ठित व्याख्याता

डॉ सूर्य प्रकाश

1. आईआईटी इंदौर का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार 2023ः शोध पत्र जिसका शीर्षक है एक सुरक्षित और संरेखण–मुक्त फ़िंगरप्रिंट टेम्पलेट की गणना करने के लिए युग्म–ध्रुवीय संरचनाओं का अनुकूलन और इस आधार पर, विवेक सिंह बघेल, सैयद सदफ अली और सूर्य प्रकाश द्वारा लिखित को आईआईटी इंदौर का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार 2023 मिला। यह शोध पत्र आईईईई ट्रांजैक्शन ऑन इंडस्ट्रियल इंफ़ॉर्मेटिक्स में प्रकाशित किया जा रहा है। डीओआईः https:\\doi-org\10-1109\TII-2022-3195938

2. ''कान के 3डी पहचान तकनीकों का एक सर्वेक्षण'' शीर्षक वाला सर्वेक्षण कार्य अगस्त 2022 में एसीएम कंप्यूटिंग सर्वेक्षणों में स्वीकार किया गया। एसीएम कंप्यूटिंग सर्वेक्षणों का 2022–2023 जर्नल का प्रभाव कारक 14.324 है। डीओआईः https:\\doi-org/10-1145/3560884

प्रोफेसर कपिल आहूजा

1. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) पर – औद्योगिक/सामाजिक प्रभाव वाली एआई परियोजनाओं की निगरानी के लिए भारतीय समिति (अगस्त 2022 – जुलाई 2025)।

2. संपादक, आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च (टेलर एंड फ्रांसिस) (फरवरी 2021 – जनवरी 2024)।

डॉ. गौरीनाथ बांदा

1. इंडस्ट्री कंसोर्टियम ऑब्जेक्ट मैनेजमेंट ग्रुप के प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ इनोवेशन में दो लेख प्रकाशित हुए हैं।

2. वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2023 में ग्लोबल एम–अवार्ड्स के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रम में एक बैचलर शोध प्रबंध परियोजना को गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

डॉ.पुनीत गुप्ता

1. अक्टूबर 2022 में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत।
2. आईआईटी इंदौर दृष्टि से टीडीपी अनुसंधान परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ।

डॉ. नागेन्द्र कुमार

1. विकसित CoviIS: डिजिटल मीडिया का उपयोग करके एक वास्तविक समय की कोविड सहायता सूचना प्रणाली।
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एआईसीटीई प्रायोजित भारतीय कार्यशाला का आयोजन।

डॉ. चंद्रेश कुमार मौर्य

1. प्रधान मंत्री फ़ेलोशिप।
2. युवा वैज्ञानिक फ़ेलोशिप।

डॉ अयान मंडल

1. आईईईई टीसीएससी उत्कृष्ट पीएचडी शोध प्रबंध पुरस्कार, 2022 प्राप्त हुआ।
2. एस. मैती, एस. मिश्रा, और ए. मोंडल, सीबीपीरू कोएलिशनल गेम–आधारित ब्रॉडकास्ट प्रॉक्सी री–एन्क्रिप्शन इन आईओटी, आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल, अर्ली एक्सेस, पीपी. 1–10, अप्रैल 2023. डीओआई रू 10.1109/JIOT-2023.3265028।

परियोजना : वर्ष 2022

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	14	–
चालू परियोजनाएँ	25	1
पूर्ण	4	–

प्रकाशनः वर्ष 2022

विवरण	पेटेंट	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	2	2	13	30	50

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का परिचय

2009 में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग, युवा लोगों को प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, लीडर तथा उच्च गुणवत्ता वाले पेशेवर बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और अनुकूल शिक्षण परिवेश प्रदान करने की कल्पना करता है। विभाग उच्चतम पेशेवर क्षमता वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आगे बढ़ावा देने का प्रयास करता है जो तकनीकी प्रगति में योगदान दे सकें। विभाग के संकाय सदस्य शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के बीच तालमेल बनाने का प्रयास करते हैं और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान द्वारा सहायता प्राप्त नवीनतम और प्रासंगिक डोमेन ज्ञान प्रदान करते हैं। संकाय सदस्यों का लक्ष्य छात्रों के लिए बौद्धिक रूप से प्रोत्साहित करने और सवाल पूछने और नवाचार का माहौल बनाना है। हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान कार्यक्रम प्रदान करने और कुशल शोधकर्ताओं को तैयार करने का प्रयास करते हैं जो तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में काम करने के लिए उत्साहित और निश्चित हों। वर्तमान में, विभाग के संकाय सदस्य और छात्र संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग, वीएलएसआई, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर डिवाइस, आरएफ और माइक्रोवेव, फोटोनिक्स, पावर इंजीनियरिंग और बायोफोटोनिक्स इंस्ट्रुमेंटेशन में सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग का दृष्टिकोण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और चुनौतियों का समाधान करने और औद्योगिक और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अंतर–विषयक, उद्योग–उन्मुख उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। विभाग यूजी (बी.टेक.), पीजी (संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.टेक., वीएलएसआई डिजाइन और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक. और रिसर्च से एम.एस.) और डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग का पहला अंतर्राष्ट्रीय छात्र ने इस वर्ष डिग्री प्राप्त की।

संकाय सदस्यों की संख्या	19
प्रोफेसर	12
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड I	2
सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	5

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	81	69
एम. टेक. सीएसपी	6	9
एम. टेक. वीडीएन	9	11
एमएस (रिसर्च)	6	7
पीएच.डी.	25	12

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	22	4
चालू परियोजनाएँ	46	2
पूर्ण	23	5

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	7	10	80	120

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

विभाग का परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग हमारे संस्थान के सबसे पुराने और सबसे बड़े विभागों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित स्थान रखता है, जिसमें 26 समर्पित पूर्णकालिक संकाय सदस्यों और 10 से अधिक कुशल प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारी सदस्यों की एक टीम है। हमारा पाठ्यक्रम विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, जिसमें तकनीकी कौशल, समस्या–समाधान क्षमताएँ प्रदान करने और नई प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। अपने शैक्षिणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए, हम अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान करते हैं। हमारा प्राथमिक उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करना, छात्रों को क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की माँगों को पूरा करने के लिए व्यापक आधार और विशेष प्रशिक्षण से लैस करना है। अटूट प्रतिबद्धता के साथ, हम सक्षम इंजीनियरों को ज्ञान देने का प्रयास करते हैं जो यांत्रिक अभियांत्रिकी क्षेत्र में प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग यांत्रिक अभियांत्रिकी में डुअल डिग्री विकल्पों के साथ–साथ बीटेक, एमटेक, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी सहित कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करता है। 244 यूजी, 32 पीजी और 56 पीएचडी छात्रों के वर्तमान छात्र नामांकन के साथ, विभाग एक जीवंत शैक्षणिक परिवेश प्रदान करता है। यह पोस्टडॉक्टरल फेलो की भी डिग्री प्रदान करता है और डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और सरकारी/निजी क्षेत्रों जैसे संगठनों के कर्मियों का स्वागत करता है। विभाग के एमटेक कार्यक्रम उन्नत विनिर्माण, यांत्रिक प्रणाली डिजाइन तथा थर्मल एवं ऊर्जा प्रणाली को कवर करते हैं। इसके अलावा, यह नेपाल और नाइजीरिया सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों को शामिल करता है, जिससे वैश्विक शिक्षण माहौल को बढ़ावा मिलता है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और इंजीनियरों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

संकाय सदस्यों की संख्या	26
प्रोफेसर	9
एसोसिएट प्रोफेसर	5
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	10
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	2
पोस्ट डॉक फेलो की संख्या	06

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	70	70
एमटेक	28	21
एमएस रिसर्च	7	5
पीएचडी	10	8

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने डीआरडीओ, इसरो, जॉन डीरे (भारत) और सिंपल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के लिए कई प्रायोजित और परामर्श अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की हैं। अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं के साथ, विभाग ने उद्योग के पेशेवरों और शैक्षणिक कर्मियों के लिए अल्पकालिक कार्यक्रम (एसटीपी) और संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की हैं। कुछ उल्लेखनीय अनुसंधान प्रयासों में मेसो–आकार के एडिटिव विनिर्माण के लिए माइक्रो–प्लाज्मा ट्रांसफर आर्क (–पीटीए) तार और पाउडर जमाव प्रक्रियाओं का विकास, बायोकम्पैटिबल घुटने के प्रत्यारोपण और कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्रियों में प्रगति, वायु टरबाइन गियरबॉक्स के लिए गलती का पता लगाने वाले एल्गोरिदम और ऊर्जा संचयन के लिए सीसा रहित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर की खोज का निर्माण शामिल है। विभाग ने सॉफ्ट रोबोटिक्स, चरण परिवर्तन सामग्री का उपयोग करके थर्मल प्रबंधन, विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सिरेमिक कोटिंग्स, आकार मेमोरी मिश्र धातु स्प्रिंग्स की विश्वसनीयता परीक्षण, नैनोग्लास अनुसंधान और रूट कैनाल तैयारी के बायोमैकेनिकल विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	13	13
चालू परियोजनाएँ	36	10
पूरा हुआ	10	10

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	1	23	50	117

धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग

विभाग को 2013 में पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र के रूप में शुरू किया गया था और फिर 2016 में धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग (एमईएमएस) के रूप में स्थापित किया गया था। विभाग आम लोगों को लाभ पहुँचाने वाली वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान खोजने के लिए पदार्थ विज्ञान एवं धातुकर्म में अंतर्विभागीय अनुसंधान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। वर्तमान में, विभाग में 6 सहायक कर्मचारियों के साथ 18 मुख्य संकाय सदस्य हैं। हमारा सामूहिक लक्ष्य कई वर्गों की सामग्रियों के संश्लेषण, प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन को समझना है; और फिर उनके प्रदर्शन को बढ़ाने की दिशा में गुणों को सहसंबंधित करना है। एमईएमएस संकाय सदस्य पारंपरिक धातु विज्ञान से लेकर आधुनिक पदार्थ विज्ञान तक अनुसंधान क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

संकाय की संख्या	18
प्रोफेसर	01
एसोसिएट प्रोफेसर	09
असिस्टेंट प्रोफेसर	08

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग यूजी और पीजी स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम पेश करता है। यह धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान में बी.टेक, (i) पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, (ii) धातुकर्म अभियांत्रिकी तथा पीएचडी कार्यक्रम दोनों में एम.टेक प्रदान करता है। विभाग विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों को शामिल करता है, जिनमें बुनियादी विज्ञान और अभियांत्रिकी के साथ–साथ उन्नत स्तर के वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी शामिल हैं।

कार्यक्रम	छात्र प्रवेश (2022)	डिग्री प्रदान की गई (2022)
बी.टेक	55	42
एम.टेक	12	14
पीएच.डी.	12	12

अनुसंधान एवं विकास और अन्य गतिविधियाँ

1. 14–16 दिसंबर 2022 को आईआईटी इंदौर में फ्रंटियर्स इन मैटेरियल्स इंजीनियरिंग (आईसीएफएमई–2022) पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
2. 20–21 मार्च, 2023 के दौरान आईआईटी इंदौर में धातुशास्त्र (धातुकर्म) पर धारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
3. 20 फरवरी, 2023 को आईआईटी इंदौर में भारत–स्लोवेनिया संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. राष्ट्रीय निर्माण में डॉ. होमी जहांगीर भाभा के योगदान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सैटेलाइट कार्यक्रम आयोजित, 03 नवंबर, 2022, आईआईटी इंदौर परिसर।

5. एसईआरबी विद्यान कार्यशाला का आयोजन, 4–8 जुलाई 2023 और 'सतत भविष्य के लिए ऊर्जा सामग्री में हालिया विकास', 21 नवंबर से 3 दिसंबर, 2022 तक।
6. संश्लेषण से अनुप्रयोगों तक सामग्री इंजीनियरिंग पर 6–दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एआईसीटीई–क्यूआईपी प्रायोजित), 21–26 मार्च 2022।

पुरस्कार और अन्य उपलब्धियाँ

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार प्रोफेसर सुनील कुमार को मिला।
- बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड, मैकेनिकल और मटेरियल इंजीनियरिंग पर 11वें एशिया सम्मेलन (ACMME&2023) में प्रोफेसर अजय कुमार कुशवाह को मिला, जो 8 से 11 जून, 2023 के दौरान साप्पोरो जापान में आयोजित किया गया था।
- प्रोफेसर परशराम एम. शिरागे को महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी का फेलो प्राप्त हुआ।

एमईएमएस विभाग में संकाय/छात्रों और आगंतुकों का अंतर्राष्ट्रीय दौरा

- डॉ. अजय कुमार कुशवाह ने ताइवान (13–20 मई 2023) और जापान (7–14 जून 2023) का दौरा किया।
- डॉ. हेमन्त बोरकर ने 8–11 जून 2023 के दौरान जापान का दौरा किया।
- डॉ. राम सजीवन मौर्य ने 8–11 जून 2023 के दौरान जापान का दौरा किया।
- डॉ. विनोद कुमार ने अप्रैल 2023 में दक्षिण कोरिया का दौरा किया।
- डॉ. धीरेंद्र राय, जून–जुलाई 2023 के दौरान कनाडा का दौरा।
- डॉ. ईश्वर प्रसाद ने सिंगापुर का दौरा किया, 2023।
- विभाग के सहायक संकाय प्रोफेसर विलास पोल, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए ने जनवरी 2023 में संस्थान का दौरा किया।
- श्री देवेन्द्र विश्वकर्मा (सीटीओ और प्रौद्योगिकी के उपाध्यक्ष सीटीओ और प्रौद्योगिकी लार्सन एंड टुब्रो, यूएसए के उपाध्यक्ष) का दौरा, 21 जून 2023।
- प्रोफेसर विवेक बाजपेयी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी आईएसएम धनबाद) ने 18–22 जून, 2023 के दौरान दौरा किया।

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

- वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, भारत द्वारा सामग्री विज्ञान में उत्कृष्ट शोधकर्ता।
- सभी ऑक्साइड सौर कोशिकाओं में योगदान के लिए पीवी मैगज़ीन इंटरनेशनल में शामिल किया गया।
- हीट ट्रीटमेंट एएसएम इंटरनेशनल, इंडिया चौप्टर, मुंबई में सामग्री, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में ''ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील के प्लाज्मा–नाइट्राइडिंग और ऑक्सीकरण व्यवहार पर गंभीर सतह विरूपण का प्रभाव'' पर मुख्य व्याख्यान।
- स्टेनलेस स्टील की सतह इंजीनियरिंगरू गंभीर सतह विरूपण और सतह मिश्र धातु पर मुख्य व्याख्यान ''इस्पात, बिजली और निर्माण प्रौद्योगिकी में प्रगति (आईसीएएसपीसीटी)'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'ट्रांजैक्शंस ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स' द्वारा 'उत्कृष्ट समीक्षक' प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. अजय के. कुशवाह ने सीएसजेएमयू कानपुर में 'ग्राफीन' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. अजय कुमार कुशवाह के नेतृत्व में विद्वान डॉ. सिद्धार्थ सुमन आईआईटी बॉम्बे में पोस्टडॉक फेलो के रूप में शामिल हुए।
- टीसीएस रिसर्च, पुणे, भारत के साथ सहयोग, डॉ. वेंकट वामसी कोरुपोलू द्वारा।
- डॉ. अजय कुशवाह, डॉ. हेमंत बोरकर, डॉ. राम सजीवन मौर्य और डॉ. निशीथ प्रसाद ने पीथमपुर की एक फाउंड्री का दौरा किया है।

- डॉ. विनोद कुमार ने राजरतन इंडस्ट्रीज, आयशर मोटर्स और अन्य उद्योगों का दौरा किया।
- स्थायी भविष्य के लिए ऊर्जा सामग्री में हालिया विकास, (एआईसीटीई–क्यूआईपी प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 21 नवंबर – 03 दिसंबर 2022 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में धातुकर्म इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।
- प्रोफेसर परशराम एम शिरागे 4–8 जुलाई 2023 को एसईआरबी विद्यान कार्यशाला के समन्वयक और 21 नवंबर से 3 दिसंबर 2022 तक सतत भविष्य के लिए ऊर्जा सामग्री में हालिया विकास विषय पर आईआईटी इंदौर में संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के समन्वयक थे।
- प्रोफेसर परशराम एम. शिराजे ने 28 फरवरी, 2023 –राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंदौर में ग्रह व्याख्यान दिया और 3 से 5 दिसंबर, 2022 तक आईआईटी हैदराबाद में माइक्रोएक्चुएटर्स, माइक्रोसेंसर और माइक्रोमैकेनिज्म (एमएएमएम) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।
- प्रोफेसर परशराम एम शिरागे को 18–20 अक्टूबर, 2022 के दौरान पुणे के सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय में उन्नत सामग्री संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोगों (AMSCA&2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था। एआईसीटीई–क्यूआईपी योजना के तहत श्संश्लेषण से अनुप्रयोग तक सामग्री इंजीनियरिंग पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम 21 से 26 फरवरी 2022 तक आईआईटी इंदौर में चला।
- डॉ. होस्मानी एएसएम इंटरनेशनल, इंडिया चैप्टर, मुंबई (2–4 नवंबर, 2022) द्वारा आयोजित सामग्री, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और हीट ट्रीटमेंट में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में तकनीकी समिति के सदस्य (हीट ट्रीटमेंट में प्रगति) थे।
- जून 2022 – जून 2023 के दौरान डॉ. होस्मानी द्वारा दो मुख्य व्याख्यान दिए गए (एक एएसएम इंटरनेशनल, इंडिया चौप्टर, मुंबई (3 नवंबर, 2022) द्वारा आयोजित किया गया था और दूसरा ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़ (सीजी), भारत (17 जून, 2022) द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने डिपार्टमेंट एमईएमएस, आईआईटी इंदौर, भारत (14 दिसंबर, 2022) द्वारा आयोजित फ्रंटियर्स इन मैटेरियल्स इंजीनियरिंग (आईसीएफएमई–2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता भी दी।
- डॉ. राम सजीवन मौर्य को ACMME 2023 सम्मेलन – जापान में एक सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्होंने एक व्याख्यान भी दिया।
- डॉ. रूपेश एस.देवन ने 26 दिसंबर 2022 से 1 जनवरी 2023 तक यूजीसी एचआरडीसी मुंबई में 'नवीकरणीय ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी' पर ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स में बैटरी–सुपरकब्पेसिटर हाइब्रिड के लिए नैनो–आर्किटेक्चरः बैटरी प्रौद्योगिकी के युग में आगे का रास्ता व्याख्यान दिया।
- डॉ. रूपेश एस.देवन ने 12 से 18 सितंबर 2022 के दौरान एम एस यूनिवर्सिटी, वडोदरा और आईआईटी गांधीनगर में सामग्रियों के लक्षण वर्णन में प्रगति पर डीएसटी–एसटीयूटीआई कार्यक्रम में यूवी–विज़ स्पेक्ट्रोस्कोपी और एक्सपीएस का उपयोग करके नैनोमटेरियल्स के ऑप्टिकल और रासायनिक गुणों को समझना विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. रूपेश एस.देवन ने ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए नैनो–हेटेरो–आर्किटेक्चर, कार्यात्मक और सतत सामग्री में प्रगति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, एसजीएम कॉलेज कराड और केआरपी कन्या महाविद्यालय इस्लामपुर, 8 अप्रैल 2022 पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने 3 से 7 जनवरी 2022 तक रसायन विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के आणविक विनिर्माण पर एआईसीटीई–एटीएल एफडीपी में 1डी नैनो–हेटेरो–आर्किटेक्चरः सिंथेसिस टू एप्लीकेशन पर भी बात की।
- डॉ. विनोद कुमार ने दक्षिण कोरिया के अजौ विश्वविद्यालय की 50वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर एक व्याख्यान दिया।
- जून 2022 – जून 2023 के दौरान डॉ. होस्मानी द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए गए (एक एएसएम इंटरनेशनल, इंडिया चौप्टर, मुंबई (3 नवंबर, 2022) द्वारा आयोजित किया गया था और दूसरा ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (सीजी), भारत (17 जून, 2022) द्वारा आयोजित किया गया था।) उन्होंने डिपार्टमेंट एमईएमएस, आईआईटी इंदौर, भारत द्वारा आयोजित फ्रंटियर्स इन मैटेरियल्स इंजीनियरिंग (आईसीएफएमई–2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित भाषण भी दिया (14 दिसंबर, 2022)।
- प्रोफेसर एन.बी.बल्लाल मई 2023 में विभाग में विजिटिंग प्रतिष्ठित प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए हैं।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	11	03
चालू परियोजनाएँ	11	04
पूर्ण	शून्य	शून्य

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	कोई नही	1	2	71

भौतिकी विभाग

विभाग का परिचय

2009 में संस्थान की स्थापना के बाद से ही भौतिकी विभाग एक प्रगतिशील और संसाधन–पूर्ण विभाग रहा है। वर्तमान में संकाय सदस्य की संख्या 17 होने के साथ ही, हमारे संकाय सदस्य के पास संघनित पदार्थ भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी, ब्लैक–होल भौतिकी, गेज/गुरुत्वाकर्षण द्वैत और जटिल नेटवर्क जैसे विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के अनुरूप अत्याधुनिक अनुसंधान तथा नवीन शिक्षण विधियों का समर्थन करने के लिए कंप्यूटर लैब तथा अच्छी तरह से सुसज्जित संघनित पदार्थ प्रयोगात्मक सेटअप सहित हमारी अत्याधुनिक सुविधाएँ पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी और विकसित हुई हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

हम भौतिकी में एम.एससी. और पीएच.डी. सहित कई शैक्षणिक कार्यक्रमों की पेशकश करते हैं और 50 से अधिक पीएचडी छात्रों तथा 125 एम.एससी. छात्रों को मेहनत से डिग्री प्राप्त हुई है, जो दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में पदस्थ हैं। विभाग छात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए नए कार्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में भी है, जैसे सिंक्रोट्रॉन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में 2–वर्षीय एमटेक और अभियांत्रिकी भौतिकी में 4–वर्षीय बीटेक (सीनेट द्वारा अनुमोदित)। विभाग अत्यधिक सहयोगी परिवेश को बढ़ावा देने, विभाग के भीतर, आईआईटी इंदौर में विभिन्न अनुसंधान समूहों और प्रसिद्ध राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के बीच घनिष्ठ सहकार्य की सुविधा प्रदान करने पर गर्व करता है। छात्रों को व्यावहारिक अनुसंधान अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता यूजी से लेकर पीजी तथा पीएच.डी. तक शिक्षा के सभी स्तरों तक फैली हुई है। कार्यक्रम. इस उद्देश्य से, आईआईटी इंदौर में भौतिकी विभाग ने 15 से अधिक उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं, जिनमें से प्रत्येक भौतिकी की विभिन्न शाखाओं पर ध्यान केंद्रित करती है, ताकि हमारे छात्रों को अद्वितीय अनुसंधान अवसर और कुल अलग सीखने का अनुभव प्रदान किया जा सके।

संकाय सदस्यों की संख्या	17
प्रोफेसर	10
एसोसिएट प्रोफेसर	01
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	06

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी	25	26
पीएचडी	13	06

उल्लेखनीय भौतिकी विभाग की गतिविधियाँ

वर्तमान में हमने कई राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहकार्य स्थापित किया है, जिनमें आईआईएससी, आईआईटी (बॉम्बे, दिल्ली, मद्रास, कानपुर, रोपड़, हैदराबाद आदि), आरआरकैट, बीएआरसी, आईआईएसईआर (कोलकाता, पुणे, बेहरामपुर आदि), एचआरआई, कई विश्वविद्यालय (पुणे, मुंबई, इलाहाबाद, कलकत्ता), एसएनबी–एनसीबीएस और एसएनआईपी – कोलकाता शामिल हैं। हमारे अंतर्राष्ट्रीय सहकार्य में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी–यूएसए, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी–यूएसए, क्यूनी–यूएसए, एलयूएच हनोवर–जर्मनी, रदरफोर्ड एप्पलटन प्रयोगशाला और आईएसआईएस सुविधाएं – यूके, टीयू बर्लिन – जर्मनी, टीयू डॉर्टमुंड – जर्मनी, क्वींस मैरी यूनिवर्सिटी लंदन–यूके, एलएमयू–म्यूनिख, जर्मनी, बर्न यूनिवर्सिटी–स्विट्जरलैंड, ओसाका यूनिवर्सिटी– जापान, एनटीयू – सिंगापुर, कॉम्प्लेक्सिटी साइंस इंस्टीट्यूट – सीएनआरएस इटली, इंस्टीट्यूटो सुपीरियर टेक्निको, लिस्बन, पुर्तगाल शामिल हैं।

हम द्विपक्षीय परियोजनाओं के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन एवं भंडारण, क्वांटम सामग्री एवं प्रौद्योगिकी, सॉफ़्ट मैटर और जैविक भौतिकी, 2डी सामग्री, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि में सहयोग करने की योजना बना रहे हैं। अगले कदम के रूप में, हम इन अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू करने की भी आशा रखते हैं।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	05	शून्य
चालू परियोजनाएं	28	शून्य
पूर्ण	24	शून्य

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	2	2	5	4

रसायन शास्त्र विभाग

विभाग का परिचय

अगस्त 2009 में स्थापित आईआईटी इंदौर में रसायन शास्त्र विभाग अनुसंधान विविधता, बाहरी फंडिंग और कई प्रकाशनों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारे पास पारंपरिक क्षेत्रों (जैविक, अकार्बनिक, भौतिक और सैद्धांतिक/कम्प्यूटेशनल) से लेकर नैनोटेक्नोलॉजी, कब्टेलिसिस, ऊर्जा, मशीन लर्निंग, जैव रासायनिक, विश्लेषणात्मक और सामग्री जैसे उच्च अंतःविषय अनुसंधान क्षेत्रों तक अनुसंधान में रुचि रखने वाले 20 संकाय सदस्य हैं। विभाग के संकाय सदस्य शिक्षण और अनुसंधान के प्रति ठोस प्रतिबद्धता के साथ असाधारण रूप से योग्य और प्रेरित हैं। हमारे विभाग के पास कई रसायन शास्त्र और अंतःविषय अनुसंधान क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधा के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत उपकरण सुविधाएँ हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

रसायन शास्त्र विभाग के शैक्षणिक कार्यक्रमों में पीएचडी, एमएससी और बी.टेक यूजी छात्रों के पाठ्यक्रम शामिल हैं। समन्वय रसायन शास्त्र, सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, सुपरमॉलेक्यूलर रसायन विज्ञान, ठोस–अवस्था रसायन विज्ञान और अन्य अंतःविषय क्षेत्रों से लेकर कई क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य इस विभाग को अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। आईआईटी इंदौर में रसायन शास्त्र विभाग रसायन शास्त्र (एमएससी रसायन शास्त्र) में दो साल का मास्टर कार्यक्रम शुरू करने वाला भारत में निर्मित दूसरी पीढ़ी का एकमात्र आईआईटी है, जिसमें एक पूरा वर्ष, विशेष रूप से कार्यक्रम का दूसरा वर्ष, प्रयोगशाला अनुसंधान के लिए समर्पित है। छात्र की पसंद का क्षेत्र. 2013 से, इस अनूठे कार्यक्रम ने प्रयोगशाला में मौलिक अनुसंधान समस्याओं को हल करने और छात्रों को यह निर्णय लेने के लिए एक पूरा वर्ष समर्पित किया है कि क्या वे अपने उच्च अध्ययन में डॉक्टरेट कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि केवल योग्य और प्रेरित छात्र ही डॉक्टरेट कार्यक्रम अपनाएं और समाज के कल्याण में योगदान दें। इसके अतिरिक्त, छात्र आईआईटी इंदौर में मास्टर कार्यक्रम पूरा करने के बाद डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं या एक आकर्षक नौकरी की तलाश करते हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या	20
प्रोफेसर	09
एसोसिएट प्रोफेसर	05
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड I	05
असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड II	01
पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येताओं की संख्या	07

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी	25	30
पीएचडी	6	8

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- 12–13 जनवरी, 2023 को न्यू होराइजन्स 2023 की ओर सामग्री विज्ञान पर रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री और आईआईटी इंदौर संगोष्ठी।
- 22–23 फरवरी 2023 को इंडो–जर्मन उच्च शिक्षा साझेदारी के तहत सतत रसायन विज्ञान – 2023; यूजीसी और डीएएडी द्वारा वित्त पोषित।

- 6 मार्च, 2023 को रसायन विज्ञान दिवस और इन–हाउस रसायन विज्ञान संगोष्ठी (CHEM-2023)।
- प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय के अनुसंधान समूह ने खतरनाक कचरे को अवशोषित करने के लिए एक कार्यात्मक बहुलक विकसित किया।
- प्रोफेसर संजय कुमार सिंह के अनुसंधान समूह ने शुद्ध हाइड्रोजन गैस के उत्पादन के लिए प्रोटोकॉल विकसित किया, जिसके लिए इस वर्ष एक भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया है (पेटेंट संख्या 422056)।
- प्रोफेसर अपूर्बा दास के अनुसंधान समूह ने अंतर्निहित विट्रो कब्सर रोधी और सूजन रोधी गतिविधि के साथ बेंज़ोसेलेनाडियाज़ोल–कCIM ट्रिपेप्टाइड्स विकसित किया।
- प्रोफेसर तुषार कांति मुखर्जी के अनुसंधान समूह ने मूत्र ग्लूकोज सेंसर स्ट्रिप विकसित की।
- डॉ. देबयान सरकार के अनुसंधान समूह ने दृश्य प्रकाश उत्प्रेरित डीरोमैटाइजेशन का उपयोग करके प्लास्टिक को रसायनों में बदलने का विकास किया।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	11	1
चालू परियोजनाएं	19	शून्य
पूरा किया	13	शून्य

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	–	3	15	108

गणित विभाग

आईआईटी इंदौर का गणित विभाग गणित की विभिन्न शाखाओं में शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों का एक प्रमुख केंद्र रहा है। विभाग लगातार अग्रणी अनुसंधान क्षेत्रों से जुड़ा रहा है तथा अन्य विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभागों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है।

संकाय सदस्यों की संख्या	
प्रोफेसर	02
एसोसिएट प्रोफेसर	04
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	12

शैक्षणिक कार्यक्रम

विभाग वर्तमान में गणित में पीएचडी और एमएससी कार्यक्रम प्रदान करता है एवं सांख्यिकी तथा अनुप्रयुक्त कंप्यूटिंग जैसे संबद्ध क्षेत्रों में अन्य मास्टर कार्यक्रमों पर कार्य करता है। शैक्षणिक वर्ष 2023 से विभाग गणित और कंप्यूटिंग में बीटेक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
एमएससी (गणित)	20	17
पीएचडी	37	01

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

- 22–26 नवंबर, 2022 तक न्यूरल सूचना प्रसंस्करण पर 29वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONIP2022), नई दिल्ली, भारत (एम. तनवीर महाध्यक्ष के रूप में)।
- 2022 डीप लर्निंग और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर आईईईई सीआईएस समर स्कूलः 12–16 दिसंबर, 2022 तक सिद्धांत और अनुप्रयोग, आईआईटी इंदौर, भारत (एम. तनवीर महाध्यक्ष के रूप में)।
- 2023 न्यूरल नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त सम्मेलन (IJCNN 2023) (कोर रैंक ए) 18–23 जून, 2023 तक, ऑस्ट्रेलिया (प्रतियोगिता सह–अध्यक्ष के रूप में एम. तनवीर)।
- IJCNN 2023, ऑस्ट्रेलिया में 18–23 जून, 2023 तक रैंडमाइजेशन–आधारित डीप और शैलो लर्निंग एल्गोरिदम पर विशेष सत्र (आयोजक के रूप में एम. तनवीर)।
- 05 मई 2023 को एक दिवसीय ईईजी प्रशिक्षण कार्यशाला (आयोजक के रूप में एम. तनवीर)।
- गणित विभाग, आईआईटी इंदौर, 13–16 फरवरी, 2023 को नॉनलाइनियर डायनेमिक्स और एप्लिकेशन पर एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।
- भास्कराचार्य गणित प्रयोगशाला, गणित विभाग, आईआईटी इंदौर, "MATLAB का उपयोग करके व्यावहारिक प्रशिक्षण'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, अक्टूबर–06, 2022।
- तर्क और उसके अनुप्रयोगों (ICLA 2023) पर 10वें भारतीय सम्मेलन का आयोजन, 3 – 5 मार्च, 2023।

परियोजनाओं

परियोजना	प्रायोजित
नई परियोजनाएँ	06
चालू परियोजनाएँ	16
पूरा किया गया	16

डीएसटी–फिस्ट समर्थन

भास्कराचार्य गणित प्रयोगशाला
ब्रह्मगुप्त गणित पुस्तकालय

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	2	9	16	84

इसके अलावा दुनिया भर में विभाग विभिन्न आउटरीच गतिविधियों, जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रम, वेबिनार, छात्र सेमिनार श्रृंखला आदि के माध्यम से भारत में कॉलेज शिक्षकों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों के बीच गणित को बढ़ावा देने में भी लगा हुआ है। विभाग नियमित रूप से प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रख्यात गणितज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करता है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया http:\\math-iiti-ac-in पर जाएं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

स्कूल का परिचय

आईआईटी इंदौर में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल अनुसंधान और शिक्षाशास्त्र के लिए एक शानदार तथा प्रगतिशील स्थान है। स्कूल के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र के विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं का एक विविध मिश्रण हैं। हमारे स्कूल में एक मानद प्रोफेसर और एक प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर सहित 19 संकाय सदस्य हैं। 60 से अधिक पीएचडी छात्र वर्तमान में बेहतरीन परियोजनाओं और अनुसंधान समस्याओं पर काम कर रहे हैं। संकाय सदस्यों का अनुसंधान सहयोग, चाहे स्कूल के भीतर या संस्थान में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विषयों में या राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोगियों के साथ, स्कूल में किए गए अनुसंधान की वास्तव में अंतःविषय प्रकृति को प्रदर्शित करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल के दो मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रम हैं: पहला, एक पीएचडी कार्यक्रम जिसमें पाठ्यक्रम कार्य और एक बेहतरीन एवं संसाधन–पूर्ण शोध प्रबंध कार्य शामिल है। हमारे छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, फ़ेलोशिप और पुरस्कार अर्जित किए हैं। डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र अपने चुने हुए करियर में उत्कृष्टता हासिल करने में सफल रहे हैं। दूसरा, एक एमएस (रिसर्च) कार्यक्रम। इस कार्यक्रम का पहला बैच ऑटम सीज़न 2021 में शुरू हुआ।

संकाय सदस्यों की संख्या	17
प्रोफेसर	3
एसोसिएट प्रोफेसर	3
सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	5
सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	6
पोस्ट डॉक फेलो की संख्या	0

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
एमएस (अनुसंधान)	2	0
पीएचडी	24	2

उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

प्रो. निर्मला मेनन और प्रो. प्रीति शर्मा को जेपी नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र, 2022 की स्थापना के लिए एमओई से अनुदान मिलारू 9.68 करोड़।

प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल (सीई विभाग से) और प्रोफेसर रुचि शर्मा को तकनीकी नवाचार और आईपीआर पारिस्थितिकी तंत्र पर नीति अनुसंधान केंद्र, 2023 की स्थापना के लिए डीएसटी से अनुदान प्राप्त हुआः 50 लाख।

डॉ. अशोक कुमार मोचेरला अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विश्व ईसाई धर्म में यांग स्कॉलर (2022—2023) थे।

संयुक्त राष्ट्र, विश्व की साझेदारी में नीति आयोग (बिहेवियरल इनसाइट्स यूनिट) और एमओईएफसीसी द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतियोगिता, ''लाइफ ग्लोबल कॉल फॉर आइडियाज एंड पेपर'' में डॉ. संजराम और उनकी टीमों के आइडिया ने शीर्ष 75 में जगह हासिल की। रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, सेंटर फॉर सोशल एंड बिहेवियर चेंज (सीएसबीसी) और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ)।

डॉ. अनन्या घोषाल को आईआईटी इंदौर (2022) से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार मिला।

डॉ. शोमिक दासगुप्ता को रॉयल हिस्टोरिकल सोसाइटी, थ्त्भ्भ्जे, लंदन, यूके (2022) के फेलो के रूप में चुने गए।

सचिव के रूप में प्रोफेसर रुचि शर्मा, जो कि अर्थशास्त्र विषय से संबंधित हैं, ने 21—23 दिसंबर 2022 तक वर्चुअल रूप में इंडियाएलआईसीएस सम्मेलन 2022, भारत की नवाचार प्रणाली / 75 उपलब्धियाँ, सीमाएँ और तरीके का आयोजन किया।

अपने छात्र श्री दिब्या प्रकाश पांडा के साथ सह—लिखित डॉ. जे थापस्या के पेपर ने द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ द्वारा आयोजित द्रविड़ भाषाविज्ञान के 50वें अखिल भारतीय सम्मेलन में व्यवस्थित कार्यात्मक भाषाविज्ञान पर सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए प्रोफेसर वेनेलाकांति प्रकाशम पुरस्कार 2023 जीता।

परियोजना

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	8	1
चालू परियोजनाएँ	11	0
पूरा हुआ	1	0

प्रकाशन

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	2	16	8	21

केंद्र की प्रोफाइल

उद्यमिता शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईईडी)

सीईईडी के बारे में

उद्यमिता शिक्षा और विकास केंद्र (सीईईडी) आईआईटी इंदौर के छात्रों को नवाचार और उद्यमिता से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ–साथ बाहरी समुदाय के सदस्यों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम और संकाय विकास कार्यक्रम ऑफर करने के लिए आईआईटी इंदौर के हाल ही में स्थापित केंद्रों में से एक है।

उद्देश्य

- नवप्रवर्तन और उद्यमिता से संबंधित पाठ्यक्रमों के माध्यम से इच्छुक उद्यमियों को प्रशिक्षित करना
- छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता कौशल विकसित करना और उन्हें उद्यमशीलता करियर विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करना

संबंधित व्यक्ति

- डॉ. स्वामीनाथन आर (प्रभारी प्राध्यापक)
- डॉ. शोमिक दासगुप्ता
- डॉ. मोहनसुंदरी थंगावेल
- सुश्री सोनल राय (कनिष्ठ सहायक)
- डॉ. अनन्या घोषाल
- डॉ. आशुतोष मंडपे
- प्रो. रुचि शर्मा

शैक्षणिक कार्यक्रम

सीईईडी ऑटम सीज़न 2022 से सभी यूजी/पीजी/पीएचडी छात्रों के लिए उद्यमिता हेतु फाउंडेशन पर एक ओपन वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता कौशल विकसित करना है। ऑटम 2022 पाठ्यक्रम में, डोमेन विशेषज्ञों, स्टार्टअप संस्थापकों, आईआईएम अहमदाबाद और आईआईटी बॉम्बे के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान दिए गए थे।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- सीईईडी, आईआईटी इंदौर ने आईआईटीआई एडवांस्ड सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप (एसीई) फाउंडेशन के सहयोग से मध्य प्रदेश (एमपी) के चार उच्च शिक्षण संस्थानों में स्टार्टअप बूटकैंप का आयोजन किया। इन बूटकैंप को एमपी स्टार्टअप सेंटर द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। एमपी के तीन अलग–अलग स्थानों (इंदौर, उज्जैन और रीवा) से स्टार्टअप सहित कुल लगभग 529 छात्र प्रतिभागियों ने इन बूटकैंप में भाग लिया, जहाँ हमारे विशेषज्ञ विभिन्न पहलुओं से संबंधित 2 दिनों के लिए 8 तकनीकी सत्र (प्रति दिन लगभग 6 घंटे) पर व्याख्यान दिए। स्टार्टअप और उद्यमिता जैसे स्टार्टअप विचार चुनना, विचार को एमवीपी में विकसित करना, एक सफल स्टार्टअप बनाना, स्टार्टअप में प्रमुख शब्द एवं शब्दावली, मूल्यांकन की मूल बातें, फंडिंग एवेन्यू, उद्यमियों के लिए आईपी की मूल बातें आदि। तकनीकी सत्र में विशेष रूप से छात्र प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञों के सामने अपने विचारों को रखने के लिए एक मॉक पिचिंग सत्र भी शामिल था।
- सीईईडी, आईआईटी इंदौर ने आईआईटीआई एसीई फाउंडेशन और एमएसएमई डीएफओ इंदौर के सहयोग से एमएसएमई मंत्रालय की डिजाइन योजना पर दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिसके लिए आईआईटी इंदौर एक कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। इसमें मप्र के 91 एमएसएमई ने भाग लिया। डिज़ाइन योजना का उद्देश्य नए उत्पाद विकास के लिए वास्तविक समय डिज़ाइन समस्याओं पर विशेषज्ञ सलाह और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करना है।
- सीईईडी ने आईआईटीआई एसीई फाउंडेशन के सहयोग से एआईसीटीई टीचिंग एंड लर्निंग (ATAL) अकादमी द्वारा वित्त पोषित उद्यमिता और नेतृत्व प्रबंधन पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) आयोजित किया। मध्य प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 संकाय सदस्यों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- सीईईडी ने आईआईटीआई एसीई फाउंडेशन के सहयोग से फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरशिप पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मप्र के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों और इन्क्यूबेशन सेंटरों के 50 से अधिक संकाय सदस्यों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

आउटरीच गतिविधियों की झलक

मेडी–कैप्स यूनिवर्सिटी, इंदौर में स्टार्टअप बूटकैंप
(जनवरी 31 और फरवरी 1, 2023)

आईपीएस अकादमी इंदौर में स्टार्टअप बूटकैंप
(फरवरी 16 और 17, 2023)

शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन में स्टार्टअप बूटकैंप
(मार्च 1 और 2, 2023)

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा में स्टार्टअप बूटकैंप
(मार्च 16 और 17, 2023)

एमएसएमई डिजाइन योजना जागरूकता कार्यक्रम
(31 मार्च, 2023)

एमएसएमई डिजाइन योजना जागरूकता कार्यक्रम
(18 जनवरी, 2023)

उद्यमिता और नेतृत्व प्रबंधन पर अटल एफडीपी
(1 अगस्त से 12 अगस्त, 2023)

उद्यमिता फाउंडेशन पर ऑनलाइन एफडीपी
(12 से 24 जून, 2023)

परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी)

आईआईटी इंदौर के अनुसंधान कार्यक्रम में तेज़ी लाने के लिए संस्थान के वित्त पोषण से सितंबर 2011 में परिष्कृत उपकरण केंद्र (एसआईसी) की स्थापना की गई थी। एसआईसी का मिशन अत्याधुनिक उपकरण सुविधा और अत्याधुनिक अनुसंधान में इसके उपयोग और अनुप्रयोग प्रदान करके आईआईटी इंदौर में अनुसंधान पहल का समर्थन और बढ़ावा देना है। अपने हितधारकों को डेटा विश्लेषण की उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के लिए उच्च–मूल्य वाले उपकरणों को एक स्थान पर समायोजित किया गया है। एसआईसी संस्थान के विभागों और बाहरी शैक्षणिक/उद्योग उपयोगकर्ताओं को विश्लेषणात्मक सेवाएँ प्रदान करता है। एसआईसी आईआईटी इंदौर में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के सभी विभागों में अनुसंधान को समर्थन और बढ़ावा देने के अपने मिशन पर लगातार काम कर रहा है।

एसआईसी अब बाहरी उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं से धनराशि उत्पन्न करके एक आत्मनिर्भर केंद्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। एसआईसी सुविधा का एक महत्वपूर्ण लाभ छात्रों तक इसकी आसान पहुँच है और छात्रों की संख्या की तुलना में उपकरण की उपलब्धता बहुत अधिक है। संस्थान में निम्नलिखित विभाग अपने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के लिए एसआईसी उपकरणों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं: जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, रसायन शास्त्र, जानपद अभियांत्रिकी, विद्युतीय अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, धातुकर्म अभियांत्रिकी एवं पदार्थ विज्ञान और भौतिकी।

विज़न/मिशन और उद्देश्य

1. अनुसंधान एवं विकास कार्यों का नमूना विश्लेषण करने के लिए आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर, वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ–साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योगों को एसआईसी की सुविधाएँ प्रदान करना।
2. छात्रों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के शिक्षकों के लिए विभिन्न एसआईसी उपकरणों के उपयोग और अनुप्रयोग पर कार्यशालाएँ आयोजित करना।
3. उपकरणों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए नई विश्लेषणात्मक तकनीकों/विधियों को विकसित करना और उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नए अनुसंधान क्षितिज का पता लगाने के लिए सुविधा प्रदान करना।
4. न्यूनतम शुल्क के साथ उन्नत अनुसंधान के लिए आसान डेटा संग्रह सुनिश्चित करना।

प्रो. अपूर्व के. दास
प्रभारी प्राध्यापक, एसआईसी

श्री घनश्याम भावसार
तकनीकी अधीक्षक

श्री किन्नी पांडे
तकनीकी अधीक्षक

डॉ. रविंदर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक

श्री अतुल सिंह
कनिष्ठ तकनीकी सहायक, संविदा

श्री रणजीत रघुवंशी
प्रशासनिक कर्मचारी वर्ग, संविदा

एसआईसी में उपलब्ध सुविधाएँ

एसआईसी में विभिन्न उपकरण शामिल हैं जिन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है:

एक्स–रे डिफ्रेक्टोमीटर

सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी (एससीएक्सआरडी)
ऊर्जा–फैलाने वाला एक्स–रे स्पेक्ट्रोस्कोपी (ईडीएस / ईडीएक्स)
तरंग दैर्ध्य फैलाव स्पेक्ट्रोस्कोपी (डब्ल्यूडीएस / डब्ल्यूडीएक्स)
पाउडर एक्सआरडी (पीएक्सआरडी)
एक्स–रे अवशोषण ठीक संरचना (एक्सएएफएस)

स्पेक्ट्रोमीटर

फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (एफटी–आईआर)
समय–सहसंबंध एक फोटॉन गणना (टीसीएसपीसी)
पोलारिमीटर
यूवी–विज़–एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर
फोटोल्यूमिनसेंस (पीएल)
स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर
वृत्ताकार द्वैतवाद (सीडी)
एनएमआर 400 मेगाहर्ट्ज
यूवी–विज़िबल स्पेक्ट्रोमीटर

माइक्रोस्कोपी

क्षेत्र–उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एफई–एसईएम)
कुल आंतरिक परावर्तन प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी (टीआईआरएफएम)
परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (एएफएम)
कन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी (सीएलएसएम)

क्रोमैटोग्राफी

उच्च रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एचआर–एमएस)
उच्च उत्पादन द्रव्य वर्णलेखन
गैस क्रोमैटोग्राफी–मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी–एमएस)

विश्लेषक

सीएचएनएसओ विश्लेषक
भूतल क्षेत्र विश्लेषक (बीईटी)
रियोमीटर

इलेक्ट्रो–विश्लेषणात्मक

चक्रीय वोल्टामेट्री (सीवी)
स्पेक्ट्रो इलेक्ट्रो–केमिकल सेल (एसईसी)

थर्मल विश्लेषण

थर्मोग्रैविमेट्रिक विश्लेषक (टीजीए)
विभेदक स्कैनिंग कैलोरीमेट्री (डीएससी)

नमूना तैयार करना

लियोफिलाइज़र
दोहरी आयन बीम स्पटरिंग जमाव प्रणाली (डीआईबीएसडी)
माइक्रोवेव सिंथेसाइज़र

एसआईसी में प्रमुख सुविधाओं की झलकियाँ

उद्योग	शैक्षणिक संस्थान
1. नवीन फ्लोरीन, देवास	1. डीएवीवी, इंदौर
2. सरना केमिकल, गुजरात	2. वीएनआईटी नागपुर
3. प्रिज्म जॉनसन, देवास	3. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
4. हेटेरो ड्रग्स, हैदराबाद	4. एसजीएसआईटीएस, इंदौर
5. मेडिलक्स लेबोरेटरीज, पीथमपुर	5. आईआईटी कानपुर
6. सिम्बियोटेक फार्मालैब, इंदौर	6. आईआईटी गांधीनगर
7. ट्रायो टेक केमिकल, इंदौर	7. एनआईटी पटना
8. एंजेल ओक, इंदौर	8. मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल
9. श्रीनिवास फार्माकेम, उज्जैन	9. आईजीएनटीयू, अमरकंटक
10. मैकसेन ड्रग, उदयपुर	10. एनआईटी सिलचर
11. एसएससी इंडस्ट्रीज, इंदौर	11. सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर
12. कृति न्यूट्रिएंट्स, इंदौर	12. पीएमबी गुजराती साइंस कॉलेज, इंदौर
13. नोविया फार्मास्युटिकल, इंदौर	13. सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात
14. राजरतन वायर्स, इंदौर	14. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

संस्थान अनुसंधान गतिविधि में एसआईसी की भूमिका

- 2500 से अधिक प्रकाशनों को सहायता प्रदान करके एसआईसी संस्थागत संकाय सदस्यों तथा अनुसंधान विद्वानों की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।
- एसआईसी डेटा का उपयोग करके 23 पेटेंट पंजीकृत किए गए हैं।
- एसआईसी ने अब तक बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन किया है, जिनका कुल मूल्य 50 करोड़ रुपये से अधिक है।

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई)

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई) की स्थापना जून 2020 में आईआईटी इंदौर में एक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य कंप्यूटिंग, संचार, चिकित्सा और ऊर्जा सहित बहु–विषयक अनुप्रयोगों के लिए सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकियों का विकास करना है। केंद्र का नेतृत्व प्रोफेसर मुकेश कुमार द्वारा किया जाता है, जिसमें संस्थान के अन्य संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों की एक विशिष्ट टीम शामिल है।

आम जनों के लाभ के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अनुप्रयुक्त अनुसंधान को सक्षम करने हेतु एक तकनीकी संस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स और इसके संबद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले कुछ प्रसिद्ध शिक्षाविदों को शामिल करना सीएई के लिए सम्मान की बात है। हम इलेक्ट्रॉनिक्स के राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यावहारिक अनुसंधान, उपकरण विकास और कौशल एवं जनशक्ति विकास के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई) ने पीएचडी की सुविधा शुरू की है। विशेष रूप से उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में कार्यक्रम, जिसमें नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स/माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्सएकीकृत सिलिकॉन फोटोनिक्स/ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत सामग्री एवं उपकरण, उन्नत मेमोरी तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उपयोग, कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सामग्री और 2 डी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, जैव रासायनिक सेंसर, सिग्नल प्रोसेसिंग, वीएलएसआई सर्किट एवं सिस्टम डिजाइन, फोटोवोल्टिक्स, वायरलेस एवं ऑप्टिकल संचार तथा एआई एवं मशीन लर्निंग जैसे अनुसंधान क्षेत्र शामिल हैं।

केंद्र देशभर में सेमीकंडक्टर जरूरतों को पूरा करने, विशेष रूप से जनशक्ति उत्पन्न करने और भारत सेमीकंडक्टर मिशन में तकनीकी रूप से योगदान करने की दृष्टि से उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में एक पीजी कार्यक्रम, एमएस रिसर्च का प्रस्ताव करने की प्रक्रिया में है।

संकाय सदस्यों की संख्या	11
प्रोफेसर	08
एसोसिएट प्रोफेसर	01
सहायक प्रोफेसर	02
रामानुजन फैलोशिप	01

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
बीटेक	–	–
एमटेक	–	–
एमएससी	–	–
पीएचडी	04	–

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

केंद्र बहु–विषयक क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर केंद्रित है। उन्नत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी एवं पदार्थ विज्ञान में अनुसंधान एवं विकास के लिए कुछ अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।

सीएई के अंतर्गत अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

1. ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनोडिवाइस रिसर्च लैब
2. गैर–संतुलन उन्नत इंजीनियरिंग लैब
3. हाइब्रिड नैनोडिवाइस रिसर्च ग्रुप (HNRG) नैनोस्केल डिवाइसेस
4. वीएलएसआई सर्किट एवं सिस्टम डिजाइन अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला
5. सुपरमॉलेक्यूलर केमिकल नैनोसाइंस ग्रुप
6. पदार्थ एवं उपकरण अनुसंधान समूह
7. सिग्नल एवं सॉफ्टवेयर ग्रुप (एसएएसजी)
8. सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी एवं उन्नत कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला
9. सिग्नल प्रोसेसिंग रिसर्च ग्रुप
10. नैनो एवं ऊर्जा सामग्री प्रयोगशाला
11. ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक एवं कार्यात्मक ऑक्साइड प्रयोगशाला
12. एसएमएन ग्रुप लैब

अनुसंधान परिणाम

क) कार्बनिक–अकार्बनिक नैनोहाइब्रिड का उपयोग करके इथेनॉल का पता लगाने के लिए निर्मित रसायन विज्ञान सेंसर।

ख यौगिक सेमीकंडक्टर में पाइंट दोषों, सतहों और इंटरफ़ेस की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और प्रथम–सिद्धांत गणना का उपयोग करके विद्युत और चुंबकीय गुणों पर उनका प्रभाव।

ग) नैनोमटेरियल विज्ञान और इंजीनियरिंग, पदार्थ में दोष, सिंगल वॉल और मल्टी वॉल कार्बन नैनोट्यूब (सीएनटी), मल्टी–लेयर ग्राफीन तथा 2डी एवं 3डी सामग्री इंजीनियरिंग।

घ) ट्रांज़िशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स (टीएमडी), नोवेल पेरोव्स्काइट, टोपोलॉजिकल इंसुलेटर, हाइड्रोजन और फ्यूल सेल के लिए छिद्रपूर्ण सामग्री, क्षार–आयन बैटरी और ऊर्जा भंडारण, सौर सेल, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, सीओ 2 और सीओ कैप्चर और एच 2 भंडारण।

केंद्र ने आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में विभिन्न उन्नत तकनीकों को कवर करते हुए विभिन्न लघु पाठ्यक्रम/वेबिनार/एफडीपी आयोजित किए हैं। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र ने अपने उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों और पेटेंट के साथ उल्लेखनीय योगदान दिया है और बड़ी संख्या में बाहरी यूजी छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

विभाग में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र में हमने रडार प्रौद्योगिकी और फोटोनिक्स के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान कार्य के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक गैर–प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हम आंतरिक और बाहरी छात्रों और संकाय सदस्यों को लाभ पहुँचाने के लिए एफडीपी और अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन करके अपनी आउटरीच गतिविधियों को बहुत मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। आईआईटी इंदौर में विद्युतीय अभियांत्रिकी में प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी के नेतृत्व में हाइब्रिड नैनोडिवाइस रिसर्च ग्रुप (एचएनआरजी) सूक्ष्म और नैनो–संरचित सामग्रियों की नई भौतिकी की खोज करता है, और रासायनिक, जैविक, ऑप्टिकल, इलेक्ट्रॉनिक और ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए उन्नत उपकरणों और उपकरणों को साकार करने में इस ज्ञान को लागू करता है। एचएनआरजी उच्च प्रदर्शन वाले उपकरणों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और पैकेजिंग सहित विविध अनुसंधान डोमेन में सक्रिय रूप से शामिल रहा हैः (ए) आरआरएएम/कृत्रिम न्यूरॉन्स, (बी) फोटोवोल्टिक, (सी) विषाक्त गैसों और रसायनों का पता लगाने के लिए जैव रासायनिक सेंसर पर्यावरण, (डी) उच्च–शक्ति और उच्च–आवृत्ति प्रणालियों के लिए एचएफईटी/एचईएमटी, (ई) एलईडी/फोटोडिटेक्टर।

हमें उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र संबद्धता के साथ निम्नलिखित पेटेंट फ़ाइल करने और प्रकाशित करने पर गर्व है:

1. एम. कुमार, एस. राजपूत, वी. कौशिक, पी. बाबू, एस.के. पांडे, "ऑल ऑप्टिकल मॉड्यूलेशन इन इंजीनियर्ड इंडियम टिन ऑक्साइड बेस्ड वर्टिकल कपल्ड रिंग रेज़ोनेटर एम्प्लॉयिंग एप्सिलॉन नियर जीरो स्टेट", भारतीय पेटेंट, नंबर 202321010734; फरवरी 2023 में फ़ाइल किया गया।

परियोजनाएँ

परियोजना	प्रायोजित	परामर्श
नई परियोजनाएँ	04	–
चल रही परियोजनाएँ	02	–

प्रायोजित परियोजनाएँ

1. पोरस मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क और सहसंयोजक कार्बनिक फ्रेमवर्क का विकास और हाइड्रोजन भंडारण में उनके संभावित अनुप्रयोग, डीएसटी–एसईआरबी, भारत सरकार। (परियोजना मूल्य 36 लाख रुपये), पीआई–डॉ. श्रीमंत पाखिरा (अवधिः 2022 – 2025)।
2. इम्प्लांटेबल पेसमेकर चिप (iPACE&CHIP) अवधिः 5 वर्ष (जून 2023 – मई 2028)
3. न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग अनुप्रयोगों के लिए बेहतर रैखिकता के साथ एनालॉग न्यूरल प्रोसेसर के लिए ऊर्जा कुशल इन–मेमोरी कंप्यूटिंग डिजाइन फ्रेमवर्क का डिजाइन और निर्माण, अवधिः 3 वर्ष (2023–2026)।
4. ZnO-आधारित MOSHFET में स्पेसर परत का प्रभाव, डीएसटी–एसईआरबी, INR 57,31,264, फरवरी 2022 – फरवरी 2025, भूमिकाः पीआई
5. IoT नोड्स में HEMT आधारित पावर कन्वर्टर्स का उपयोग करके पावर मॉनिटर और नियंत्रण, TIH IoT चाणक्य ग्रुप (पीएचडी, पीजी, यूजी) फेलोशिप प्रोग्राम 2022–23, INR 19,69,760, मार्च 2023 – फरवरी 2027, भूमिकाः पीआई
6. फसलों में रोगों की शीघ्र पहचान के लिए IoT सक्षम MCA आधारित इमेज प्रोसेसिंग का कार्यान्वयन, TIH IoT चाणक्य ग्रुप (पीएचडी, पीजी, यूजी) फेलोशिप कार्यक्रम 2022–23, INR 11,64,600, मार्च 2023 – अक्टूबर 2024, भूमिकाः PI
7. वियरबेल इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए IoT&सक्षम 2D TMD आधारित हाइब्रिड फोटोडिटेक्टर, TIH IoT चाणक्य ग्रुप (पीएचडी, पीजी, यूजी) फेलोशिप प्रोग्राम 2022–23, INR 11,29,400, मार्च 2023 – जुलाई 2024, भूमिकाः PI

आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

1. फोटोनिक्स सोसाइटी के आईआईटी इंदौर छात्र चैप्टर के सहयोग से मध्य प्रदेश के आईईईई फोटोनिक्स सोसाइटी चैप्टर के उद्घाटन समारोह में एडवांस्ड फोटोनिक्स पर कार्यशाला, 30 नवंबर 2022 और 1 दिसंबर, 2022 (प्रो. मुकेश कुमार द्वारा आयोजित)
2. आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज सोसाइटी (ईडीएस) अपस्किलिंग कोर्स "इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गतिशीलता और समाधान" विषय पर, स्टुडेंट चैप्टर, 10–11 मार्च, 2023 (प्रोफेसर शैबल मुखर्जी द्वारा आयोजित)

प्रकाशनः वर्ष 2022

विवरण	पुस्तकें प्रकाशित	किताबों में अध्याय	सम्मेलन में प्रबंध	पत्रिकाओं में प्रबंध
कुल	1+1 (एक पुस्तक प्रस्ताव आईओपी से अनुबंध हस्ताक्षरित है)		17	51

पुस्तकें प्रकाशित

1. दीक्षित, सुधीर और भाटिया, विमल और खंगनबा, संजराम और अग्रवाल, अनुज। (2022)। 6जीः ग्रामीण और दूरदराज के समुदायों के लिए सतत विकास, स्प्रिंगर, सिंगापुर।https:\\doi-org\10-1007\978-981-19-0339-7

संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआईटीसी)

संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र आईआईटीआई समुदाय के सदस्यों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है, जहाँ ये सेवाएँ प्रदान की जाती हैंः

नेटवर्क कनेक्टिविटीः सीआईटीसी पूरे परिसर में 2 जीबीपीएस नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करता है। पूरा परिसर 1200 से अधिक नवीनतम वायरलेस एक्सेस प्वाइंट से कवर किया गया है। सभी भवन, विभाग, छात्रावास, विद्यार्जन संसाधन केंद्र (एलआरसी), प्रशासनिक विभाग, व्याख्यान कक्ष परिसर, स्वास्थ्य केंद्र और संकाय निवास 10 जीबीपीएस 144 कोर फाइबर बैकबोन से जुड़े हुए हैं। आईआईटी इंदौर भी वैश्विक EDUROAM नेटवर्क का एक हिस्सा है।

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी): सीआईटीसी सर्वर, स्टोरेज और एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा का संचालन करता है। सीआईटीसी भवन में विकसित डेटा सेंटर अतिरिक्त यूपीएस और 320 केवी डीजी सुविधा से सुसज्जित है। सीआईटीसी में 5 InfiniBand Linu• क्लस्टर होस्ट किए गए हैं, कुल मिलाकर 1900 से अधिक CPU कोर और 100 TB स्टोरेज है।

आवश्यक आईटी सेवाएँः सीआईटीसी संस्थान की वेबसाइट के रखरखाव और विकास, आंतरिक/बाह्य डीएनएस सर्वर, वेब–आधारित स्वचालन, एलडीएपी/रेडियस का उपयोग करके केंद्रीकृत प्रमाणीकरण, प्रत्येक के लिए डीएचसीपी–आधारित गतिशील आईपी एलोकेशन सेवाओं जैसी सभी आवश्यक सेवाएँ इन–हाउस चला रहा है। बिल्डिंग, कैंपस वाई–फाई, स्टोरेज, कैंपस टेलीफोन सेवाएँ, ऑनलाइन ऑटोमेशन सेवाएँ, वर्चुअल संसाधन आवंटन, विभिन्न स्तर के उपयोगकर्ताओं के लिए आंतरिक क्लाउड स्टोरेज, व्यक्तिगत होमपेज होस्टिंग सेवाएँ और प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए ओपन–वीपीएन। सीआईटीसी के पास टिकट–आधारित ऑनलाइन सेवा अनुरोध प्रणाली है; उपयोगकर्ता ऑनलाइन सेवा अनुरोध और शिकायतें दर्ज कर सकता है और बाद में, उनकी स्थिति को ट्रैक कर सकता है।

तकनीकी सहायताः सीआईटीसी सभी विभागों, एलआरसी, छात्रावासों, आवासीय क्षेत्रों और प्रशासनिक अनुभागों में आईटी उपकरण और एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर की स्थापना तथा रखरखाव के लिए सहायता प्रदान करता है। हम स्मार्ट क्लास, कॉन्फ्रेंस रूम और बोर्ड रूम की स्थापना तथा रखरखाव के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं।

हमारी टीम के सदस्यः

1. डॉ. नेमिनाथ हुबली, प्रमुख सीआईटीसी
2. योगेन्द्र सिंह, डिप्टी सिस्टम मैनेजर
3. जीतेन्द्र गुप्ता, तकनीकी अधीक्षक
4. धीरज विजयवर्गीय, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
5. सुभाष सोनी, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
6. सुश्री प्रीति शर्मा, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
7. प्रल्हाद सिंह पंवार, सिस्टम एनालिस्ट
8. शैलेश कौशल, अधीक्षक
9. सुभा जना, अधीक्षक
10. सुश्री प्रिंसी अवधिया, प्रोग्रामर

इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस)

केंद्र का विज़न / मिशन

इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) की स्थापना अप्रैल 2021 में की गई थी। इसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं:

i) इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कौशल और प्रतिभा का विकास करना।

ii) परिवर्तनकारी गतिशीलता में अनुसंधान और नवाचार के लिए एक विश्व स्तरीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।

iii) ईवी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उद्यमियों को तैयार करना।

इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) ने देश भर के छात्रों और पेशेवरों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का व्यापक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए।

इस केंद्र ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 से इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (ईवीटी) में एमटेक कार्यक्रम शुरू किया है। इन कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम ईवी के सभी आवश्यक पहलुओं को कवर करते हैं। इसके अलावा, एमटेक+पीएचडी डुअल डिग्री प्रोग्राम भी शुरू किया गया है। केंद्र तीन प्रकार की अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा: ए) अनुसंधान, विकास और इंजीनियरिंग (आर, डी एंड ई) जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी (उद्योग समर्थन की आवश्यकता है); बी) उत्पादन क्षमता वाले अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान, डिजाइन और विकास (आर, डी एंड डी); और ग) बुनियादी अनुसंधान एवं विकास।

टीम के सदस्य

केंद्र से जुड़े संकाय सदस्यों की संख्या: 21

संकाय या फेलो का नाम	सीईवीआईटीएस में योगदान का क्षेत्र
डॉ. गौरव सिल (सीई)	ट्रैफिक इंजीनियरिंग, ट्रैफिक फ्लो थ्योरी
डॉ. आमोद सी. उमरीकर (ईई)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स
डॉ. आनंद पारे (एमई)	इलेक्ट्रिक वाहनों का शोर और कंपन
डॉ. देवेन्द्र देशमुख (एमई)	हाइब्रिड वाहन, इलेक्ट्रिक वाहनों की गतिशीलता और सिमुलेशन
डॉ. आई.ए. पलानी (एमई)	ऑटोट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन
डॉ. एस.एल. कुंडलवाल (एमई)	वाहन गतिशीलता, इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोगों के लिए समग्र सामग्री
डॉ. के. ईश्वर प्रसाद (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सामग्री और क्रैशवर्थनेस
डॉ. रूपेश एस. देवन (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण
डॉ. सुनील कुमार (एमईएमएस)	इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण
डॉ. पंकज आर. सागदेव (भौतिकी)	ट्राइबोइलेक्ट्रिक और नैनो–जनरेटर
डॉ. पी.के. संजराम (एचएसएस)	ऑटोमोबाइल में मानव कारक
डॉ. विजय ए.एस. (ईई)	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स
डॉ. सुमित गौतम (ईई)	वाहन संचार
डॉ. बोधिसत्व मजूमदार (सीएसई)	नेटवर्क सुरक्षा
डॉ. संजय क्र. सिंह (रसायन विज्ञान)	फ़्यूल सेल
डॉ. कृष्ण मोहन कुमार (एमई)	गतिशीलता
डॉ. तृप्ति जैन (ईई)	पॉवर सिस्टम में इलेक्ट्रिक वाहन
डॉ. सुभादीप पलाधी (ईई)	इलेक्ट्रिक ड्राइव्स
डॉ. जानकीरमन (एमई)	बैटरी मॉडलिंग और प्रबंधन
डॉ. विपुल सिंह (ईई)	ऑटोट्रॉनिक सिस्टम्स

शैक्षणिक कार्यक्रम

इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) ने देश भर के छात्रों और पेशेवरों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का व्यापक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए। इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 से इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी (EVT) में एमटेक कार्यक्रम शुरू किया है। केंद्र में एमटेक+पीएचडी डुअल डिग्री प्रोग्राम भी शुरू किया गया है।

प्रोग्राम	स्टूडेंट इनटेक	डिग्री प्रदान की गई
इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी में एमटेक	10–15	एमटेक

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

इलेक्ट्रिक वाहन एवं इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम केंद्र (सीईवीआईटीएस) में वर्तमान अनुसंधान क्षेत्र हैं:

ऊर्जा भंडारण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, वाहन संचार प्रणाली, वाहन गतिशीलता, यातायात इंजीनियरिंग, ईवी के लिए उन्नत सामग्री

केंद्र में उल्लेखनीय गतिविधियाँ

1) डीएसटी एसईआरबी कार्यशाला 'अगली पीढ़ी के इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम हेतु वाहन संचार' पर 12–19 जुलाई 2022 के बीच आयोजित की गई।
2) वीईसीवी पीथमपुर में पेशेवरों के लिए नियोजित पाठ्यक्रमः थर्मल प्रबंधन, कनेक्टेड वाहनों के नेटवर्किंग और सुरक्षा पहलू, बैटरी सेल और बैटरी रसायन विज्ञान, रडार और लिडार प्रौद्योगिकी।
3) इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी में एमटेक का पहला बैच जुलाई 2023 में पास होने जा रहा है।

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस)

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र, भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी विरासत को समझने, संरक्षित करने, उसके बारे में पढ़ाने और अपनाने पर केंद्रित है। यह केंद्र विशेष रूप से भारत की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विरासत और आधुनिक दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर केंद्रित है। गणित, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, जीव विज्ञान, कृषि, अभियांत्रिकी तथा चिकित्सा जैसे वास्तविक विज्ञानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह केंद्र केवल भारतीय ज्ञान प्रणालियों के भाषा अध्ययन या मानविकी अथवा सामाजिक विज्ञान पहलुओं पर केंद्रित नहीं है।

विजनः भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र का भव्य विजन उन विद्वानों की पीढ़ियों को प्रशिक्षित करना है, जो दुनिया को 'भारतीय पद्धति' दिखाएँगे।

केंद्र का उद्देश्य

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस) के उद्देश्य हैंः

1. भारत के पुरातन वैज्ञानिक ग्रंथों पर शोध करना
2. छात्रों को भारत के वैज्ञानिक ग्रंथों के बारे में शिक्षित करना
3. भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणालियों में छात्रवृत्ति का पोषण करना
4. भारत के शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों का संरक्षण करना
5. भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणालियों के क्षेत्र में भारत के अन्य एचईआई के साथ सहयोग करना

शिक्षण

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस) में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का गैर–औपचारिक संस्कृत शिक्षा (एनएफएसई) केंद्र है। केंद्र एनएफएसई केंद्र के हिस्से के रूप में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। केंद्र शुरुआती लोगों के लिए मौखिक संस्कृत पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (एमएसआरवीवीपी), उज्जैन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया कार्यान्वयन के अंतिम चरण में है। हस्ताक्षर होने के बाद, समझौता ज्ञापन आईआईटी इंदौर को एमएसआरवीवीपी के संकाय सदस्यों एवं छात्रों के लिए लघु पाठ्यक्रम और शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम करेगा।

अनुसंधान

भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस) अनुसंधान पाँच रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित हैः

1. ज्ञान प्रतिमान;
2. सतत कृषि;
3. नवीन सामग्री;
4. समग्र चिकित्सा;
5. पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण

अपनी स्थापना के बाद से पिछले दो वर्षों में, भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सीआईएसकेएस) ने आठ आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है। संकाय सदस्य शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग से वित्त पोषित तीन बाहरी अनुदान प्राप्त करने में सफल रहे हैं (तालिका 1)। एमएसआरवीवीपी और महर्षि पाणिनि संस्कृत विद्यालय, उज्जैन के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करने के प्रस्तावों पर तीसरी चरण चल रहा है। हम प्रस्तावों के तीसरे चरण में अन्य 6–12 परियोजनाओं को वित्तपोषित करने की उम्मीद करते हैं।

तालिका 1. वर्तमान में सीआईएसकेएस में कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं की सूची।

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक बाह्य परियोजनाएँ (शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस प्रभाग द्वारा वित्त पोषित)
1	नवीन धात्विक वज्र लेप कोटिंग का विकास और लक्षण वर्णन (डॉ. विनोद कुमार; रु. 19.7 लाख)
2	दिल्ली लौह स्तंभ की संरचना की नकल करते हुए Fe–आधारित मिश्रित सामग्री का विकास (डॉ. संतोष होस्मानी; रु. 17.5 लाख)
3	मध्य भारत में पारंपरिक लौह स्मारकों की जाँच और उनकी धातुकर्म उत्पत्ति को समझना (डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरिमिलि; रु. 17.3 लाख)

पिछले एक वर्ष की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) प्रभाग के सहयोग से सीआईएसकेएस द्वारा दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों का उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणालियों के साथ जागरूकता और जुड़ाव को बढ़ावा देना, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रसार में योगदान देना है।

भारतीय खेल पर एक कार्यशाला: आनंद की जीवन शैली में जागरूकता और खेल

कार्यशाला ''भारतीय खेलः जागरूकता और आनंद की जीवन शैली में खेल'' 20 जनवरी, 2023 को आईआईटी इंदौर में आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को भारतीय खेलों के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रणालियों का पता लगाने के लिए एक अनोखा मंच प्रदान करना है। इस कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागी प्राचीन भारतीय बोर्ड खेलों से जुड़े रहे, जिन्हें डिजाइन, इन्फोग्राफिक्स, सांख्यिकी, सचेतनता, सहानुभूति और खुशी के तत्वों को शामिल करने के लिए सोच–समझकर डिजाइन किया गया था, जिससे उन्हें इन खेलों में निहित सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव और कल्पना करने की अनुमति मिली। शिक्षा और मनोरंजन को मिलाकर, इस अभिनव दृष्टिकोण ने सीखने को अधिक आकर्षक और मनोरंजक बनाने का प्रयास किया।

इस कार्यक्रम में आईकेएस प्रभाग के दो प्रतिनिधियों, प्रोफेसर गंती एस मूर्ति और श्री सोमनाथ दनायक की भागीदारी देखी गई। श्री अमन गोपाल संसाधनों से भरे ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने एक बहुत ही सफल कार्यशाला सुनिश्चित करने के लिए अपनी विशेषज्ञता और सक्रिय भागीदारी साझा की। कार्यशाला में छात्रों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो आईआईटी इंदौर समुदाय के भीतर इस तरह की पहल के लिए बढ़ती रुचि और उत्साह को दर्शाता है।

धारा भारतीय धातुशास्त्र पर सम्मेलन

''धारा भारतीय धातुशास्त्र'' सम्मेलन 20 मार्च से 21 मार्च 2023 तक आईआईटी इंदौर में आयोजित हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञों, विद्वानों और उत्साही लोगों को धातु विज्ञान के प्राचीन भारतीय विज्ञान, भारतीय धातुशास्त्र की जटिलताओं पर चर्चा करने और इसके बारे में गहराई से जानने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों की इस महत्वपूर्ण शाखा की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान–प्रदान, अनुसंधान प्रस्तुतियों और चर्चाओं की सुविधा प्रदान की।

यह सम्मेलन भारतीय धातुशास्त्र के प्रमुख योगदानों पर केंद्रित था, जिसमें तांबे के अयस्कों से तांबा निकालना, इसे मोतियों और औजारों में आकार देना, आसवन के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले जस्ता को परिष्कृत करना, बेहतर तांबे मिश्र धातु (पीतल और कांस्य) का उत्पादन करना, नष्ट मोम के माध्यम से जटिल आकार की वस्तुओं का निर्माण करना शामिल है। कास्टिंग, प्राचीन एंट डिंगिंग तकनीक का उपयोग करके सोना निकालना, अष्टधातु मिश्र धातु तैयार करना, उच्च शक्ति और कठोरता वाले स्टील (वुट्ज़ स्टील) का उत्पादन करना, उच्च कठोरता और पहनने के प्रतिरोध के साथ क्रूसिबल स्टील बनाना, संक्षारण प्रतिरोधी लोहा विकसित करना, सर्जिकल अनुप्रयोगों के लिए सटीक उपकरण बनाना, लंबे समय तक निर्माण करना फोर्ज वेल्ड प्रौद्योगिकी के माध्यम से खंभे और औषधीय उपयोग के लिए भारी धातुओं को शुद्ध करना।

आईकेएस प्रभाग के तीन प्रतिष्ठित प्रतिनिधि, अर्थात् प्रो. गंती एस. मूर्ति, डॉ. अनुराधा चौधरी और श्री पीजस कांति पाल ने सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने चर्चाओं को समृद्ध किया और क्षेत्र में साथी विशेषज्ञों के साथ मूल्यवान संबंध स्थापित किए। सम्मेलन ने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया, जिसमें देश भर के विभिन्न शैक्षणिक तथा अनुसंधान संस्थानों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने धातुशास्त्र की बढ़ती रुचि और प्रासंगिकता को प्रदर्शित किया।

अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएफडीएसटी)

यह केंद्र "आत्मनिर्भर भारत" की दिशा में रक्षा एवं अंतरिक्ष क्षेत्रों के लिए विभिन्न अग्रणी तथा भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से "राष्ट्र–निर्माण" में उनके योगदान के लिए छात्रों और शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह केंद्र रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) जैसे देश के रक्षा संस्थानों की प्रमुख प्रयोगशालाओं की कुछ अनुसंधान समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने में योगदान दे रहा है। केंद्र विशिष्ट और समर्पित एम.टेक / एमएस (रिसर्च) और पीएचडी ऑफ़र करने की भी योजना बना रहा है। निकट भविष्य में रक्षा तथा अंतरिक्ष के व्यापक क्षेत्र में कार्यक्रम।

डॉ. इंद्रसेन सिंह (प्रमुख, सीएफडीएसटी), सुश्री कविता इनामदार, अत्याधुनिक रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र का कार्यभार संभाल रहे हैं।

सीएफडीएसटी में सदस्य

• प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन	• डॉ. राम संजीवन मौर्य
• प्रोफेसर रजनीश मिश्रा	• प्रोफेसर संजय कुमार सिंह
• प्रोफेसर राम बिलास पचौरी	• डॉ. सौरभ दास
• प्रोफेसर विमल भाटिया	• प्रोफेसर शैबाल मुखर्जी
• डॉ. अभिनय कुमार सिंह	• डॉ विनोद कुमार
• प्रोफेसर अभिरूप दत्ता	• डॉ. विवेक कान्हांगड
• डॉ. अभिषेक राजपूत	• डॉ. हेम चन्द्र झा
• प्रोफेसर अविनाश सोनावणे	• डॉ. जयप्रकाश मुरुगेसन
• डॉ. अजय कुमार कुशवाह	• डॉ. मुकेश कुमार
• प्रोफेसर आई ए पलानी	• प्रोफेसर निर्मला मेनन
• डॉ. ललित बोराणा	• प्रोफेसर रुचि शर्मा
• डॉ. मृगेन्द्र दुबे	• डॉ. सोमादित्य सेन
• प्रोफेसर नीलिमा सत्यम	• डॉ. सुमंत सामल
• डॉ. पंकज सागदेव	• डॉ. सूर्य प्रकाश
• डॉ. पुनीत गुप्ता	• डॉ. स्वामीनाथन रामबद्रन

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ: कोविड 19 महामारी के दौरान वेबिनार का आयोजन

- डॉ. अजय कुमार, आईएएस, रक्षा सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञ वार्ता। भारतीय रक्षा उद्योग, द सनराइज सेक्टर पर भारत का वेबिनार।
- सैन्य युद्ध पर विघटनकारी प्रभाव के रूप में प्रौद्योगिकी पर मेजर जनरल ए.के. चन्नन, पीवीएसएम, एसएम अपर महानिदेशक सेना डिजाइन ब्यूरो वेबिनार द्वारा विशेषज्ञ वार्ता।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक राष्ट्रीय शक्ति में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर लेफ्टिनेंट जनरल वीजी खंडारे पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम (सेवानिवृत्त) सैन्य सलाहकार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय वेबिनार द्वारा विशेषज्ञ वार्ता।
- 26 अगस्त 2020 को आयुध प्रतिष्ठानों में अनुसंधान और विकास में अवसरों (ARMREB–2020) पर एक दिवसीय कार्यशाला।

ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी)

संस्थान ने ग्रामीण सशक्तिकरण और प्रगति समाधानों में सहयोग तथा सुविधा प्रदान करने के लिए शोधकर्ताओं, स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, शिक्षकों और अन्य लोगों के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) की स्थापना की है। सीआरडीटी सहभागी, दीर्घकालिक, लोकतांत्रिक, पारदर्शी और लिंग संवेदीकरण प्रक्रियाओं को अपनाते हुए उचित और लोगों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और अनुप्रयोग द्वारा ग्रामीण आबादी को सशक्त बनाने और उनकी जीवन स्थितियों में सुधार करने में सक्षम बनाने का प्रयास करेगा।

हमारा लक्ष्य निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में काम करना है:

- विभिन्न व्यवसायों के लिए कौशल विकास तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम
- लघु उद्यमिता, दीर्घकालिक कुटीर उद्योग, मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास
- लैंगिक न्याय तक पहुँच एवं अवसर
- विभिन्न ग्रामीण गतिविधियों के लिए ई–प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च करने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफ़ेस विकसित करना, जिनके लिए बड़े समुदायों तक पहुँच की आवश्यकता होती है।
- सरकारी कल्याण योजनाओं के लिए मूल्यांकन एवं नीति सिफ़ारिशें।
- वन उत्पादों का दोहन करना और ग्रामीण उद्यमियों को प्रौद्योगिकी तक आसान पहुँच के साथ अपने उत्पादों को विकसित करने और बेचने में मदद करना।
- कौशल एवं आउटरीच के बीच अंतराल की पहचान करना और उस अंतर को भरने में सहायता करना
- व्यापक आधार वाले दृष्टिकोण के लिए गैर सरकारी संगठनों, सरकारी संगठनों, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों तक पहुँच।
- शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम–प्रभावकारिता और परिणाम।
- खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य पैकेजिंग और खाद्य भंडारण में प्रौद्योगिकी विकास।

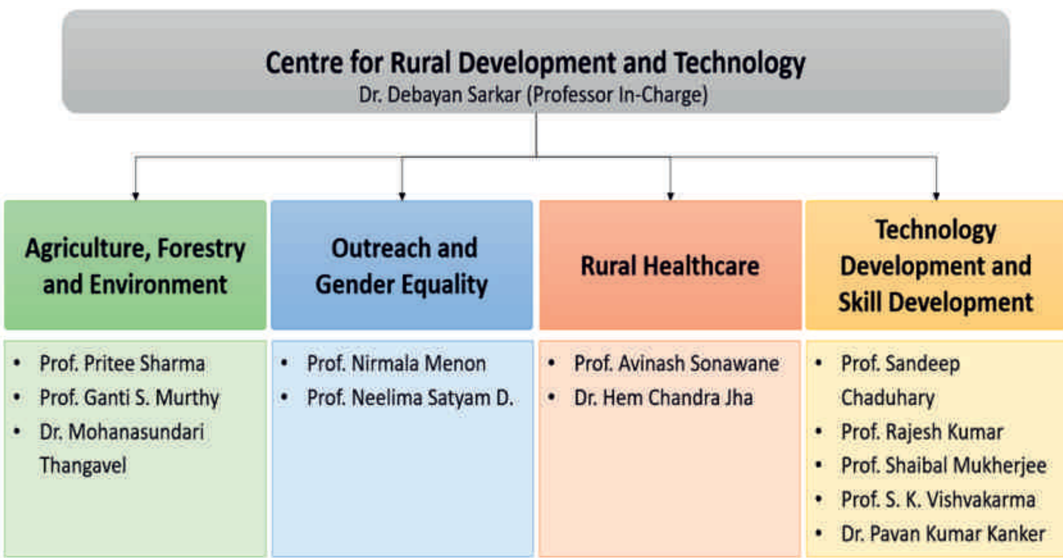

शैक्षणिक कार्यक्रम

ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) ने पीएचडी की सुविधा शुरू की है। विशेष रूप से ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी में एक ऐसा कार्यक्रम, जिसमें कृषि और पर्यावरण अर्थशास्त्र, स्थिरता अध्ययन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, खाद्य सुरक्षा जल ऊर्जा खाद्य नेक्सस जैसे अनुसंधान क्षेत्र शामिल हैं। /कृषि समस्याओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का अनुप्रयोग। /ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उत्पाद निर्माण। /ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में मिट्टी स्थिरीकरण के लिए दीर्घकालिक सामग्रियों का विकास और मूल्यांकन। /ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा जोखिम में कमी। / दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए फसलों में रोग का शीघ्र पता लगाना। / स्थानीय समुदायों पर ग्रामीण बुनियादी ढाँचे के विकास के सामाजिक आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन। / खाद्य और जैव प्रसंस्करण उपकरण डिजाइन और स्केलअप। / सतत ग्रामीण विकास के लिए पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं

का आधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकरण। / प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, जनजातीय अध्ययन, नीति विश्लेषण, ग्रामीण विकास। / कृषि मशीनरी और ऑटोमोबाइल में शोर, कंपन और कठोरता। /पोषक ऊर्जा जल नेक्सस। / लागत प्रभावी और दीर्घकालिक ग्रामीण आवास के लिए निर्माण तकनीकों और सामग्रियों का अनुकूलन। /कृषि पारिस्थितिक प्रणालियों का लचीलापन। /कृषि के लिए सेंसर। / सतत निर्माण। / सतत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा। / खाद्य भंडारण के लिए स्थायी तकनीकें। / वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम डिज़ाइन।

केंद्र द्वारा वैकल्पिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं और केंद्र अगले सत्र से नए पाठ्यक्रम प्रस्तावित करने की प्रक्रिया में भी है।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

केंद्र बहु–विषयक क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर केंद्रित है। यह ग्रामीण समुदाय के लिए उपयुक्त तकनीक विकसित करने पर भी काम कर रहा है।

आंतरिक प्रायोजित परियोजना:

सीआईएई भोपाल के सहयोग से ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) के तत्वावधान में ग्यारह केंद्र वित्त पोषित परियोजनाएँ चल रही हैं और दो परियोजनाएँ स्वीकृति के लिए तैयार हैं।

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक
1	मक्के के डंठल से निकाले गए सेलूलोज़ का उपयोग करके बायोप्लास्टिक का विकास
2	संसाधन पुनर्प्राप्ति दृष्टिकोण को नियोजित करते हुए विष्ठा संबंधी, नगरपालिका और कृषि अपशिष्टों सहित जैविक अपशिष्ट धारा का सतत प्रबंधन
3	कृषि मशीनीकरण और किसानों की आर्थिक स्थिति पर इसके प्रभावों का आकलन करना
4	स्मरणीय क्रॉसबार ऐरे–आधारित छवि के माध्यम से धान/सोयाबीन में बीमारियों का वास्तविक समय पर पता लगाना
5	रोगाणुरोधी प्रतिरोध हेलिकोबैक्टर पाइलोरी वृद्धि और रोग रोगजनन से निपटने के लिए सोयाबीन आधारित प्रोबायोटिक्स का आकलन
6	मिट्टी, पानी और पोषक तत्व बनाए रखने के गुणों और अध्ययन के लिए किफायती सुपर अवशोषक एग्री–जेल का विकास
7	चर आवर्धन यूएवी छवियों का उपयोग करके मकई की फसल के जमीन के ऊपर बायोमास का गहन सीएनएन–आधारित अनुमान।
8	लागत प्रभावी मैन्युअल रूप से संचालित चावल ट्रांसप्लांटर का डिजाइन और विकास
9	दूषित भूजल से कीटनाशकों के कुशल निष्कासन और क्षरण के लिए लागत प्रभावी फोटो सक्रिय नरम सामग्री का विकास
10	किसानों को कृषि गतिविधियों में मदद के लिए मोबाइल ऐप का विकास: कृषि सेवा
11	पीएलए आधारित बायोप्लास्टिक फॉर्मूलेशन के लिए कृषि–औद्योगिक अपशिष्ट का उपयोग करके पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) का सतत उत्पादन।

बाह्य प्रायोजित परियोजना

- पानी और गैस सेंसर के लिए IoT–सक्षम प्रतिरोध रीडआउट सर्किट, 'अयांश'–TIH–IoT स्टार्ट–अप और स्पिन–ऑफ प्रोग्राम 2022, आईआईटी बॉम्बे, INR 10,00,000, 2023–2025; भूमिका: पीआई (नोट: यह हमारे स्टार्टअप क्वानटेकएल2एम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एक उद्योग परियोजना है)।
- फसलों में रोगों की शीघ्र पहचान के लिए IoT सक्षम MCA आधारित इमेज प्रोसेसिंग का कार्यान्वयन, TIH IoT चाणक्य ग्रुप (पीएचडी, पीजी, यूजी) फेलोशिप कार्यक्रम 2022–23, INR 11,64,600, मार्च 2023 – अक्टूबर 2024; भूमिका: पीआई.
- प्रोफेसर प्रीति शर्मा, सह–पीआई होशंगाबाद वन प्रभाग, एमपी में जंगल की आग के कारण आर्थिक नुकसान और क्षति का आकलन, आईसीआईएमओडी–साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डेवलपमेंट एंड एनवायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स (ANDEE)

शोध परिणाम

- पीने के पानी से फ्लोराइड हटाने के लिए मकई–भुट्टे का उपयोग करके कम लागत वाला अवशोषक विकसित किया गया।
- जैविक ठोस अपशिष्टों से ऊर्जा/ईंधन का दोहन करने के लिए एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करना।
- कृषि मशीनीकरण और किसानों की आर्थिक स्थिति पर इसके प्रभावों का आकलन करना
- आलू की फसल में रोग और कीड़ों की पहचान के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया गया: कृषि–सेवा।
- थिंग्स (IoT) / आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) / मशीन लर्निंग (ML) एल्गोरिदम को विभिन्न फसल रोगों को रोकने के लिए मिट्टी की उर्वरता स्थितियों का वास्तविक समय विश्लेषण करने के लिए एक पोर्टेबल, हैंडहेल्ड सेंसर नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से प्लग किया गया है।
- श्य प्रकाश के लिए पोर्टेबल किट का विकास खाद्य सतहों पर फोटो गतिशील निष्क्रियता सूक्ष्मजीव – कोल्ड स्टोरेज का एक विकल्प

आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

- शैक्षणिक पाठ्यक्रम डिजाइन थिंकिंग फॉर रूरल एप्लीकेशन (आरडीटी 301/401/601) के भाग के रूप में झाबुआ, मध्य प्रदेश (भारत) के गोलाबाड़ी और उदास गांवों का क्षेत्र दौरा।
- 02 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती समारोह
- 02 अक्टूबर, 2022 को स्थानीय कारीगरों द्वारा प्रदर्शनी
- सीआईएई भोपाल के वैज्ञानिक ने सहयोगात्मक परियोजनाओं के लिए आईआईटी इंदौर का दौरा किया।
- निदेशक, सीआईएई भोपाल सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम के लिए आईआईटी इंदौर का दौरा
- 14 अक्टूबर, 2022 को टूलूज़ आईएनपी के प्रोफेसर पास्कल मौसियन और सीएनआरएस लैब के शोधकर्ता द्वारा विशेषज्ञ वार्ता। लाप्लेस, प्लाज्मा और ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला, फ्रांस और ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए मितव्ययी नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपाध्यक्ष द्वारा।
- शुक्रवार, 25 नवंबर 2022 को बहुहितधारक राउंडटेबल सम्मेलन,
- सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर और जेएसवी इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन।
- साथिया वेलफेयर सोसाइटी (एसडब्ल्यूएस) भोपाल सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए आईआईटी इंदौर का दौरा।
- 03 फरवरी, 2023 को प्रोफेसर एस.के. द्वारा विशेषज्ञ वार्ता। साहा, प्रोफेसर, आईएचएफसी चेयर प्रोफेसर और परियोजना निदेशक, आई–हब फाउंडेशन फॉर रोबोटिक्स (आईएचएफसी) मैके विभाग। इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली मल्टीबॉडी डायनेमिक्स फॉर रूरल एप्लीकेशंस (मुद्रा) पर –इंजीनियरिंग दिमागों को समाज से जोड़कर एक अभिनव शोध।
- 09 फरवरी, 2023 को श्री अर्पित माहेश्वरी, प्रोफेसर, जीवंतिका के सह–संस्थापक द्वारा सतत जीवन की यात्रा पर विशेषज्ञ वार्ता।
- 13 फरवरी, 2023 को विंडसर विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा में जानपद एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश सेठ द्वारा हमारे मीठे पानी के संसाधनों की सुरक्षा: बॉक्स से बाहर की सोच पर विशेषज्ञ वार्ता।
- सीआरडीटी, आईआईटी इंदौर और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग (सीआईएई) भोपाल के बीच समझौता ज्ञापन।
- ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी), आईआईटी इंदौर के तहत शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में निमाड़ अभ्युदय ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास संघ (एनएआरएमएडीए), तहसील – कसरावद, जिला – खरगोन, मध्य प्रदेश (भारत) का क्षेत्र दौरा

पेटेंट

- शैबाल मुखर्जी, चंद्रभान पटेल, विकाश कुमार, सुमित चौधरी, रंजन कुमार, एक विस्तृत श्रृंखला चर प्रतिरोध रीडआउट सर्किट, पेटेंट आवेदन संख्या 202221061451, 28 अक्टूबर, 2022 को फ़ाइल किया गया।

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (सेक्शन 8 कंपनी)

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन एक ऐसा टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब है जिसे आईआईटी इंदौर में सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और विजुअलाइज़ेशन पर विशेष ध्यान देने के साथ सीपीएस प्रौद्योगिकियों के लिए वन–स्टॉप समाधान प्रदाता बनने के व्यापक उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था। हब ने एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जो प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण के लिए शिक्षा, उद्योग और सरकारी एजेंसियों के प्रयासों के अभिसरण के लिए केंद्र बिंदु के रूप में काम करता है। यह वर्तमान में इस क्षेत्र में देश की बढ़ती माँग को पूरा करते हुए, ट्रांसलेशनल रिसर्च, उत्पाद व्यावसायीकरण, स्टार्टअप इनक्यूबेशन तथा कौशल वृद्धि के माध्यम से सीपीएस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए काम कर रहा है।

कार्यक्रम अपडेट

सहबद्ध कार्यक्रम	कुल संबद्ध सदस्यः 151
फ़ेलोशिप कार्यक्रम	अंडरग्रेजुएट फैलोशिपः 35 पोस्टग्रेजुएट फैलोशिपः 3 डॉक्टरेट फैलोशिपः 10 संकाय फैलोशिपः 2 अध्यक्ष प्रोफेसरः 2 स्वीकृत / स्वीकृत कुल फ़ेलोशिप राशिः INR 2.33 करोड़
प्रौद्योगिकी विकास प्रोग्राम	लैब टू मार्केट (एल2एम) योजनाः ● स्वीकृत परियोजनाओं की संख्याः 15 ● समीक्षाधीन प्रस्तावों की संख्याः 4 सीपीएस आधार में वृद्धिः 66
स्टार्ट–अप कार्यक्रम	योजना की घोषणाः सीपीएस–सीड सहायता, सीपीएस–प्रयास, सीपीएस–ईआईआर, सीपीएस–सीड सहायता शामिल स्टार्टअप की संख्याः 5 सीपीएस–प्रयास शामिल स्टार्टअप की संख्याः 9 ● मध्य प्रदेश पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंदौर स्मार्ट सिटी इनक्यूबेटर के साथ समझौता। ● स्टार्टअप के लिए मैथवर्क्स के साथ साझेदारी। उन्हें MATLAB] Simulink और 100 से अधिक सहयोगी उत्पादों तक एक वर्ष की निःशुल्क पहुँच मिलेगी। स्टार्टअप को ऑनलाइन प्रशिक्षण, मैथवर्क्स इंजीनियरों से समर्थन जैसे मूल्यवर्धित लाभ भी प्राप्त होंगे। ● 360 दिनों की अवधि के लिए ज़ोहो वॉलेट क्रेडिट प्रदान करने के लिए हमारे साथ जुड़े ज़ोहो फॉर स्टार्टअप के साथ समझौता ज्ञापन। इन क्रेडिट का उपयोग व्यक्तिगत ज़ोहो अनुप्रयोगों के साथ–साथ ज़ोहो वन, रिमोटली, वर्कप्लेस इत्यादि जैसे बंडलों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है। इनका उपयोग वैधता अवधि के दौरान नवीनीकरण, अपग्रेड और ऐड–ऑन के लिए भी किया जा सकता है। ● स्टार्टअप के लिए उनके एक्टिवेट प्रोग्राम के लिए AWS के बीच साझेदारी।

कौशल विकास कार्यक्रम	पाठ्यक्रम की घोषणा: 13 कोर्स का नामः क्लाउड, औद्योगिक सिमुलेशन एवं ऑटोमेशन, IoT सिमुलेशन और हार्डवेयर कुल संख्या प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या–578 आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के कौशल केंद्र को एनवीडिया अकादमिक हार्डवेयर अनुदान के लिए चुना गया था। क्लाउड कंप्यूटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम ने महिंद्रा समूह को आकर्षित किया है जो हमारे भविष्य के कार्यक्रमों के माध्यम से अपने कर्मचारियों और विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेगा।
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	• बेल्जियम के यूसीएलौवेन के साथ एनजीओ लौवेन कोऑपरेशन के सहयोग से उनके इंजेनिएक्स सूद परियोजना के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में। • बिजनेस आइडियाज फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम, जर्मनी (बीआईडी–जीआईजेड) के तहत कृषि और स्मार्ट सिटीज (ईवी) जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले पहले समूह में 4 उद्यमियों का समर्थन करना।
	23 नवंबर, 2021 को एक मीडिया पार्टनर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आउटरीच बुलेटिन के दो अंक अर्थात। दृष्टिकोण जारी किया गया है।

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएँ

फाउंडेशन की कुछ समर्थित परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

प्रौद्योगिकी का नामः कम लागत वाले अंडे की गुणवत्ता की भविष्यवाणी और विसंगति का पता लगाने के लिए हार्डवेयर सॉफ्टवेयर कंपनी का डिज़ाइन

टीआरएल चरणः टीआरएल 5, उत्पाद वर्तमान में क्षेत्रीय थैचरी एर्नाकुलम केरल में सत्यापन के अधीन है

विवरणः एक कम लागत वाली मिनी अंडा ग्रेडिंग मशीन विकसित की जा रही है जिसका उपयोग घर या छोटे पोल्ट्री फार्मों में सेने के लिए उपयुक्त अंडों का चयन करने के लिए किया जा सकता है, जो विशेष रूप से जैविक और खुली रेंज के पोल्ट्री फार्मों के लिए उपयोगी है। सिस्टम वर्णक्रमीय जानकारी निकालेगा, जैसे विभिन्न तरंग दैर्ध्य पर प्रकाश का अवशोषण और परावर्तन। इस वर्णक्रमीय जानकारी का उपयोग प्रोटीन, लिपिड और रंगद्रव्य सहित अंडे की रासायनिक संरचना की पहचान और मात्रा निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।

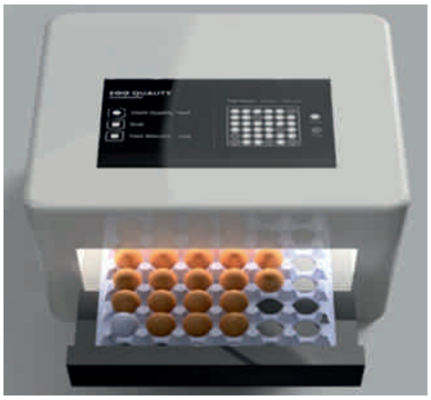

Final Product for Egg Quality Prediction and Anomaly Detection

प्रौद्योगिकी का नामः सूक्ष्म छवि आधारित सब्जी/फल गुणवत्ता मूल्यांकन

टीआरएल चरणः टीआरएल 5, विकसित तकनीक को भारतीय पेटेंट के लिए लागू किया गया है और पहली परीक्षा रिपोर्ट जनवरी 2023 में पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है।

विवरणः डीप लर्निंग (सीएनएन) का उपयोग करके सब्जी की गुणवत्ता का विश्लेषण करने के लिए एंड्रॉइड पर एक मोबाइल ऐप पर फोल्डस्कोप का उपयोग करके एक सूक्ष्म छवि कैप्चरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। यह तकनीक वास्तविक समय में मात्रात्मक मूल्यांकन और पोषक तत्वों, ताजगी सूचकांक और शेल्फ जीवन के संदर्भ में सब्जी की गुणवत्ता की भविष्यवाणी प्रदान करती है। अस्वीकृति और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को कम करने के लिए मुख्य रूप से निर्यात फसलों के लिए उपयोगी है।

डिज़ाइन की गई माइक्रोस्कोपी छवि जनरेशन मॉड्यूल और उसके विभिन्न भाग

सूक्ष्म छवि आधारित एक प्रोटोटाइप सब्जी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली

प्रौद्योगिकी का नाम: पूर्वानुमानित रखरखाव के लिए एक इंडक्शन मोटर के लिए 3डी होलोग्राफी आधारित डिजिटल ट्विन तकनीक।

टीआरएल चरण: टीआरएल 5, प्रौद्योगिकी को मैसर्स से समर्थन प्राप्त हुआ है। इस प्रस्तावित परियोजना के लिए टी. वी. सुपर फिल्टर्स इंडस्ट्रीज, जम्मू।

ऑन–साइट सत्यापन के लिए प्रस्तावित अनुसंधान प्रोटोटाइप को अपनाने के लिए जम्मू के साथ–साथ चंडीगढ़ के आसपास इलेक्ट्रिक मोटर/पंप निर्माण कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है।

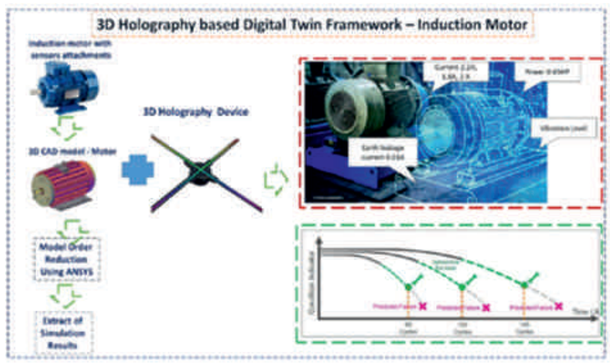

3डी होलोग्राफी आधारित डिजिटल ट्विन फ्रेमवर्क– इंडक्शन मोटर

विवरण:

- यह तकनीक सुधार के लिए वास्तविक समय के इनपुट और सुझावों का आकलन और पेशकश करती है, प्रयोगों की निगरानी करती है, स्वास्थ्य का विश्लेषण करती है और विद्युत/यांत्रिक प्रणालियों की मरम्मत और रखरखाव की भविष्यवाणी करती है।
- विचाराधीन सिस्टम से मुख्य डेटा/सामग्री को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बड़े डेटा और अन्य प्रौद्योगिकियों के समर्थन से गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। मशीन लर्निंग गणितीय मॉडल के नवीनीकरण और सुधार का समर्थन करता है, मूल्यांकन आयाम को परिष्कृत करता है और एल्गोरिदम की गणना और विश्लेषण के माध्यम से होलोग्राफिक डिजिटल ट्विन को मजबूत करता है।

प्रौद्योगिकी का नाम: मल्टीस्ट्रैटेजी शॉप फ़्लोर जॉब शेड्यूलिंग सॉफ़्टवेयर टूल

टीआरएल चरण: टीआरएल 5, अर्ध–एकीकृत प्रणाली का प्रयोगशाला परीक्षण

विवरण: एक स्वचालित उत्पादन वातावरण की मॉडलिंग और एक जॉब शॉप में उत्पादन शेड्यूलिंग का अनुकरण करने पर आधारित एक सॉफ्टवेयर टूल विकसित किया गया है। यह टूल विभिन्न जॉब शॉप परिस्थितियों के लिए संपूर्ण, अनुकूलनीय और व्यावहारिक उत्तर प्रदान करता है। यह विभिन्न औद्योगिक संदर्भों में कई प्रदर्शन मापों को ध्यान में रखते हुए समस्याओं को हल करने के लिए विभिन्न प्रकार के अनुमान और मेटाह्यूरिस्टिक्स का उपयोग करता है। इस उपकरण का प्रदर्शन हमारे औद्योगिक भागीदार के साथ IMTEX 2023 में किया गया था। प्रौद्योगिकी को आईआईटी इंदौर, आईआईटी बॉम्बे, एमआईटी और दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन सहित कई संगठनों के विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा विकसित किया गया था।

IMTEX 2023 में सॉफ्टवेयर टूल का प्रदर्शन

स्टार्टअप हाइलाइट्स

फाउंडेशन द्वारा समर्थित कुछ स्टार्टअप्स का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

अर्फिकस प्राइवेट लिमिटेड: अर्फिकस एक अत्यधिक उन्नत एआई–आधारित सास मेडिकल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जिसने रोग निदान के समय को घटाकर केवल 53 सेकंड कर दिया है। यह 99.3% सटीकता स्तर के साथ 53 से अधिक अत्यधिक संक्रामक रोगों, कैंसर और पुरानी बीमारियों का निदान करता है। "मेधिनी" नामक उत्पाद रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलॉजिस्ट की दक्षता में सुधार, एकाधिक परीक्षणों को कम करने, निदान के समय और लागत को कम करने, चार क्षेत्रों के साथ रोग निदान पर जोर देता है: –

- मेधएक्स लक्षण जाँचकर्ता
- मेधएक्स हेल्थ फ्यूचर प्रेडिक्शन मैपिंग
- मेधएक्स क्लिनिकल डायग्नोसिस
- मेधएक्स नई दवा की खोज और समर्थन

वेबसाइट: www-arficus-com
डोमेन: हेल्थटेक
उत्पाद का नाम: मेधिनी
टीआरएल और परिनियोजन स्थिति: टीआरएल 7, परिनियोजन के लिए तैयार

उत्पाद की विशेषताएँ:

- रोग निदान का समय 1 मिनट से भी कम हो गया
- सटीक घाव और विसंगति क्षेत्र प्रदान करना
- नेटवर्क, रोगी के भविष्य के स्वास्थ्य मानचित्रण और नई दवा– खोज सहायता

सॉफ्टवेयर का यूजर इंटरफ़ेस

जीवी ब्लैक डेनटेक प्राइवेट लिमिटेड: जीवी ब्लैक डेनटेक प्राइवेट लिमिटेड XClick3D विकसित कर रहा है जो एक 3डी छवि पुनर्निर्माण सॉफ्टवेयर है जो सामान्य और रोगग्रस्त दाँतों की शारीरिक रचना के एल्गोरिदम का उपयोग करके 2डी डेंटल एक्स–रे छवियों को अधिक सहज 3डी वॉल्यूम में बदल देता है।
डोमेन: दाँत की शारीरिक रचना के लिए 3डी छवि पुनर्निर्माण सॉफ्टवेयर
उत्पाद का नाम: XClick3D
उत्पाद की टीआरएल और परिनियोजन स्थिति: टीआरएल 9

उत्पाद की मुख्य विशेषताएँ: XClick3D एक क्लाउड–आधारित सॉफ़्टवेयर सेवा है जो 3डी वॉल्यूमेट्रिक छवियाँ उत्पन्न करने के लिए 2डी डेंटल एक्स–रे छवियों का उपयोग करेगी। ऐसा करने के लिए यह सांख्यिकीय आकार मॉडल के साथ संयोजन में उन्नत जनरेटिव डीप–लर्निंग विधियों का उपयोग करेगा।

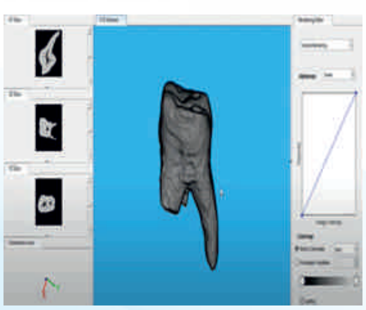

Image-1

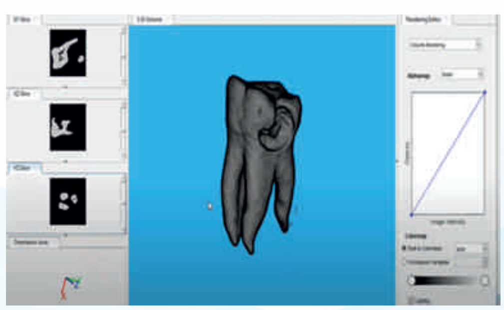

Image-2

बेहतर निरीक्षण और दवा के लिए 2डी छवियों से लेकर 3डी प्रक्षेपण तथा दाँत का विश्लेषण तक

एमएलवर्कएक्सः एमएलवर्कएक्स एक ऑनलाइन क्लाउड इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है जो संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण आवश्यकताओं के लिए वन–स्टॉप समाधान है जो उत्पाद की बाजार यात्रा को प्रोटोटाइप से बड़े पैमाने पर विनिर्माण तक तेज और सस्ता बनाता है।

वेबसाइटः http://www-mlworkÛ-com/

डोमेनः क्लाउड विनिर्माण प्लेटफ़ॉर्म

उत्पाद का नामः मैनुट्रैक्स क्लाउड विनिर्माण

उत्पाद की टीआरएल और परिनियोजन स्थितिः टीआरएल 9

उत्पाद की प्रमुख विशेषताएंः

- संगठनों के लिए वन–स्टॉप–शॉप इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्लेटफ़ॉर्म, जहाँ वे अपने उत्पाद को विचार संबंधी चरण से लेकर बड़े पैमाने पर उत्पादन चरण तक विकसित, प्रोटोटाइप और थोक निर्माण कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग यूनिट

क्वालिटी इंसपेक्शन मशीन

समारोह एवं कार्यक्रम

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने 3 फरवरी, 2023 को आईआईटी इंदौर में उद्योग 4.0 पर ध्यान केंद्रित करते हुए एमएसएमई के लिए डिजिटल परिवर्तन पर एक राउंडटेबल सम्मेलन का आयोजन किया। वरिष्ठ एमएसएमई कार्मिक, मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के प्रतिनिधि, आईआईटी, एनआईटी आदि के प्रोफेसर, स्टार्टअप संस्थापक और पीएच.डी. सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही, कार्यक्रम में कई विद्वान भी शामिल हुए।

कार्यक्रम ने शिक्षा जगत और उद्योग के बीच एक ऐसा सामंजस्य बनाया है, जहाँ दृष्टि सीपीएस एमएसएमई के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और भारत के उद्योग को 4.0 के लिए तैयार करने के लिए प्रौद्योगिकी विकास और स्थानांतरण, कौशल और स्टार्टअप को जोड़ने के लिए एक जोड़ के रूप में कार्य कर सकता है। 50 से अधिक समस्या कथनों की पहचान की गई और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन अब इन समस्याओं को हल करने के लिए शिक्षाविदों, स्टार्टअप, उद्योगों आदि सहित इच्छुक संस्थाओं का एक समूह स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

प्रतिभागियों के बीच एक राउंडटेबल चर्चा

आयोजन के दौरान एमएसएमई की समस्याओं की पहचान

इन्क्यूबेशन सेंटर और स्टार्टअप की स्थापना और कार्यान्वयन पर दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला

- उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा समर्थित।
- इस आयोजन ने एमपी के विभिन्न संस्थानों से जुड़े 30 उच्च शिक्षा संकाय सदस्यों को उद्यमिता, उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में शिक्षा जगत की भूमिका और ऊष्मायन केंद्रों की भूमिका और स्थापना के बारे में सफलतापूर्वक जागरूक किया।

प्रौद्योगिकी स्टार्टअप डेमो और मेंटरिंग बूटकैंप

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने 8 और 9 मई, 2023 को आईआईटी इंदौर कैंपस में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टि सीपीएस द्वारा वित्त पोषित तकनीक–आधारित स्टार्टअप के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करना था, ताकि वे अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सकें, उद्योग से जुड़ सकें। नेता, और अपने व्यवसायों की वृद्धि और मापनीयता को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं।

आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने 18 मई, 2023 को आईआईटी इंदौर परिसर में 8वें वार्षिक आदित्य बिड़ला ग्रुप मैन्युफैक्चरिंग समिट का आयोजन करने के लिए प्रोएमएफजी (ProMFG) के साथ साझेदारी की। इसने 100 से अधिक अग्रणी विनिर्माण कंपनियों को एक साथ लाया, जिन्होंने लागत अनुकूलन, गुणवत्ता सुधार और आपूर्ति श्रृंखला सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए अपने नवाचारों को प्रदर्शित करते हुए आकर्षक केस अध्ययन प्रस्तुत किए। प्रभाव, नवाचार और जटिलता के आधार पर इन केस अध्ययनों का मूल्यांकन करके, इस कार्यक्रम ने उद्योग की समस्याओं और संभावित समाधानों को एकत्र करने में मदद की।

उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा केस स्टडी की प्रस्तुती

इस आयोजन ने दृष्टि सीपीएस के शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स के माध्यम से नवीन समाधानों की दिशा में बड़े निगमों के साथ भविष्य की कई साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त किया।

डीएसटी–सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

परियोजना का शीर्षक: तकनीकी नवाचार और आईपीआर पारिस्थितिकी तंत्र

केंद्र का परिचय: केंद्र के दोहरे लक्ष्य हैं, जल संसाधनों और जल प्रशासन के एकीकृत प्रबंधन के लिए तकनीकी और नीति आयामों पर ध्यान केंद्रित करना तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति के विभिन्न पहलुओं को समझना। हम पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों के साथ–साथ बड़े डेटा अनुप्रयोगों का उपयोग करने और विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकार दस्तावेजों में डेटा का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। इसका उद्देश्य राज्य के लिए उद्योग प्रासंगिक मॉडल आउटपुट और नीति नोट्स प्रदान करना है। केंद्र की गतिविधियाँ बड़े पैमाने पर एसएंडटी तथा नवाचार संभावनाओं के साथ प्रभावी नीति–नियोजन–अभ्यास इंटरफ़ेस को सक्षम करके स्थानीयकरण जल एवं जलवायु, डीआरआर और सरल एजेंडा को सुदृढ़ बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। केंद्र की स्थापना वर्ष 2023 में हुई है।

विजन / मिशन और उद्देश्य: ऐसा बेहतरीन अनुसंधान विकसित करना आवश्यक है जो वैज्ञानिक साक्ष्य–आधारित ज्ञान और दृष्टिकोण को सार्वजनिक भागीदारी और अभ्यासकर्ता के दृष्टिकोण के साथ मिश्रित करता है, जो सरल, डीआरआर और स्थिरता पर ध्यान देने के साथ आज दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख जल और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। इस प्रस्ताव में नवाचार के पैटर्न और आविष्कारों के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न आईपीआर दस्तावेजों में डेटा का उपयोग करने पर ध्यान देने के साथ एक कार्य समूह की स्थापना भी शामिल है।

टीम के सदस्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	मनीष कुमार गोयल	प्रोफेसर	जानपद अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी	इंदजलवायु परिवर्तन और जल
2	रुचि शर्मा	प्रोफेसर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	इकोनॉमिक्स ऑफ इनोवेशन
3	संतोष कुमार विश्वकर्मा	प्रोफेसर	विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम डिजाइन
4	किरण बाला	एसोसिएट प्रोफेसर	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	जल और अपशिष्ट जल की पारिस्थितिकी, बायोरेमेडिएशन
5	मयूर शिरीष जैन	सहायक प्रोफेसर	जानपद अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट और जल इंटरैक्शन
6	निर्मला मेनन	प्रोफेसर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल, आईआईटी इंदौर	डिजिटल ह्यूमैनिटीज, ओपन एक्सेस और स्कॉलरली पब्लिशिंग इकोसिस्टम, बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण
7	विश्वरूप पाठक	प्रोफेसर	रसायन शास्त्र विभाग	स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य
8	ललित बोराना	एसोसिएट प्रोफेसर	जानपद अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	भू–तकनीकी और भू–पर्यावरण इंजीनियरिंग
9	पुनीत गुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	कंप्यूटर विजन, डीप लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग
10	प्रियांक जे. शर्मा	सहायक प्रोफेसर	जानपद अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	जल विज्ञान और जलवायु परिवर्तन विभाग

11	जी एस मूर्ति	प्रोफेसर	जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी इंदौर	कृषि और अपशिष्ट जल
12	अभिषेक श्रीवास्तव	प्रोफेसर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	सर्विस–ओरिएंटेड सिस्टम, गतिशील सिस्टम, भौगोलिक रूप से वितरित विकास वातावरण
13	नीरज मिश्रा	एसोसिएट प्रोफेसर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	सर्विस–ओरिएंटेड सिस्टम, गतिशील सिस्टम, भौगोलिक रूप से वितरित विकास वातावरण
14	प्रीति शर्मा	प्रोफेसर	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल	कृषि अर्थशास्त्र (भूमि, जल और वनों का अर्थशास्त्र), विकास अर्थशास्त्र (ग्रामीण गरीबी और विकासशील देशों की व्यापार चिंताएं)
15	आईए पलानी	प्रोफेसर	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	आधुनिक अंतः विषय प्रौद्योगिकियों के साथ बहु–कार्यात्मक उत्पादों और उपकरणों का विकास

जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र

जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के एक परियोजना अनुदान के माध्यम से अक्टूबर 2022 में आईआईटी इंदौर में की गई थी। केंद्र दो क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान, शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियाँ संचालित करता हैः 1) डिजिटल मानविकी और 2) पर्यावरणीय मानविकी।

मिशन और उद्देश्यः

केंद्र का उद्देश्य साहित्य, प्रकाशन, डिजिटलीकरण, कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान, पुरालेख, सांस्कृतिक अध्ययन, प्रकृति के ओन्टोलॉजी, पर्यावरण इतिहास, पर्यावरण न्याय तथा स्थिरता अध्ययन में शोधकर्ताओं को एक पटल पर लाना और कुछ खास विषयों पर बातचीत की सुविधा प्रदान करना है। डिजिटल मानविकी और पर्यावरण मानविकी को एमओई के IMPRINT डोमेन, SPARC सहयोगात्मक कॉल में एक उप–डोमेन के रूप में भी पहचाना जाता है और हाल ही में इसे यूजीसी कार्यक्रमों के तहत एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। यह केंद्र एक नोडल केंद्र है, जहाँ मानविकी आधारित अनुसंधान, शिक्षण तथा बौद्धिक जुड़ाव के लिए नए मीडिया एवं प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है। सामूहिक रूप से, शोधकर्ताओं के इस विविध समूह का लक्ष्य मानविकी छात्रवृत्ति को आगे बढ़ाना, ज्ञान के नए रूपों का निर्माण करना तथा मानविकी–आधारित अनुसंधान पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का पता लगाना है। इसलिए, केंद्र मानविकी, अभियांत्रिकी तथा विज्ञान के शोधकर्ताओं को एक साथ एक प्लेटफ़ॉर्म पर लाता है और एक नोडल स्थान के रूप में कार्य करता है जो डिजिटल छात्रवृत्ति के उच्च मानकों को मॉडल करने के लिए भाषा, साहित्य तथा प्रौद्योगिकी के शिक्षण–संबंधी क्षेत्रों पर सहयोगात्मक पहल को बढ़ावा देता है। केंद्र विद्वानों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके पारंपरिक अनुसंधान की सीमाओं का विस्तार करने के लिए एक अलग परिवेश प्रदान करेगा। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के उद्देश्यों के अनुरूप, जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र का मुख्य उद्देश्य मानविकी एवं बहुविषयक अनुसंधान तथा शिक्षाशास्त्र में मुख्य एवं उभरते क्षेत्रों में दीर्घकालिक तथा अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, विचार–विमर्श पैनल तथा खोजपूर्ण अध्ययन करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करना भी है।

उपलब्धियाँः

वित्त पोषित परियोजनाएँः देश भर के विश्वविद्यालयों में डिजिटलीकरण, संग्रह, भारतीय भाषाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली कुल 11 परियोजनाओं को केंद्र द्वारा वित्त पोषण के लिए स्वीकृति दे दी गई है। उदाहरण के लिए, "मागधी संस्कृति और भारत के लुप्तप्राय स्वदेशीः संग्रह, प्रसार और शिक्षाशास्त्र की एक परियोजना "प्रकृति और संस्कृति की द्वंद्वात्मकताः चयनित प्राचीन भारतीय ग्रंथों का एक पारिस्थितिक अध्ययन" और "सामाजिक–आर्थिक–पर्यावरणीय भेद्यता" जैसी परियोजनाएँ जलवायु परिवर्तन–प्रेरित आपदाओं के कारणः मध्य प्रदेश के लिए एक तहसील–स्तरीय मूल्यांकन"।

केंद्र के लिए प्रदान की गई परियोजनाएँः

1. प्रोफेसर निर्मला मेनन, सह–पीआई इंडो–स्विस द्विपक्षीय परियोजनाः डिजिटल ट्विन्सः वैश्विक युग में पहचान और स्थानांतरित विरासत पर बातचीत, ईपीएफएल, लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड के सहयोग से।
2. प्रोफेसर निर्मला मेनन, पीआई स्पार्क परियोजनाः एक बहुभाषी साहित्य छात्रवृत्ति डेटाबेस का विकास, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एलन ट्यूरिंग इंस्टीट्यूट, यूके
3. प्रोफेसर प्रीति शर्मा, सह–पीआई होशंगाबाद वन प्रभाग, एमपी में जंगल की आग के कारण आर्थिक नुकसान और क्षति का आकलन, आईसीआईएमओडी–साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डेवलपमेंट एंड एनवायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स (ANDEE)

टीम

प्रमुख संकाय सदस्यः

(I) प्रोफेसर निर्मला मेनन
संयोजक
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र और मुख्य विशेषताएँ: निर्मला मेनन साहित्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल की प्रोफेसर हैं। यह डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ एंड पब्लिशिंग रिसर्च ग्रुप का नेतृत्व करती हैं और एक ओपन एक्सेस पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म KSHIP (नॉलेज शेयरिंग इन पब्लिशिंग) की प्रोजेक्ट डायरेक्टर हैं। यह ओपन लाइब्रेरी ऑफ ह्यूमैनिटीज़ (ओएलएच) और यूबिक्विटी प्रेस, यूके के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। डॉ. मेनन डिजिटल ह्यूमेनिटीज़ अलायंस इन रिसर्च एंड टीचिंग इनोवेशन (DHARTI) के संस्थापक सदस्य और वर्तमान अध्यक्ष हैं। ये जनवरी 2022 से डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ क्वार्टरली (डीएचक्यू) की जनरल एडिटर हैं।

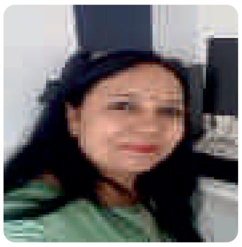

(ii) प्रोफेसर प्रीति शर्मा
सह–संयोजक
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र और मुख्य विशेषताएँ: प्रोफेसर प्रीति शर्मा ने ग्रामीण एवं शहरी गरीबों पर ध्यान केंद्रित करते हुए नीति–उन्मुख अनुसंधान किया है। कई अध्ययन प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, विशेष रूप से वन, जल और भूमि संसाधन, खाद्य सुरक्षा, कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तथा ग्रामीण एवं शहरी गरीबों से संबंधित थे। यह संस्थान में स्थिरता अध्ययन अनुसंधान समूह का निर्देशन करती हैं जो भारत में सतत विकास संबंधी चिंताओं को लक्षित करने के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर काम करता है। यह पर्यावरण मानविकी में अनुसंधान करने और पर्यवेक्षण करने वाली प्रमुख संकाय सदस्य हैं।

पोस्ट डॉक्टरल शोधकर्ता:

(i) डॉ. रीमा चौधरी सुखीजा
पोस्टडॉक्टोरल सदस्य
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र एवं मुख्य विशेषताएँ: इनका शोध बहुभाषी पाठ विश्लेषण, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, डिजिटल कहानी कहने और डिजिटल शिक्षाशास्त्र की जाँच पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य डिजिटल मानविकी अनुसंधान के विकसित परिदृश्य में योगदान देना, प्रौद्योगिकी तथा मानव संस्कृति, भाषाओं तथा पहचान के अध्ययन के बीच की दूरी को समाप्त करना है। इनका काम लोककथाओं और दुर्लभ सिंधी पांडुलिपियों जैसी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल संरक्षण पर केंद्रित है।

(ii) सल्ला नित्यनाथ कुमार
पोस्टडॉक्टोरल सदस्य
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र एवं मुख्य विशेषताएँ: इनकी शोध रुचि पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र में है। इन्होंने अपने पोस्टडॉक्टरल कार्य में पर्यावरण न्याय के लिए जल–ऊर्जा–खाद्य गठजोड़ के क्षेत्र में अपने डॉक्टरेट अनुसंधान का विस्तार किया है। मुख्य रूप से इनका शोध प्राकृतिक संसाधनों के आवंटन और पहुँच पर केंद्रित है।

अनुसंधान सहयोगी:

(i) दीनबंधु महता
शोध सहयोगी
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र और मुख्य विशेषताएँ: इनके अनुसंधान का मुख्य क्षेत्र शहरी भूगोल के पर्यावरण के साथ जुड़ाव पर केंद्रित है और इनका काम जनसंख्या एवं विकास, आदिवासी स्वास्थ्य तथा लिंग मुद्दों पर भी केंद्रित है।

शेनबागा प्रिया
शोध सहयोगी
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

अनुसंधान क्षेत्र एवं मुख्य विशेषताएँ: इनकी अनुसंधान रुचियाँ डिजिटल मानविकी और संज्ञानात्मक सिद्धांत, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और पाठ खनन हैं।

प्रशासनिक कर्मचारी – वर्ग:

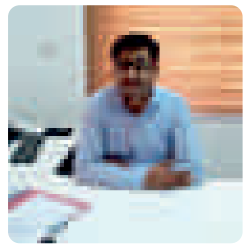

–हिमांशु रामावत
प्रशासनिक सहायक
जय प्रकाश नारायण राष्ट्रीय मानविकी उत्कृष्टता केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

आधारभूत संरचना:

यह मानविकी एवं डिजिटल पर्यावरण अनुसंधान के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में संकाय सदस्यों एवं शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए उपकरण तथा सॉफ़्टवेयर के साथ एक डिजिटल मानविकी लैब वाला एक नया राष्ट्रीय केंद्र है। साथ ही, प्रयोगशाला का विकास कार्य जारी है।